@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 19 फरवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 80 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मानव बस्ती में पशुओं की घुसपैठ रोकने के लिए बुलाई गई हड़ताल हुई हिंसक

वायनाड, 17 फरवरी। वायनाड में मानव-पशु संघर्ष से स्थाई समाधान की मांग के लिए सत्तारूढ़ एलडीएफ, विपक्षी यूडीएफ और भाजपा द्वारा शनिवार को बुलाई गई हड़ताड़ हिंसक हो गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने वन विभाग के एक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने वाहन के ऊपर एक गाय को बांध दिया जिसकी बाघ ने हत्या कर दी थी। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने वायनाड में लगातार होने वाले मानव-पशु संघर्ष से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए मंत्रियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक बुलाने का निर्देश जारी किया। राज्य के अन्य हिस्सों में सड़कों को जाम कर दिया गया। पुलपल्लि में स्थानीय लोगों ने वन विभाग के एक वाहन को रोककर उसमें तोड़फोड़ की। पुलपल्लि में भारी संख्या में स्थानीय लोग इकट्ठा हुए। उनके साथ पॉल का शव था। दरअसल, पॉल वन विभाग का एक गाइड था, जिस पर एक जंगली तस्कर ने हमला कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने वन विभाग के वाहन पर माला भी पहनाया और आरोप लगाया कि अधिकारी लोगों की जान की रक्षा करने में असमर्थ हैं। बाद में प्रदर्शनकारी मरी हुई गाय का शव लेकर आए, जिसकी बाघ ने हत्या कर दी थी। दिन में उन्होंने वन-विभाग के वाहन के ऊपर गाय के शव को रख दिया। मुख्यमंत्री ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। हड़ताल के कारण वायनाड जिले में दुकानें और व्यवसायिक प्रतिष्ठानें बंद रही और सड़कों पर वाहन भी नहीं दिखे।

राष्ट्रीय अधिवेशनः 2047 में विकसित भारत बनाना हैः पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 फरवरी। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन का आज दूसरा दिन है। आज पार्टी के शीर्ष नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगले 100 दिन में हमें जुट जाना है। सभी वोटरों तक पहुंचना है। हर वर्ग, हर परंपरा तक पहुंचना है। हमें सबका विश्वास हासिल करना है। और यह सबका प्रयास होगा तो देश की सेवा के लिए सबसे ज्यादा सीटें भी भाजपा को ही मिलेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा, कल मुझे पदाधिकारियों के साथ बैठने का अवसर मिला। मैं नड्डा जी को और उनकी पूरी टीम को और आप सबको बधाई देता हूं। जब मैं एक साल के काम की रिपोर्टिंग सुन रहा था, तब मैं इतना प्रभावित हुआ कि भाजपा के कार्यकर्ता सत्ता में रहने के बावजूद समाज के लिए इतना कार्य करते हैं। ये दो दिन में जो चर्चा हुई, देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारे संकल्प को दृढ़ करने वाली बातें हुई हैं। पीएम मोदी ने कहा नड्डा जी के माध्यम से मैं आप सबका अभिनंदन करता हूं। आज मैं समस्त देशवासियों की तरफ से संत शिरोमणि आचार्य श्री पूज्य विद्यासागर महाराज को श्रद्धा और आदरपूर्वक नमन करते हुए श्रद्धांजलि देता हूं।

उनकी समाधि लेने की सूचना मिलने के बाद उनके अनुयायी शोक में हैं। हम सभी शोक में हैं। मेरे लिए तो यह एक व्यक्तिगत क्षति जैसा है। वर्षों तक मुझे व्यक्तिगत रूप से अनेक बार उनसे मिलने और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला है। ये मेरा सौभाग्य रहा है कि पिछले 50 से भी ज्यादा वर्षों से मुझे देश के गणमान्य आध्यात्मिक मूर्तों का आशीर्वाद पाने का अवसर मिला है। इसलिए मैं उस शक्ति को जानता हूं, अनुभव करता हूं। मिशन शक्ति से देश में महिला सशक्तिकरण का वातावरण तैयार होगा। पीएम विश्वकर्मा योजना से परंपरागत कला से जुड़ी बहनें सशक्त होंगी। गांव के पास ही बेहतर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बनेंगे तो बेटियां खेलों में कमाल करेंगी। बीते 10 वर्ष साहसिक फैसलों और दूरगामी निर्णयों के साल हैं। सदियों से लटके काम पूरे किए गए हैं। 500 वर्षों के इंतजार के बाद राम मंदिर का निर्माण किया। सात दशक के इंतजार के बाद देश को आर्टिकल 370 से मुक्ति मिली। चार दशक बाद वन रैंक वन पेंशन की सौगात मिली है। तीन दशक बाद लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण मिला है। दशकों से नए संसद भवन की जरूरत थी उसे हमने ही पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा भारत ने आज हर क्षेत्र में जो ऊंचाई हासिल की है, उसने हर देशवासी को एक बड़े संकल्प के साथ जोड़ दिया है। ये संकल्प है विकसित भारत का। अब देश न छोटे सपनें देख सकता है और न ही छोटे संकल्प ले सकता।

एक महीने में विपक्ष के सौ बड़े नेता भाजपा में होंगे शामिलः अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 18 फरवरी। कांग्रेस नेता कमलनाथ के भाजपा में आने की अटकलें लगाई जा रही हैं। उनके साथ-साथ एक अन्य बड़े कांग्रेस नेता मनीष तिवारी के भी भाजपाई खेमे में आने की चर्चा जोरों से चल रही है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दावा किया है कि अगले एक महीने के अंदर विपक्ष के सौ बड़े नेता भाजपा ज्वाइन करेंगे। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद-विधायक और बड़े नेता शामिल होंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने के अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष के भी अनेक नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को देश को आगे बढ़ाने के लिए सही मानते हैं। वे अपनी पार्टीगत बाध्यताओं के चलते खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते, लेकिन उनकी आस्था प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों में है। यही कारण है कि वे अपनी-अपनी पार्टियों को छोड़कर भाजपा में आ सकते हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की यह बात इस अर्थ में बेहद महत्त्वपूर्ण है कि पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए इस लोकसभा चुनाव में 370 सीटें जिताने का लक्ष्य दे रखा है। भाजपा पहले ही अपने सर्वोच्च स्तर पर है। ऐसे में माना जा रहा है कि 370 सीटें जीतने का लक्ष्य तभी हासिल हो सकता है जब विपक्षी दलों के कई बड़े नेता भाजपा में आ जाएं और वे अपने प्रभाव वाली सीटों पर भाजपा को जिताने का काम करें। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की बातचीत उत्तर भारत के अलावा दक्षिण भारत के कई राज्यों के बड़े नेताओं से भी चल रही है। इसमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्य भी शामिल हैं।

उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी का नाम बदला, चुनाव आयोग ने लगाई मुहर

तेजिन्दर कौर बब्बर

पटना, 18 फरवरी। पूर्व मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी अब राष्ट्रीय लोक जनता दल (रालोजपा) नहीं बल्कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नाम से जानी जाएगी। अब उन्हें एक नया नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा मिल गया है। उन्होंने अब अपने पार्टी के नए नाम को रजिस्टर्ड करवा लिया गया है। इस संबंध में उपेंद्र कुशवाहा ने बताया कि उनकी पार्टी का नाम बदल गया है, जो अब रजिस्टर्ड भी हो गई है। उपेंद्र कुशवाहा ने बताया कि हमारे साथी चाहते थे कि हमारे पार्टी का नाम तीन शब्द से हो अब जो अब हो गई है। हमलोगों ने तीन की जगह पांच नाम चुनाव आयोग को सुझाया था, जिसमें अंतिम रूप से राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नाम पर मुहर लग गई और पार्टी इसी नाम से रजिस्टर्ड हो गई है। चुनाव आयोग की ओर से इस बात की सूचना मुझे मिल गई है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हमारी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नाम से काम करेगी और हमारी पार्टी एनडीए के मिलकर चुनाव लड़ेगी और 40 में 40 सीट जीतेगी। पूर्व मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने

सोशल मीडिया पर भी इस बात को शेयर किया। उन्होंने लिखा है कि- राष्ट्रीय लोक जनता दल के रजिस्ट्रेशन के क्रम में चुनाव आयोग और हमारे बीच पार्टी के संशोधित नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा पर सहमति बनी। अब इस संशोधित नाम अर्थात राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पंजीकरण का फाइनल आदेश चुनाव आयोग द्वारा जारी कर दिया गया है। इसके लिए चुनाव आयोग के प्रति विशेष आभार है। अब हमारी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा है जो चुनाव आयोग द्वारा रजिस्टर्ड है। पूर्व मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि चुनाव आयोग से नई पार्टी की मान्यता मिलने के बाद हमारी ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी अब बिहार की जनता को संवारने के लिए काम करेगी। उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में एनडीए के हिस्सेदार के रूप में हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी और बिहार में 40 में 40 सीटें एनडीए जीतेगा। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगी और कितने सीटों पर इसकी क्या तैयारी है, इस सवाल पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हमारी पार्टी 40 सीटों पर चुनाव की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी कितने सीट पर उम्मीदवार उतारेगी यह एनडीए निर्णय करेगा।

नकली-घटिया दवाओं पर रोक के लिए पहली बार दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली, 18 फरवरी। देश में नकली और घटिया दवाओं पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार ने पहली बार दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत सिर्फ शहरों या कस्बों में ही नहीं, बल्कि गांवों और दुर्गम स्थानों के अलावा स्कूल-कॉलेजों के आसपास दवा दुकानों पर भी जांच अनिवार्य की गई है। अब हर महीने औषधि निरीक्षक को जांच के लिए कम से कम 10 नमूने एकत्रित करने होंगे। इनमें नौ दवाएं और एक नमूना सौंदर्य प्रसाधन या फिर चिकित्सा उपकरण का होना चाहिए। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 की धारा 22 एवं 23 के तहत इन दिशानिर्देशों में बताया गया है कि औषधि निरीक्षक को एक स्थान से तीन नमूने लेना अनिवार्य है। औषधि निरीक्षक को जांच रिपोर्ट दिल्ली भी भेजनी होगी। दिशानिर्देशों के मुताबिक, सभी औषधि निरीक्षकों को अपने क्षेत्र की जनता और डॉक्टरों के साथ संपर्क में रहना जरूरी है। नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकने में इनकी भूमिका अहम है। इनके जरिये प्राथमिक सूचनाएं प्राप्त हो सकती हैं। यह भी ध्यान देने की जरूरत है कि किन दवाओं पर सबसे ज्यादा छूट ग्राहकों को दी जा रही है? केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक नमूना चयन के लिए हमारे पास कोई परिभाषित पद्धति नहीं थी। औषधि निरीक्षक अपने व्यक्तिगत ज्ञान के आधार पर ही नमूनों का चयन करते, जिनमें अधिकतर नमूने बड़ी कंपनियों के लिए जाते थे। गांव या दुर्गम स्थानों पर औषधि निरीक्षकों का ध्यान नहीं होता था। अगर हम देश के आखिरी छोर तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की बात कर रहे हैं तो हमें यह भी देखना होगा कि वहां उपलब्ध दवाओं की गुणवत्ता कैसी है?

झामुमो और कांग्रेस के बीच कोई संघर्ष नहींः चंपई सोरेन

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 18 फरवरी। झारखंड में मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद नई चंपई सोरेन सरकार मुश्किल में फंस गई है। दरअसल, मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद मंत्री पद न मिलने से कई कांग्रेस विधायक नाराज हैं। ये विधायक नई दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इन सबके बीच, मुख्यमंत्री सोरेन भी शनिवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के साथ राष्ट्रीय राजधानी स्थित झारखंड भवन पहुंच गए। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा, सरकार बनने के बाद मैं यहां पहली बार आया हूं। मैं आज मल्लिकार्जुन खरगे से मिलूंगा। गठबंधन के बीच मजबूत दायित्व के लिए बातचीत तो होती रहती है। आज भी बातचीत की जाएगी। कांग्रेस विधायकों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह कांग्रेस पार्टी का आंतरिक मामला है। वे अपने दम पर इसे हल करेंगे। मुझे उसके बारे में कुछ नहीं कहना है। झामुमो और कांग्रेस के बीच कोई संघर्ष नहीं है, सब कुछ बिल्कुल ठीक है। ठाकुर

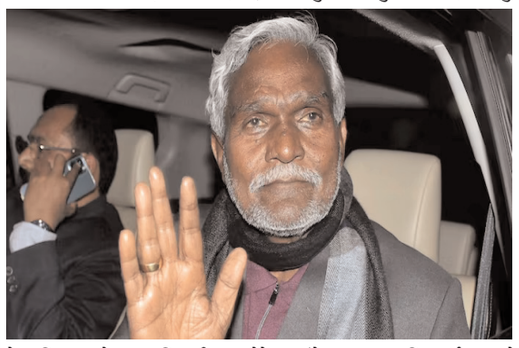

ने शनिवार को कहा कि सीएम सोरेन कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करेंगे। बता दें, मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं होने को लेकर नाराज कुछ विधायक खरगे के साथ अपनी समस्याओं पर चर्चा करने के लिए दिल्ली में हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन नए मंत्रिमंडल के गठन के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करेंगे। हम पार्टी के अन्य नेताओं से भी मिलेंगे। विधायक अपनी समस्याओं से अवगत कराने के लिए दिल्ली आए हुए हैं। नए मंत्रिमंडल को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के बीच संभावित दरार की अटकलों के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाई और पार्टी नेता बसंत सोरेन ने कहा कि कांग्रेस विधायकों को कुछ संदेह थे, जिन्हें दूर कर दिया गया है। उन्होंने कहा, कोई भी परेशान नहीं है। उन्हें (कांग्रेस विधायकों को) कुछ शंकाएं थीं, लेकिन उन सभी को दूर कर दिया गया है। हमारा परिवार एकजुट है। अब हर कोई संतुष्ट है। मैं दिल्ली जा रहा हूं। झारखंड में चंपई सोरेन मंत्रिमंडल में शनिवार को आठ मंत्रियों के शपथ लेने के बाद कांग्रेस के कुछ विधायकों ने पार्टी विस्तार को लेकर असंतोष जताया, जिसमें कथित तौर पर नए चेहरों को शामिल नहीं किया गया है जो उनकी मांग थी। कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने दावा किया कि उन्होंने मंत्रिमंडल की शपथ लेने से पहले अपने विचार रखे थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महगामा विधायक दीपिका पांडे सिंह ने कहा, हम चाहते हैं कि पार्टी मंत्रियों को बदले और नए चेहरों को मौका दें। अधिक महिला चेहरों को जोड़ने के बजाय, उन्होंने केवल एक महिला मंत्री को बरकरार रखा है। आप इसे कैसे उचित ठहराएंगे ? बता दें कि पिछली हेमंत सोरेन सरकार में उत्पाद शुल्क मंत्री बेबी देवी को महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग दिया गया था।

हिम्मत है तो राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाइएः टीएमसी

कोलकाता, 18 फरवरी। संदेशखाली मुद्दे पर बंगाल की राजनीति गरमाई हुई है। हाल ही में भाजपा नेताओं ने बंगाल में बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की थी। अब टीएमसी ने इस पर तगड़ा पलटवार किया है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने भाजपा की राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग पर कहा कि मैं चुनौती देता हूं कि यहां (पश्चिम बंगाल) राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाइए। हमें डराने की कोशिश मत कीजिए। आप चुनी हुई सरकार को हटा सकते हैं, ऐसे बयान अपने तक सीमित रखिए। कुणाल घोष ने कहा कि अगर आपमें हिम्मत है तो करके दिखाइए, बस बातें मत करिए। मिथुन चक्रवर्ती का संदेशखाली पर दिया गया बयान आधारहीन है। दरअसल भाजपा नेता और केंद्रीय राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि एक महिला सीएम होते हुए उन्हें (ममता बनर्जी) जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। राष्ट्रपति शासन लागू होना चाहिए। पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले में स्थित संदेशखाली में बीते करीब 10 दिनों से हंगामा चल रहा है। संदेशखाली में महिलाओं ने आरोप लगाए हैं कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों ने स्थानीय लोगों की जमीन पर कब्जा कर लिया। कई महिलाओं ने यौन शोषण के भी आरोप लगाए। इसे लेकर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया और अब भाजपा इस मुद्दे पर टीएमसी को घेरने की कोशिश कर रही है।

कमलनाथ पर भाजपा में मतभेद, 1984 के दंगों के आरोपों को लेकर सिख नेताओं ने जताई आपत्ति

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 18 फरवरी। कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर पार्टी में घमासान छिड़ गया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि 1984 के सिख दंगों के आरोपी कमलनाथ को पार्टी में लेने से सिख समाज के बीच गलत संदेश जाएगा। इसका दिल्ली और पंजाब सहित अनेक राज्यों में नुकसान हो सकता है। पार्टी के सिख नेताओं का दावा है कि उन्होंने पार्टी के उचित फोरम पर अपनी बात उठा दी है और कमलनाथ को पार्टी में लेने पर अपनी असहमति दर्ज कराई है। पार्टी में यह घमासान ऐसे समय में छिड़ा है जब कांग्रेस नेता कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनावों में 370 सीटें लाने के लिए कमर कस लेने की बात कह रहे हैं। पार्टी के सिख नेताओं का कहना है कि अब तक वे अपने समुदाय के लोगों से यही कहकर वोट मांगते आए हैं कि भाजपा उन्हें न्याय दिलवाएगी। कमलनाथ जगदीश टाइटलर और सज्जन कुमार के साथ उन कांग्रेस नेताओं में शामिल रहे हैं जो 1984 के सिख दंगों के दौरान दंगाइयों का नेतृत्व कर रहे थे। इन दंगों में 3500 से ज्यादा सिखों की हत्या की गई थी। कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को इन्हीं दंगों में शामिल होने के मामले में सजा हो चुकी है तो जगदीश टाइटलर अदालती कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। कमलनाथ अब तक साक्ष्यों-गवाहों के अभाव में बचे हुए हैं, लेकिन भाजपा नेता सिख दंगों की जांच को दोबारा खुलवाने और न्याय दिलाने की मांग करते रहे हैं। ऐसे में भाजपा नेताओं का कहना है कि कमलनाथ को पार्टी में लेने से नकारात्मक संदेश जाएगा जिससे बचा जाना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सिख समुदाय के प्रभावशाली नेता सरदार आरपी सिंह ने अमर उजाला से कहा कि जगदीश टाइटलर को पार्टी में लेने से सिख समुदाय के लोगों में असमंजस की स्थिति है। उन्होंने पार्टी के उचित फोरम पर अपनी बात रखी है। उन्हें पूरा भरोसा है कि सभी बातों को ध्यान में रखते हुए पार्टी नेतृत्व उचित निर्णय लेगा। भाजपा के दिल्ली राष्ट्रीय अधिवेशन (17-18 फरवरी) में पार्टी नेताओं ने लोकसभा चुनाव 2024 में 370 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 370 सीटों की जीत पार्टी संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने कश्मीर में अनुच्छेद 370 लगाने का विरोध किया था। भाजपा 200 के करीब सीटों पर अपनी जीत सुनिश्चित मानकर चलती है। जबकि वह 161 सीटों को अपने लिए बेहद कठिन श्रेणी में रखती है जिन पर पार्टी को कभी जीत नहीं मिली है। इन सीटों पर जीत हासिल करने के लिए विपक्ष के कई नेताओं को पार्टी से जोड़कर इन पर अपनी जीत सुनिश्चित करने की रणनीति अपना रही है। इसका प्रयास पूरे देश में अलग-अलग राज्यों में चल रहा है। इन 161 सीटों में मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा लोकसभा सीट भी शामिल है जहां प्रचंड मोदी लहर में भी भाजपा जीत नहीं हासिल कर पाई। भाजपा के लिए छिंदवाड़ा की सीट अबूझ पहेली साबित हुई है। 1997 के एकमात्र चुनाव में यहां से भाजपा को जीत मिली थी। उसके अलावा कांग्रेस को छोड़ कोई दल यहां से जीत हासिल नहीं कर पाया। 1980 से इस सीट पर कांग्रेस नेता कमलनाथ का प्रभाव है। वे अब तक नौ बार यहां से जीत दर्ज कर चुके हैं, जबकि 1996 में उनकी पत्नी अलका नाथ और 2019 में उनके बेटे नकुलनाथ ने जीत हासिल की थी। माना जा रहा है कि कमलनाथ-नकुलनाथ को भाजपा में शामिल कराकर भाजपा इस सीट पर भी कब्जा करना चाहती है। राहुल गांधी इस समय भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं।

संदेशखाली मामले में तृणमूल कांग्रेस नेता गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 फरवरी। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं की ओर से यौन उत्पीड़न और बलात्कार के आरोप लगाए जाने के बाद से लापता तृणमूल कांग्रेस के एक ब्लॉक अध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है। राज्य के पुलिस प्रमुख राजीव कुमार ने बताया कि शिबू प्रसाद हाजरा को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और प्राथमिकी में बलात्कार की धाराएं जोड़ी गई हैं। इस बीच, मामले में पीड़ितों की मदद के लिए राजभवन की ओर से हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। संदेशखाली प्रकरण सामने आने के बाद राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक तूफान जारी है। विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी आरोप-प्रत्यारोप में लगे हैं। इस बीच भाजपा और कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडलों को शुक्रवार को गांव का दौरा करने से रोक दिया गया था। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली की घटना पर राज्य के डीजीपी राजीव कुमार ने कहा है कि एक महिला ने मजिस्ट्रेट के सामने बयान दिया है। हमने इसे मामले के साथ जोड़ा है। सभी अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाएंगे, चाहे वह कोई भी हो। हम क्षेत्रवार स्थिति की समीक्षा करेंगे और एक-दो दिन में हम धारा 144 हटा देंगे। उधर संदेशखली प्रकरण पर बीजेपी विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा, हम बहुत अब भी बहुत आशवस्त नहीं हैं, लेकिन चलिए कम से कम बंगाल की पुलिस ने अब इस प्रकरण को स्वीकार किया है। समस्या सिर्फ संदेशखाली में नहीं है, यह पूरे बंगाल में है। यह सब ममता बनर्जी की देखरेख और मार्गदर्शन में चल रहा है। वह इन अपराधियों को समर्थन और प्रेरणा दे रही हैं क्योंकि यह सब गिव एंड टेक पॉलिसी है। पुलिस ने बताया कि हाजरा को शनिवार को नजत थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। वह शेख शाहजहां का करीबी है। दरअसल, पुलिस ने हाल ही में संदेशखली मामले में गैंगरेप और हत्या के प्रयास की धाराएं जोड़ी हैं। इस मामले में तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित नेता उत्तम सरदार और तृणमूल कांग्रेस के नेता शिव प्रसाद को आरोपी बनाया गया है। हत्या के प्रयास का मामला भी दर्ज किया गया है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने शनिवार को कहा कि राजभवन के दरवाजे संकटग्रस्त संदेशखली की महिलाओं के लिए खुले हैं जो अपने घरों में असुरक्षित महसूस करती हैं। संदेशखली में खुद को राखी भाई मानने वाले बोस ने पीड़ितों की रक्षा के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करने की कसम खाई।

सात दशक बाद पीएम मोदी ने की जम्मू-कश्मीर में सामाजिक न्याय की स्थापनाः उपराज्यपाल

नरेश मल्होत्रा

जम्मू, 18 फरवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा देश की आजादी के सात दशकों से अधिक समय के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में सामाजिक न्याय की स्थापना की। इससे सभी को समान अवसर और समाज में हाशिए पर रहने वाले वर्गों की संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित की गई है। अवाम की आवाज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने यह बातें कहीं। इस दौरान एलजी ने आत्मनिर्भर जम्मू कश्मीर के निर्माण के लिए सामाजिक न्याय प्रदान करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लाभार्थियों और प्रेरक गुमनाम नायकों की कहानियां भी साझा कीं जो नया जम्मू कश्मीर में परिवर्तन का प्रतीक बन गए हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के दृष्टिकोण ने विकासात्मक असंतुलन को दूर कर दिया है और जम्मू-कश्मीर को त्वरित और समावेशी विकास के पथ पर ला दिया है। उन्होंने कहा, कोई भी भविष्योन्मुख समाज जन-केंद्रित शासन के बिना प्रगति नहीं कर सकता है। हमारा दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करना है कि विकास समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे और अवसरों तक समान पहुंच के उपायों को और मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि गुज्जर, बकरवाल और अन्य सूचीबद्ध जनजातियों के हितों की रक्षा करते हुए पहाड़ी, पाडरी, कोली और गद्दा ब्राह्मण को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने का ऐतिहासिक निर्णय सभी के सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अवाम की आवाज कार्यक्रम के 35वें संस्करण को जम्मू कश्मीर के गुमनाम नायकों और नारी शक्ति को समर्पित करते हुए, उपराज्यपाल ने समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान और आदिवासी संस्कृति के पुनरुद्धार के लिए असाधारण प्रयासों के लिए बांदीपोरा की शबनम बशीर की सराहना की। उन्होंने बडगाम की वहीदा अख्तर का विशेष उल्लेख किया, जिन्होंने भारी चुनौतियों का सामना करते हुए क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण में मदद की। जम्मू की रेवा रैना विभिन्न स्कूलों में खेल के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रही हैं। उपराज्यपाल ने कहा, उनकी दूरदर्शिता और निस्वार्थता ने युवाओं को प्रगतिशील सोच लाने और उन्हें आकार देने में मदद की है। उपराज्यपाल ने सरस भारती, मेधावी शर्मा,

उधमपुर की अनीता शर्मा और शाहनाज बानो, कठुआ की सुनीता देवी, बारामुला के नाजिश राशिद, गांदरबल की महबूबा अख्तर और सांबा की निवासी लक्ष्मी के नामों का उल्लेख किया। जिन्होंने उद्यमिता, डोगरी लोक को बढ़ावा देने, बसोहली चित्रकला में अपना योगदान दे रही हैं। उपराज्यपाल ने महिलाओं के स्वास्थ्य, कल्याण और सुरक्षा पर श्रीनगर से डॉ. सैयद सेलीन, रियासी से प्रिया वर्मा और पुलवामा से इंशा मंजूर से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों को साझा किया और उचित कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने महिलाओं के बीच वित्तीय साक्षरता, उद्यमिता और महिलाओं के लिए नेतृत्व की भूमिकाओं से संबंधित सांबा के रिशु गुप्ता, कुपवाड़ा की नीलोफर बुखारी, उधमपुर की चंचल कुमारी और बडगाम की आरिफा आरा के प्रेरक विचारों को भी व्यक्त किया। इस महीने के एपिसोड में उपराज्यपाल ने राष्ट्रवादी विचारक-लेखक ठाकुर रघुनाथ सिंह को श्रद्धांजलि दी और डोगरी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। उन्होंने जम्मू कश्मीर की समृद्ध कला और विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए पद्म श्री प्राप्तकर्ता डोगरी लोक गायक रोमालो राम और श्रीनगर के मास्टर शिल्पकार गुलाम नबी डार को भी बधाई दी और उनकी सराहना की।

भारत में 2019 के बाद बढ़ा लोकतंत्र का स्तर, चीन-पाकिस्तान में तानाशाही

लंदन. लोकतंत्र सूचकांक में पाकिस्तान भारी गिरावट के साथ तानाशाही शासन की श्रेणी वाले देशों में पहुंच गया है, जबकि चीन उससे भी पीछे है। 167 देशों की सूची में भारत 41वीं रैंक के साथ खामियों भरे लोकतांत्रिक देशों की श्रेणी में शामिल है।ब्रिटिश समाचारपत्र द इकोनॉमिस्ट के शोध निकाय इकोनॉमिक इंटेलिजेंस ने शुक्रवार को दुनिया में लोकतंत्र पर अपनी सालाना रिपोर्ट डेमोक्रेसी इंडेक्स पेश की। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2006 में जब से यह

रिपोर्ट बननी शुरू हुई है, वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र सबसे निचले स्तर पर है।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनिया की सिर्फ 8 फीसदी आबादी ही ऐसे देशों में रहती है, जहां पूर्ण लोकतंत्र है। जबकि, 40 फीसदी आबादी तानाशाही शासन वाले देशों में रह रही है। रिपोर्ट में देशों को पूर्ण लोकतंत्र, खामियों वाला लोकतंत्र, तानाशाही और हाइब्रिड (न लोकतंत्र, न तानाशाही) की चार श्रेणियों में बांटा गया है।

पाकिस्तान की रैंकिंग 11 पायदान खिसकी

लोकतंत्र सूचकांक की रैंकिंग में पिछले साल (2022) की तुलना में पाकिस्तान 11 पायदान नीचे खिसक कर 118वें स्थान पर पहुंच गया है। खुद को दुनिया का पांचवां बड़ा लोकतंत्र बताने वाले पाकिस्तान का स्कोर 3.25 है, जो तानाशाही श्रेणी में आता है। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से लोकतंत्र में ह्रास के आरोपों के उलट 2019 के बाद से भारत के स्कोर में लगातार वृद्धि हो रही है। सूची में नॉर्वे शीर्ष पर रहा है। इसके बाद न्यूजीलैंड, आइसलैंड व स्वीडन का नंबर आता है।

पाकिस्तान में चुनाव धांधली के आरोपों की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने एक शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी की ओर से लगाए गए उन आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है जिनमें कहा गया था कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के साथ रावलपिंडी में चुनाव में न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग की शह पर धांधली की गई। रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त लियाकत अली चट्ठा ने शनिवार को आरोप लगाया कि शहर में जो उम्मीदवार चुनाव हार रहे थे, उन्हें जिताया गया। उन्होंने दावा किया कि रावलपिंडी में 13 उम्मीदवारों को जबरदस्ती विजेता घोषित किया गया।

उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में धांधली और पार्टी को मिले जनादेश को छीने जाने के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। समाचारपत्र 'डान में प्रकाशित एक खबर में रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त ने कहा,'' मैं इस गड़बड़ी की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और बता रहा हूं कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्य न्यायाधीश इसमें पूरी तरह से शामिल हैं। चट्ठा ने चुनाव परिणामों में हेर-फेर की ''जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था।पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने चट्ठा द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ लगाए गए आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है। ईसीपी ने आरोपों पर चर्चा के लिए एक आपातकालीन बैठक की और आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।

मेरी देखरेख में नतीजे बदले; पाकिस्तान का यह कैसा चुनाव, कमिश्नर ने ही माना खेल किया था

पाकिस्तान के आम चुनाव में धांधली की जिम्मेदारी लेते हुए रावलपिंडी के कमिश्नर ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने स्वीकार किया है कि उनकी ही देखरेख में चुनाव परिणाम बदले गए हैं।

इस्लामाबाद.पाकिस्तान में आम चुनावों ने धांधली की भी एक मिसाल कायम कर दी है। 8 फरवरी को आए चुनावी नतीजों के बाद पाकिस्तान में जनता सड़कों पर उतर चुकी है। वहीं धांधली के आरोपों के बीच रावलपिंडी डिवीजन के कमिश्रर ने अपने पद से इस्तीफा देते हुए बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि इमरान खान समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को हराने के लिए उनकी ही देखरेख में नतीजे बदले गए। कमिश्नर ने मान लिया है कि चुनाव में खेल किया गया और धांधली करके पीएमएल-एन को रावलपिंडी की 13 सीटों पर जीत दिलाई गई।

सुप्रीम कोर्ट के जजों पर भी धांधली का आरोप

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम बाहर कमिश्नर लियाकत अली चाथा ने कहा, मैं अपनी गलती की जिम्मेदारी लेता हूं। इस काम में चीफ इलेक्शन कमिश्नर और सुप्रीम कोर्ट के शीर्ष जज भी शामिल थे। जो निर्दलीय उम्मीदवार 70 से 80 हजार वोटों से आगे चल रहे थे उन्हें हराने के लिए फर्जी स्टैंप का सहारा लिया गया। उन्होंने कहा, मैं धांधली की जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने पंजाब के गवर्नर हाजी गुलाम अली और अंतरिम मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी को पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया। जब चुनाव के दौरान और परिणाम आने तक प्रक्रिया में अनियमितता पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, यह तो बहुत छोटा शब्द है। बल्कि सीधा कहना चाहिए कि देश की पीठ पर छुरा भोंका गया है। इस वजह से मुझे नींद नहीं आ रही थी।

मैंने जो अन्याय किया है उसके लिए मुझे सजा मिलनी चाहिए। साथ ही उन लोगों को भी सजा देना चाहिए जो लोग इस काम में शामिल थे। रावलपिंडी स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से पहले चाथा ने कहा कि उनपर इतना दबाव था कि उन्होंने खुदकुशी करने का फैसला कर लिया था। लेकिन फिर उन्होंने जनता के सामने जाने का फैसला किया।

उन्होंने कहा, मैं नौकरशाहों से यही प्रार्थना करूंगा कि इन नेताओं के लिए कोई गलत काम ना करें। चाथा के दावे के बाद पाकिस्तानी चुनाव आयोग ने कहा कि ये सारे आरोप सरासर गलत हैं। आयोग ने कहा, किसी भी अधिकारी से चुनाव परिणामों में कोई परिवर्तन करने के लिए नहीं कहा गया था। किसी भी डिवीजन के कमिश्नर ने रिटर्निंग ऑफिसर या फिर प्रीसाइडिंग ऑफिसर से चुनाव परिणाम या फिर चुनावी प्रक्रिया में कोई गड़बड़ करने का निर्देश नहीं दिया था। इस मामले में जल्द ही चुनाव आयोग जांच करवाएगा। वहीं चाथा के दावों को लेकर पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने भी निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित की जाएगी। बता दें कि पाकिस्तान में हुए आम चुनाव में इमरान खान की पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि चुनाव से पहले ही उनकी पार्टी को बैन कर दिया गया था।

ऐसे में उनके समर्थक उम्मीदवार निर्दलीय लड़े थे। इमरान खान फिलहाल जेल में हैं। खबर ये भी हैं कि उनकी आईएसआई से बात हो चुकी है और वह प्रधानमंत्री बनने की रेस में शामिल हो गए हैं।

रूस को लेकर एस जयशंकर ने दिया ऐसा स्मार्ट जवाब, हंस पड़े अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन

म्यूनिख. म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर से जब भारत और रूस के संबंधों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने ऐसा स्मार्ट जवाब दिया कि एंटनी ब्लिंकन भी खुद को हंसने से नहीं रोक सके। दरअसल एक कार्यक्रम में ब्लिंकन और जयशंकर दोनों ही मौजूद थे और होस्ट उनसे सवाल कर रही थीं। उनके एक सवाल पर जयशंकर ने कहा, अगर हम इतने स्मार्ट हैं कि हमारे पास बहुत सारे ऑप्शन हैं तो इसमें चिंता की क्या बात है। इसको लेकर तो आपको हमारी प्रशंसा करनी चाहिए। स और यूक्रेन के युद्ध को लेकर होस्ट ने एस जयशंकर से कहा, ऐसा लगता है कि भारत की विदेश नीति अब नॉन अलाइनमेंट से ऑल अलाइनमेंट की ओर शिफ्ट हो गई है। तेल खरीदने के मामले में भारत ने अमेरिका की बात नहीं मानी और रूस से लगातार व्यापारिक संबंध बने हुए हैं। इसपर जयशंकर ने कहा, क्या यह कोई समस्या है। आखिर यह समस्या क्यों होनी चाहिए? अगर हम स्मार्ट हैं और हमारे पास पहुत सारे विकल्प हैं। आपको तो हमारी तारीफ करनी चाहिए। ये दूसरों के लिए भी कोई समस्या नहीं है। मैं बताना चाहता हूं कि एक देश पर बहुत सारे दबाव होते हैं। किसी भी देश के साथ एक आयामी रिश्ते बनाना बहुत मुश्कि होता है।जब मॉडरेटर ने एस जयशंकर से यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के दौरान भी तेल खरीद जारी रखने को लेकर सवाल किया तो एंटनी ब्लिंकन मुस्कुरा रहे थे। जयशंकर ने जवाब देते हुए कहा, मैं नहीं चाहता कि आप ऐसी छाप छोड़ें कि हम बिना किसी सेंटिमेंट पर ध्यान दिए यूं ही शिफ्ट कर जाते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है।

अब तक 28 हजार लोगों की मौत; इजराइल को और गोला-बारूद देगा अमेरिका, गाजा में भूख से मरी 8 साल की बच्ची

इंटरनेशनल डेस्क.

पिछले साल 8 अक्टूबर को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग अब भी जारी है। इस बीच अमेरिका ने लगातार नेतन्याहू सरकार का समर्थन किया है। हमास के खिलाफ जारी जंग के बीच अमेरिका द्वारा इजराइल को बम और हथियार भेजने की तैयारी की जा रही है। युद्ध का सबसे ज्यादा असर गाजा पर पड़ा है। गाजा में जंग के चलते भुखमरी के हालात बन रहे हैं। यूरो मेड ह्यूमन राइट्स मॉनिटर के मुताबिक गाजा में हनिन जुम्मा नाम की एक 8 साल की बच्ची ने भूख से दम तोड़ दिया। बच्ची के पिता सालेह के मुताबिक जिस रात उसकी मौत हुई, उसने भूखा होने की बात कही थी।कोई वाहन नहीं होने के चलते हनिन को गधा गाड़ी से अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उसकी भूख और प्यास से मौत हो गई है। सालेह ने कहा- उन्हें रोज खाना नहीं मिल पा रहा है। ह की मदद उन तक कई दिनों के गैप के बाद पहुंचती है। अमेरिकी मीडिया हाउस द वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक इजराइल को करीब 500 पाउंड के एक हजार स्ब-82 बम और चरू572 गोला बारूद दिए जाएंगे। चरू572 गोला बारूद सटीक जगहों पर निशाना लगाने में माहिर हैं। ये रिपोर्ट उस वक्त आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति हर एक मंच पर जाकर जंग रुकवाने की कोशिश करने के दावे कर रहे हैं।

काटों वाला ताज नहीं चाहिए; बिलावल के साथ हुकूमत चलाएं इमरान, पाकिस्तान में नई सरकार पर पीछे क्यों हटे नवाज

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में 8 फरवरी को संपन्न हुए चुनाव को एक हफ्ते से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन देश में नई सरकार को लेकर कोई स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। पाकिस्तान में राजनीतिक संकट का सूरज अभी भी नजर नहीं आ रहा है। एक ओर जहां विभिन्न राजनीतिक दल चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर किसी भी राजनीतिक दल को सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत नहीं मिल पाया है। इस एक सप्ताह के भीतर पाकिस्तान में नई सरकार को लेकर कई समीकरण सामने आए। कभी नवाज के राष्ट्रपति, कभी बिलावल के पीएम उम्मीदवार तो कभी शहबाज को कमान की खबरें सामने आई। उधर, इमरान खान जो पहले सरकार बनाने का दावा कर रहे थे, आईएसआई के अधिकारियों से मुलाकात के बाद अपनी बातों से पीछे हट गए हैं। अब पाकिस्तान में नया अपडेट और भी चौंकाने वाला है। नवाज शरीफ की पार्टी के एक बड़े नेता ने कहा है कि उन्हें काटों वालों ताज नहीं चाहिए। बिलावल भुट्टो और इमरान को मिलकर देश में नई सरकार बना लेनी चाहिए।पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम और अनौपचारिक परिणामों के अनुसार, मुस्लिम लीग-एन ने नेशनल असेंबली में 75 सीटें जीती हैं, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के 54 उम्मीदवार, पाकिस्तान एमक्यूएम के 17 उम्मीदवार और अन्य दलों के 25 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। इस चुनाव में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ द्वारा समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवार 93 सीटें जीतने में कामयाब रहे हैं। यानी किसी को भी साधारण बहुमत नहीं मिला है।

8 फरवरी को जब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र सेबाहर निकले तो उन्होंने चुनाव नतीजों के बारे में एक पत्रकार के सवाल पर कहा थाजो भी सरकार बने वह साधारण बहुमत से बने। यही बेहतर है। लेकिन उनकी इच्छा पूरी नहीं हो सकी और उन्होंने चुनाव के अगले दिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम, एमक्यूएम और स्वतंत्र सदस्यों को गठबंधन सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया।

हमास की मांगें मानी ही नहीं जा सकतीं, सीजफायर की बातचीत से पीछे हटा इस्राइल

तेल अवीव. इस्राइल और हमास के बीच चल रही शांतिवार्ता अटक सकती है। दरअसल इस्राइल का कहना है कि हमास की मांगें ऐसी हैं, जिन्हें माना नहीं जा सकता। ऐसे में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिए हैं कि वे बातचीत से पीछे हट रहे हैं। नेतन्याहू ने ये भी कहा कि इस्राइल फलस्तीन के साथ दो देश के समझौते पर किसी अंतरराष्ट्रीय दबाव में नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि इस्राइल ऐसी कोई भी बातचीत सीधे फलस्तीन से करेगा और वो भी बिना तय शर्तों के।

हमें बातचीत से कुछ हासिल नहीं हो रहा

इस्राइल और हमास के बीच मिस्त्र की राजधानी काहिरा में शांति वार्ता हो रही है। अमेरिका के कहने पर इस्राइल ने अपने वार्ताकार भी काहिरा भेजे थे, लेकिन बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने वार्ताकार आगे की बातचीत के लिए काहिरा भेजने से इनकार कर दिया है।

मीडिया द्वारा इसे लेकर पूछे गए सवाल पर नेतन्याहू ने कहा कि हमें इस बातचीत से हमास की भ्रामक मांगों के अलावा कुछ हासिल नहीं हो रहा है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमास द्वारा जो मांगें रखी जा रही हैं, उनमें गाजा में युद्ध तुरंत समाप्त करने और हमास को छोड़ने की मांग की जा रही है।

नवाज ने यूं ही नहीं छोड़ा पीएम पद, बेटी का सियासी कद बढ़ाने के लिए फैसला; सेना की भी भूमिका

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के प्रमुख नवाज शरीफ ने रिकॉर्ड चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को त्याग दिया है। इसके पीछे की असली वजह है नवाज की बेटी का सियासी कद बढ़ाना।

इस्लामाबाद. पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के प्रमुख नवाज शरीफ ने रिकॉर्ड चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को त्याग दिया है। इसके पीछे की असली वजह है सेना और नवाज की बेटी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक उन्होंने यह फैसला शक्तिशाली सेना द्वारा उन्हें दो विकल्प दिए जाने के बाद लिया। सेना ने उन्हें प्रधानमंत्री बनने या अपनी बेटी मरियम नवाज को पंजाब सूबे की मुख्यमंत्री बनाने में से किसी एक विकल्प को चुनने के लिए कहा था। पीएमएल-एन प्रमुख द्वारा प्रधानमंत्री पद के लिए शहबाज शरीफ को नामांकित करने से पार्टी में बहस शुरू हो गई थी कि तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज को पूर्व में इस पद का दावेदार घोषित किए जाने के बावजूद क्यों दरकिनार किया गया। पार्टी सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नवाज शरीफ ने अपनी बेटी और राजनीतिक उत्तराधिकारी 50 वर्षीय मरियम नवाज के लिए प्रधानमंत्री पद की दौड़ से खुद को बाहर करने का फैसला किया है। सूत्र ने बताया कि नवाज शरीफ चौथी बार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए प्रधानमंत्री बन सकते थे।

लेकिन तब उनकी बेटी के पास पंजाब की मुख्यमंत्री बनने का कोई मौका नहीं होता। बेटी के लिए नवाज ने चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की इच्छा त्याग दी।सूत्रों ने बताया कि आठ फरवरी के आम चुनाव में उनकी पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद नवाज शरीफ को सेना ने दो विकल्प दिए थे। एक अन्य सूत्र ने बताया कि पहला विकल्प था कि नवाज शरीफ इस्लामाबाद में गठबंधन सरकार का प्रमुख बने और अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाएं।

दूसरा विकल्प था कि शहबाज के लिए शीर्ष पद छोड़ें और बेटी मरियम को पंजाब का मुख्यमंत्री बनने का मौका दें। नवाज ने दूसरा विकल्प चुना। सूत्र ने कहा कि चूंकि 72 वर्षीय शहबाज शरीफ सेना के पसंदीदा थे इसलिए नवाज शरीफ को अंतत बहाने से किनारा किया गया।

अमेरिकी मदद न मिलने से जंग हार रहे जेलेंस्की, पुतिन की आर्मी का बड़े यूक्रेनी शहर पर कब्जा

अमेरिकी मदद न मिलने से यूक्रेन अपने अस्तित्व की जंग हार रहा है। रूस ने यूक्रेन के बड़े शहर पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है। कीव सैन्य प्रमुख ने भी शहर पर अपनी हार स्वीकार ली है।

कीव. यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग को करीब दो साल होने को आए हैं। यूक्रेनी लड़ाके इस जंग में पश्चिम और विशेषकर अमेरिका की मदद के बूते रूस की आर्मी के सामने आग उगल रहे थे लेकिन, अब यूक्रेन युद्ध में पिछड़ रहा है। कीव के सैन्य प्रमुख ने भी अवदिवका शहर पर अपनी हार स्वीकार ली है। यहां व्लादिमीर पुतिन की आर्मी ने पूर्ण कब्जा हासिल कर लिया है। पुतिन इसे दो साल से चल रही जंग में महत्वपूर्ण जीत बता रहे हैं।पिछले मई में यूक्रेन के बड़े शहर बखमुत पर कब्ज़ा करने के बाद से अवदिवका पर रूस की सबसे बड़ी जीत है। यह सबकुछ तब मुमकिन हो पाया है जब यूक्रेन गोला-बारूद की भारी कमी का सामना कर रहा है और अमेरिका की तरफ से सैन्य सहायता में देरी हो रही है। यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के लगभग दो साल बाद यह अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि पिछले साल यूक्रेनी जवाबी हमले का सामना करने में नाकाम रही रूसी सेना ने अब युद्ध को पूरी तरह से अपने पक्ष में कर लिया है।

जो बाइडेन ने भी जताई थी आशंका

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस सप्ताह चेतावनी दी थी कि कीव के लिए नए अमेरिकी सैन्य सहायता पैकेज के लिए हो रही देरी की कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़ सकती है। दरअसल, अमेरिकी कांग्रेस में बाइडेन सरकार इसलिए यूक्रेन के लिए फंड इकट्ठा नहीं कर पा रही है क्योंकि रिपब्लिकन सांसद इसका विरोध कर रहे हैं। हाइट हाउस के एक बयान में शनिवार को कहा गया कि बाइडेन ने यूक्रेन का समर्थन जारी रखने की अमेरिकी मदद याद दिलाने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की को फोन किया और अमेरिकी कांग्रेस को यूक्रेनी बलों को फिर से आपूर्ति करने के लिए पैकेज को तत्काल पारित करने की आवश्यकता दोहराई। व्हाइट हाउस ने कहा कि ÷कांग्रेस की निष्क्रियता के परिणामस्वरूप आपूर्ति में कमी के कारण यूक्रेन युद्ध में पिछड़ रहा है। इससे यूक्रेनी सैनिकों को गोला-बारूद की भारी कमी देखनी पड़ रही है। इसके परिणामस्वरूप रूस को महीनों में पहली बार फायदा हुआ।

यूक्रेनी शहर कब्जे की खुशी में गदगद पुतिन

क्रेमलिन ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु की ओर से शहर पर कब्जे की रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद पुतिन ने सैन्य इकाइयों और उनके कमांडर को बधाई दी।

इसमें कहा गया, राष्ट्र प्रमुख ने इस सफलता, एक महत्वपूर्ण जीत पर रूसी सैनिकों को बधाई दी।रूसी समाचार एजेंसियों ने यूक्रेन में बलों के केंद्र समूह के कमांडर कर्नल-जनरल आंद्रेई मोर्डविचव को एक टेलीग्राम में पुतिन के हवाले से कहा, मैं आपके निर्देशन में उन सभी सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

NCR में 80 हजार से अधिक परिवारों को 50 रुपये में मिलेगा बिजली कनेक्शन, ऐसे कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली. बिजली कनेक्शन का लिए बिना चोरी-छुपे बिजली जला रहे लाखों लोगों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। गाजियाबाद जिले के 80 हजार से अधिक जरूरतमंद परिवारों को अब महज 50 रुपये में बिजली कनेक्शन मिलेगा। प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना के तहत परिवारों को यह सुविधा दी जाएगी। लाभार्थी सिक्योरिटी डिपॉजिट की राशि किश्तों में जमा करा सकेंगे।वर्तमान में गाजियाबाद जिले के तीनों जोन में करीब 10 लाख 69 हजार बिजली उपभोक्ता हैं। लगभग हर महीने आठ से दस हजार इच्छुक लोग बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन करते हैं। दो किलोवाट का कनेक्शन लेने के लिए सुरक्षा फीस व दूसरे प्रकार के अधिभार जोड़ने के बाद चार से पांच हजार रुपये का खर्च आता है।

जिले में जरूरतमंद तबके के ऐसे बहुत से लोग हैं जो बिजली कनेक्शन लेने तो चाहते हैं लेकिन सुरक्षा फीस देने में असमर्थ होने के चलते ले नहीं ले पा रहे हैं।इस वर्ग के लोगों को बिजली सेवाओं से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री सहज हर घर बिजली योजना में सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की है। योजना के तहत आर्थिक रूप से दुर्बल परिवारों को मात्र 50 रुपये में बिजली का कनेक्शन दिया जाएगा। आवेदक को आवेदन के साथ आय संबंधी प्रमाणपत्र जमा करने होंगे। निगम की ओर से आवेदन की जांच करने के बाद कनेक्शन दे दिया जाएगा। कनेक्शन मिलने के बाद लाभार्थी से शेष सिक्योरिटी डिपॉजिट राशि आसान किश्तों में वसूली जाएगी। किश्त की राशि को लाभार्थी के शुरुआती नौ बिलों के साथ जोड़कर भेजा जाएगा।अधिकारियों का कहना है कि योजना से न केवल जरूरतमंद परिवारों को बिजली का कनेक्शन मिलेगा बल्कि बिजली चोरी व दूसरी समस्याओं पर लगाम भी लग सकेगी। शासन की ओर आधिकारिक आदेश आने के बाद कनेक्शन देने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

बिजली चोरी पर रोक लग सकेगी

निगम के अधिकारियों का कहना है कि योजना के तहत विद्युतीकरण बढ़ने के साथ ही बिजली चोरी को भी रोका जा सकेगा।

धीमी गति, फिर कैसे पलटी मालगाड़ी और दबा बुजुर्ग? दिल्ली ट्रेन हादसे में इस बात का अंदेशा

नई दिल्ली. मध्य दिल्ली में जखीरा के सपीम शनिवार सुबह मालगाड़ी के 8 डिब्बे पटरी से उतर गए और पलट गए। हादसे के समय वहां मौजूद 70 वर्षीय रफीक की इसमें मौत हो गई। घटना के चलते किसी प्रकार का ट्रैफिक ब्लॉक नहीं हुआ और रेलगाड़ियां सामान्य रूप से चल रही हैं। रेलवे डीसीपी केपीएस मल्होत्रा के अनुसार, सुबह लगभग 1152 बजे यह घटना जखीरा फ्लाईओवर के समीप हुई। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के वक्त मालगाड़ी की स्पीड इतनी ज्यादा नहीं थी कि वह बेकाबू हो जाए।

सामान्य तरीके से गुजर रही थी ट्रेन

लोगों ने बताया कि मालगाड़ी बिल्कुल सामान्य तरीके से मुंबई से चंढीगढ़ जा रही थी। इस दौरान जखीरा फ्लाईओवर के समीप अचानक एक-एक कर इसके 8 डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत रेलवे अधिकारी, पुलिस, दमकल आदि मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद जब मालगाड़ी के डिब्बों को हटाया गया तो वहां रफीक का शव मिला। वह रेलवे ठेकेदार के लिए काम करता था। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रेलवे पुलिस घटना को लेकर छानबीन कर रही है।

राहत कार्य में तेजी

उधर, डीआरएम के कार्यकारी सलाहकार प्रेम शंकर झा का कहना है कि हादसे के बाद से रेलवे अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। तेज गति से बोगियों को ट्रैक से हटाने का काम किया जा रहा है। ट्रैक को रविवार सुबह तक खाली कर लिया जाएगा। फिलहाल मालगाड़ियों को दूसरे ट्रैक से निकाला जा रहा है। हादसे का असर रेलगाड़ियों के परिचालन पर नहीं पड़ा है।

आयरन शीट की क्लिप टूटने से हादसे का अंदेशा

रेलवे सूत्रों ने बताया कि प्राथमिक जांच में आयरन शीट की क्लीप टूटने के चलते हादसा होने की आशंका है। इन बोगियों में रेलवे द्वारा लोहे की शीट के रोल ले जाए जा रहे थे। ऐसा लगता है कि इस दौरान रोल को बांधने में इस्तेमाल की गई क्लीप खुल गई, जिसके चलते संतुलन बिगड़ा और बोगियां पटरी से उतर गईं। इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

चंडीगढ़ नगर निगम ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

बुनियादी ढांचे में कमियों का आकलन करता है और आगामी दशक के लिए रोड मैप तैयार करता है

चंडीगढ़, (संजय अरोड़ा) चंडीगढ़ नगर निगम ने विभागीय उपलब्धियों और चल रही परियोजनाओं की समीक्षा, क्षमता निर्माण और सेवाओं में निरंतर वृद्धि और विकास के लिए रणनीतिक चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से, रानी लक्ष्मी बाई में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। महिला भवन, सेक्टर 38 सी, यहां नगर निगम के इतिहास में पहली बार, सत्र ने चंडीगढ़ के नागरिकों के लिए चुनौतियों का समाधान करने और सेवाओं में सुधार करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और फील्ड कर्मचारियों को एक साथ लाया। कार्यशाला का पहला सत्र जन स्वास्थ्य विभाग पर केंद्रित रहा। इसमें जल आपूर्ति और उपचार, सीवरेज नेटवर्क और निपटान, सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी), टीटी जल आपूर्ति, पानी और सीवरेज आपूर्ति की मीटरिंग और बिलिंग, सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव और चार पुनर्जीवित जल निकायों के रखरखाव सहित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया- कैंबवाला, खुदा अली शेर, सारंगपुर और दद्दू माजरा। सत्र में तूफान जल निकासी (एसडब्ल्यूडी) रखरखाव और प्रबंधन, अपशिष्ट उपचार संयंत्र (ईटीपी), और वर्षा जल संचयन प्रणाली भी शामिल थी। सार्वजनिक स्वास्थ्य टीम ने बाढ़ प्रबंधन कार्य योजना-2051, सार्वजनिक सुविधाओं का प्रबंधन, 24×7 जल आपूर्ति परियोजना, सफ़ाईमित्र सुरक्षा, टीटी जल संवर्धन, अमृत और अमृत 2.0 की समीक्षा, स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 मापदंडों पर प्रस्तुतियों में अपने दृष्टिकोण और महत्वपूर्ण घटकों को साझा किया। , और चल रही परियोजनाएं और योजनाएं। क्षमता निर्माण और चर्चाएँ भी कार्यशाला के अभिन्न अंग थे, जिससे फील्ड स्टाफ को चुनौतियों पर बहुमूल्य प्रतिक्रिया देने और विभागीय वर्कफ़्लो को बढ़ाने के लिए सुधार का सुझाव देने का अवसर मिलता था। सुश्री अनिंदिता मित्रा, आईएएस, आयुक्त, एमसी चंडीगढ़ ने कहा कि यह पहल प्रगतिशील विकास के लिए एमसी चंडीगढ़ की अटूट प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। कार्यशाला विभाग के कर्मियों की विशेषज्ञता को स्वीकार करती है और एमसी चंडीगढ़ के सतर्क नेतृत्व के तहत चंडीगढ़ को आकार देने वाले उल्लेखनीय विकास और परियोजनाओं पर प्रकाश डालती है। उन्होंने आगे कहा कि नगर निगम ने स्वच्छ और

हरित चंडीगढ़ की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। नागरिकों के सहयोग से, शहर स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में 66वें स्थान से स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में 11वें स्थान पर आ गया है। महामहिम राष्ट्रपति द्वारा शहर को %सफाईमित्र सुरक्षित% उपाधि से भी सम्मानित किया गया। भारत, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू।आयुक्त मित्रा ने इस यात्रा को जारी रखने के लिए प्रयासों के संयोजन और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के महत्व पर जोर दिया। यह मंच ज्ञान, अनुभव और नवीन विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है जो शहर को और भी अधिक ऊंचाइयों की ओर ले जाएगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग अपने प्रयासों के माध्यम से समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुशल जल उपचार से लेकर सीवरेज और तूफानी जल निकासी प्रणालियों के सावधानीपूर्वक संचालन तक, उत्कृष्टता के प्रति विभाग के समर्पण ने सपनों को वास्तविकता में बदल दिया है, जिससे चंडीगढ़ प्रगति का प्रतीक बन गया है। पूरे सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने चल रही परियोजनाओं पर चर्चा की, चुनौतियों पर चर्चा की और जीत का जश्न मनाया। यह गतिशील आदान-प्रदान सूचना के प्रसार से परे जाकर निरंतर सीखने और सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देता है। सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी, प्रश्न और सहभागिता इस सहयोगात्मक प्रयास की सफलता की कुंजी है।आयुक्त ने प्रत्येक व्यक्ति को उनकी अटूट प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। उनका कौशल शहर में देखे गए सकारात्मक बदलावों के पीछे प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है। आइए हम अपने सामूहिक प्रयासों का जश्न मनाएं और उन्हें भविष्य की सफलताओं के लिए उत्प्रेरक के रूप में उपयोग करें।

दिल्ली में आज से यू-टर्न लेगा मौसम, 3 दिन बारिश के साथ फिर होगी ठंड की एंट्री; IMD ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ रहे अधिकतम तापमान में अगले सप्ताह से गिरावट देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को बारिश होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि बारिश होने से अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री तक की कमी आ सकती है।तापमान में कमी आने के चलते दोबारा से ठंडक बढ़ने के आसार हैं।अधिकतम तापमान में हो रही बढ़ोतरी मौसम विभाग के अनुसार, बीते कुछ दिनों से अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, लेकिन शुक्रवार को इसमें मामूली कमी देखने को

मिली। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री था, वहीं शनिवार को अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। धूप के चलते ठंडक का एहसास नहीं हुआ। शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से वार डिग्री कम है।शनिवार को मुंगेशपुर सबसे ठंडा क्षेत्र रहा मौसम विभाग के अनुसार, मुंगेशपुर शनिवार को दिल्ली का सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, पीतमपुरा सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जहां अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री दर्ज किया गया।

सोमवार, मंगलवार और बुधवार को दिल्ली में हल्की बारिश के साथ तेज हवा चलने के आसार हैं। 20 फरवरी को अधिकतम तापमान 22 डिग्री के समीप रहने का अनुमान है।राजधानी में दो दिन तक प्रदूषण खराब श्रेणी में ही बने रहने के आसार हैं। शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को प्रदूषण में मामूली कमी देखने को मिली।शुक्रवार को जहां दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 257 रहा तो, वहीं शनिवार को एक्यूआई 245 दर्ज किया गया।

हिंडन एयरपोर्ट से अयोध्या समेत इन 9 शहरों के लिए उड़ान शुरू करने का प्लान

नई दिल्ली. गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से किशनगढ़ की उड़ान शुरू होने के बाद नौ और शहरों के लिए विमान सेवा के लिए भी एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कवायद तेज कर दी है। आने वाले दिनों में अयोध्या और लखनऊ के लिए उड़ान शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा कानपुर, जालंधर, आजमगढ़, मुरादाबाद, हैदराबाद, कोलकाता, गोवा के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।हिंडन एयरपोर्ट से अभी तीन शहरों के लिए विमान सेवा मिल रही है।

बठिंडा और लुधियाना की फ्लाइट पहले से चल रही है और शुक्रवार को किशनगढ़ के लिए भी उड़ान शुरू हो गई। अब अन्य शहरों से भी हिंडन एयरपोर्ट को जोड़ने की कवायद तेज कर दी गई है। सबसे पहले अयोध्या और लखनऊ की उड़ान शुरू की जा सकती है। इसके लिए फ्लाई विग एयरलाइंस तैयारी कर रही है। यही कंपनी आजमगढ़ और मुरादाबाद के लिए भी यहां से उड़ान की योजना बना रही है।बीते दिनों कंपनी की दिल्ली में उच्चाधिकारियों संग बैठक भी हुई थी। हिंडन एयरपोर्ट अथॉरिटी की निदेशक सरस्वती वेंकटरमण का कहना है कि कई कंपनियां लखनऊ और अयोध्या समेत अन्य शहरों की उड़ान के लिए तैयारी कर रही हैं। इनके अधिकारियों ने अपने प्रस्ताव दिए हैं।

किशनगढ़ के यात्री बढ़े

किशनगढ़ की फ्लाइट में दूसरे दिन शनिवार को यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है।

40 मीटर लंबी सुरंग से चुराते थे हजारों लीटर तेल, दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में लगाए क्या-क्या आरोप

नई दिल्ली. दिल्ली से पानीपत जा रही पाइपलाइन से तेल चोरी करने के लिए बदमाशों ने दो माह तक खुदाई कर 40 मीटर लंबी सुरंग बनाई थी। यह खुलासा पुलिस ने अदालत के समक्ष दायर किए आरोपपत्र में किया। इसमें बताया गया कि आरोपी एक बार में लगभग चार हजार लीटर तेल चोरी करते थे। इसे नजफगढ़ स्थित गोदाम में पहुंचाया जाता था। इसके बाद सस्ती कीमत पर बेच दिया जाता था।

इस गिरोह के सरगना सुदेश गुप्ता सहित आठ लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल हुआ। पुलिस के अनुसार, पिछले वर्ष अक्टूबर में उन्हें बिजवासन आईओसीएल के मैनेजर अभिषेक कशोधन ने तेल चोरी की शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि कुछ समय से पाइपलाइन में प्रेशर कम होने की शिकायत मिल रही

थी। लीकेज न मिला तो अत्याधुनिक मशीन से पता चला कि पोचनपुर में तेल लीक हो रहा है। जेसीबी से जब इसकी खुदाई की गई तो वहां 40 मीटर लंबी सुरंग मिली, जिसका रास्ता एक प्लॉट से होकर जाता था। यहां काफी सारा भूसा पड़ा हुआ था। इसके बाद द्वारका सेक्टर-23 थाने में केस दर्ज किया गया।

किराये पर प्लॉट लिया था एसएचओ सुनील कुमार की टीम ने प्लॉट मालिक राकेश कुमार को गिरफ्तार किया। उसने बताया कि यह प्लॉट नरेश कुमार ने 30 हजार रुपये प्रतिमाह के किराये पर उससे जून 2023 में लिया था। पुलिस ने जब नरेश को पकड़ा तो पता चला कि उसका वास्तविक नाम सुदेश गुप्ता है। वह इससे पहले भी कई बार तेल चोरी में गिरफ्तार हो चुका है।

इससे पूछताछ के बाद राम, नितिन, सुनील, राशिद खान, ज्ञानेन्द्र कुमार और इमरान मिस्त्री को गिरफ्तार किया। राकेश को छोड़ अन्य सभी सात आरोपी जेल में बंद हैं। वहीं, सुरंग खोदने वालों की तलाश चल रही है।

ऐसे वारदात करते थे

सुदेश ने राम और राशिद खान के साथ मिलकर तेल चोरी करने की योजना बनाई। इसके लिए नितिन ने 2.5 लाख रुपये दिए। उन्होंने पाइपलाइन से 40 मीटर दूर राकेश का प्लॉट तूड़े (भूसा) का काम करने के लिए किराये पर लिया। यहां से लक्ष्मण, रवि, काले, मुरादी आदि मजदूरों ने दो माह में 40 फीट लंबी सुरंग खोदी। इमरान उर्फ मिस्त्री ने वेल्डिंग कर पाइपलाइन में वॉल्व लगाया। चोरी के तेल को वह पलवल में सुनील और नागलोई में ज्ञानेन्द्र को बेचते थे।

तीन बार गिरफ्तार हो चुका सरगना

सरगना सुदेश गुप्ता पहले भी तीन बार गिरफ्तार हो चुका है। वर्ष 2007 में उसे पहली बार हरियाणा के सांपला में गिरफ्तार किया था। 2011 में राजस्थान में उसे राम और लक्ष्मण के साथ तेल चोरी में गिरफ्तार किया था। वहीं, वर्ष 2016 में भी मुंडका इलाके में सुरंग बनाकर तेल चोरी में गिरफ्तार हुआ था।

भंगेल एलिवेटेड रोड के काम में देरी के लिए सेतु निगम पर लगेगा जुर्माना

नोएडा. नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने भंगेल एलिवेटेड रोड (Bhangel Elevated Road) का निर्माण कार्य धीमा होने पर सेतु निगम पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण अब सेतु निगम की ओर से बरती जा रहीं लापरवाहियों एवं विभिन्न बाधाओं के बारे में पत्र लिखकर शासन को अवगत कराएगा।प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने शनिवार को परियोजनाओं की समीक्षा की। भंगेल एलिवेटेड रोड का अभी तक 70 प्रतिशत काम पूरा हो पाया है। यह सड़क दिसंबर 2023 तक बनकर तैयार हो जानी चाहिए थी, लेकिन अब नई डेडलाइन दिसंबर 2024 तय की गई है। शहर के डीएससी मार्ग पर बन रही भंगेल एलिवेटेड रोड में जो कमियां प्राधिकरण की तरफ से बताई गईं थीं उनको भी उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम ने दूर नहीं किया।उन्होंने सेक्टर-151ए में निर्माणाधीन गोल्फ कोर्स परियोजना पर किए जा रहे व्यय का विवरण तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सेक्टर-38ए गोल्फ कोर्स का निरीक्षण कर जरूरी प्रावधानाओं को निर्माणाधीन गोल्फ कोर्स में भी शामिल किया जाए। सीईओ ने निर्देश दिए कि चिल्ला एलिवेटेड रोड का काम जल्द शुरू करने के लिए सेतु निगम के अधिकारियों से बात की जाए। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर झट्टा और सुल्तानपुर गांव के सामने बनने वाले दो नए अंडरपास का एक सप्ताह में एस्टीमेट प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बारात, श्मशानघाट, सीवर लाइन आदि मांगों की रिपोर्ट मांगी। प्राधिकरण सेक्टर-37, 62 और 71 अंडरपास में नोएडा फसाड लाइटिंग लगवाएगा। नोएडा प्राधिकरण दिल्ली की लोधी रोड की तर्ज पर शहर की एक सड़क का चयन कर संवारेगी। सीईओ ने यह परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए। एनिमल शेल्टर बनने पर संशय शहर में दो नए एनिमल शेल्टर बनने प्रस्तावित हैं। जिसमें से एक शेल्टर के लिए आरएफपी जनस्वास्थ्य विभाग ने जारी कर दी है। दूसरे शेल्ट की लागत अधिक आ रही है। सीईओ ने दिए कि प्रथम चरण में केवल अत्यावध्यक कार्यों को कराया जाए।अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस बल देने के निर्देश बैठक में सामने आया कि आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध नहीं होने के कारण अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रभावित हो रही है। इस पर सीईओ ने कहा कि आवश्यक पुलिस बल लेने के लिए पुलिस विभाग से पत्राचार किया जाए। सेक्टर-51-52 मेट्रो स्टेशन के बीच स्काईवॉक बनाने का काम चल रहा है। यह मार्च 2024 तक बनकर तैयार हो जाना चाहिए था, लेकिन इसको पूरा होने में वक्त लगेगा। यहां के लिए बिजली विभाग अभी तक ट्रैवलेटर नहीं ला पाया है। ऐसे में अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रैवलेटर की व्यवस्था जल्द कराएं।

NAME CHANGE

I, Tej Kumar Roy S/O Mr. Nakul Ray R/O T-540/22 Street Number 22 Baljeet Nagar New Delhi - 110008 have changed my name to Tej Kumar Yadav for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Nakul Roy S/O Late Saryug Ray R/O T-540/22 Street Number 22 Baljeet Nagar New Delhi - 110008 have changed my name to Nakul Ray for all future purposes.

NAME CHANGE

I, LAXMI D/O CHOTE LAL residing at X-1267, RAJGARH COLONY, GALI NO-1, SATSANG MARG, GANDHI NAGAR, DELHI-11003 have changed my name to LAXMI SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, BILKEES W/O IQBAL residing at H NO-314 GALI NO-4 DR AMBEDKAR MARG SHANI BAZAR ROAD KARDAM PURI GOKAL PUR DELAHI-110094 have changed my name to BILKISH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, mohd shabir S/O mohd shami residing at A-635/8, JAITPUR EXTN, PART-II, BADARPUR, DELHI-110044 have changed my name to MOHD SHABBIR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, HINA KOSER W/O IMRAN residing at H NO-314 GALI NO-4 DR AMBEDKAR MARG SHANI BAZAR ROAD KARDAM PURI GOKAL PUR DELAHI-110094 have changed my name to HEENA KAUSAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NO-16117403N Rank- HAV Name-TAMIL VANAN M S/O P MANI residing at 2/355, THONNIYANKOTTAI, BOGAMNAPALLI, KRISHNAGIRI, TAMILNADU-635001 have changed my minor son's name from BHUVAN to BHUVAN T for all future purposes vide Affidavit dated 17/02/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, RAJ KALI DEVI Mother of No. 15789544A, HAV (Gunner) AMIT KUMAR PAL resident of VILL-BHUALPUR DOMIPUR, TEH-SADAR, DIST-PRATAPGARH (UP) have changed my name from RAJ KALI DEVI to RAJKALI PAL vide affidavit No. GP 550096 dt 14-02-2024 from Tehsildar Sadar, Lucknow (U.P) India.

NAME CHANGE

I, DEEPA Wife of No. 16123285F Rank-SPR Name-VIKAS CHAVAN presently residing at VILL-KARAJAGA, PO-BAD, TEH-HUKKERI, DIST-BELGUAM, KARNATAKA-591225 have changed my name from DEEPA to DEEPA VIKAS CHAVAN for all future purposes vide affidavit dated 17/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, CHHAVI GUPTA JAIN W/O VIVEK KUMAR JAIN residing at 1/2297 RAM NAGAR MAIN MANDOLI ROAD SHAHDARA DELHI-110032 have changed my name to CHHAVI GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Chirag Goel S/O Mahender Goyal R/O Main Bazar Hassanpur, HODAL HAVE CHANGE NAME TO Chirag Goyal for all purpose

NAME CHANGE

I, NO. 15440232F NK NAME-LIGNESH R S/o LATE M RAJENDRAN residing at VILL-KADAYAPATTNAM, POST-AMMANDIVILAI, TEH-KALKULAM, DIST-KANYAKUMARI, TAMILNADU-629204, have changed my name from LIGNESH R to LINGESH R for all future purposes vide affidavit dated 17/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA DEVI wife of NO-16021481N Rank- L/NK Name-PARDEEP residing at H NO. 368, WARD NO-8, NERA BALLUWALIKUI, SAINIK COLONY, JHAJJAR, HARYANA-124103 have changed my name from PRIYANKA DEVI to PRIYANKA for all future purposes vide Affidavit Dated 17/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SAROJ DEVI spouse of No. JC-682238F Rank NB/SUB Name SHISH RAM presently residing VPO-MAHWA, TEH Neem Ka Thana DIST-SIKAR, (RAJASTHAN)-332713, have changed my name from SAROJ DEVI to SAROJ for all future purpose. Vide affidavit dated 19.02.2024 public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-16021481N Rank- L/NK Name-PARDEEP S/O ISHWAR residing at H NO. 368, WARD NO-8, NERA BALLUWALIKUI, SAINIK COLONY, JHAJJAR, HARYANA-124103 have changed my minor son's name from YATHAARTHA RATHEE to YATHAARTHA for all future purposes vide Affidavit dated 17/02/2024 before Notary Public Delhi.

Lost and found

M/s New Light Coaching Classes Pvt Ltd Thru Mr. Ramaprasad R/o 117/N/57, Kakadeo, Kanpur, Uttar Pradesh, India Lost my original Allotment Letter of Flat no.SCA-164, DLF Skycourt, Sector 86, Gurgaon, Haryana-122004, if any body found call 9839112036

NAME CHANGE

I, KAVITA wife of No-6501392Y Rank-SEP Name-VIPIN KUMAR R/O TABELAGARHI, BAGHPAT, GAIDBARA, UTTAR PRADESH-250622 have changed my name from KAVITA to KAVITA DEVI for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/04/1990 instead of my correct date of birth as 08/08/1990 vide affidavit dated 17/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SELVI M Mother of NO-16117403N Rank-HAV Name-TAMIL VANAN M residing at 2/355, THONNIYANKOTTAI, BOGAMNAPALLI, KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635001 have changed my name from SELVI M to SELVI MANI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 26/06/1969 instead of my correct date of birth as 15/05/1965 vide affidavit dated 17/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHAILENDER KUMAR GUPTA S/O GAYA PRASAD GUPTA R/O B-16, UPPER SECOND FLOOR, GALI NO. 2, ARUNA PARK, SHAKARPUR, EAST DELHI, DELHI-110092, That my name i.e. SHAILENDER KUMAR GUPTA & SHAILENDER KUMAR GUPTA are one and the same person.

NAME CHANGE

I,NONGMAITHEN(O)BIMOLATA DEVI W/O NO-14847456F Rank-HAV Name- N CHINGLEMBA SINGH R/O presently residing at VILL KUMBI, PO- MOIRANG, THE/DIST-BISHNUPUR, MANIPUR-795133, have changed my name from NONGMAITHEN(O) BIMOLATA DEVI to NONGMAITHEM BIMOLATA DEVI for all future purpose. Vide affidavit dated 16.02.2024 public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is informed to all public at large that my clientess Smt. Sabira Khatun Wo Late Sh. Mohd. Farman, R/o. House No. R-5/22, Block-R5, Mohan Garden, D.K. Mohan Garden, Delhi-110059, have severed social, moral and financial relationship from her grand-son namely Mohd. Sahil, S/o. Mohd Israfil, due to their misconduct, misbehavior and disobedience and my aforesaid clientess has also disowned her grand-son Mohd. Sahil from her movable and immovable property from today forever. My clientess shall not be responsible for any acts, deeds or deals done by her grand-son Mohd. Sahil from today for ever and her grand-son shall be solely responsible for any acts, deeds or deals done by them from today forever.

Indu Bhushan Vimal &
Harjeet Singh Sidhu, Advocates
Ch. No. T-40,
Tis Hazari Court, Delhi 110054

1.50 करोड़ से होगा पुराने हरिद्वार रोड का कायाकल्प

पानीपत. पानीपत में पुराने हरिद्वार हाईवे पर स्थित सनौली खुर्द का अड्डा पहले बापौली व सनौली ब्लाकों के दर्जनों गांव का मैन अड्डा होता था। यहीं से इन दोनों ब्लाकों के लोग हरिद्वार, ऋषिकेश और यूपी व उत्तराखंड के दूसरे शहरों में आते-जाते थे। लेकिन एनएचएआई ने पानीपत के सिवाह से लेकर बिजनौर तक नेशनल हाईवे 709 एडी का निर्माण करवाया गया तो सनौली खुर्द से बाईपास निकाल दिया गया। इसके चलते सनौली खुर्द के मैन अड्डे से होकर जाने वाली करीब दो किमी सड़क अब टूटी पड़ी है। सनौली के मैन अड्डे के सैकड़ों दुकानदारों का काम इस बदहाल सड़क के चलते तकरीबन ठप हो कर रह गया है। स्थानीय दुकानदार पिछले लंबे समय से इस बदहाल सड़क को बनवाने की मांग कर रहे है। अब इस सड़क को एनएचएआई द्वारा 1.50 करोड़ रुपए की लागत से बनवाया जाएगा।एनएचएआई इस सड़क की मरम्मत के पैसे पीडब्ल्यूडी को देगा और पीडब्ल्यूडी द्वारा इसको बनवाया जाएगा। यह सड़क पहले एनएचएआई के अंतर्गत आती थी और एनएचएआई ने नया हाईवे बनाया तो सनौली में बाईपास निकाल दिया गया और नियमानुसार एनएचएआई को अब इस सड़क की मरम्मत करवाकर हरियाणा पीडब्ल्यूडी को सौंपना है।

दया गुप्ता मानव मंदिर बनेगा दिव्यांगों का सहारा : डा. अनिल

कैथल. नारायण सेवा संस्थान द्वारा कैथल में बनाये जा रहे हरियाणा के एकमात्र दया गुप्ता मानव मंदिर नारायण सेवा केंद्र के प्रथम तल के लेंटर का कार्य शनिवार को पूरा किया गया। सबसे पहले जिला तहसीलदार डा. अनिल बिढ़ान और जयपुर हॉस्पिटल कैथल के संचालक डॉ देवेंद्र पंवार ने कैथल शाखा के संयोजक डॉ विवेक गर्ग, संरक्षक सतपाल मंगला, सह संयोजक दुर्गा प्रसाद और पूरी टीम के साथ पूजा-अर्चना की। शाखा सदस्यों द्वारा डा. अनिल बिढ़ान और डा. देवेंद्र पंवार को दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

तहसीलदार डा. अनिल बिढ़ान ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान द्वारा कैथल में बनाया जा रहा ये सेवा केंद्र समस्त प्रदेश वासियों व दिव्यांगों के लिए सहारा बनेगा और दिव्यांग बंधुओं को एंप्लॉयमेंट ऑपर्च्युनिटी देकर उनके जीवन में नई रोशनी लाने का कार्य करेगा। डॉ. देवेंद्र पंवार ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा ये अत्यंत पुण्य का कार्य है। शाखा प्रधान डॉ विवेक गर्ग ने बताया कि जिस गति से इस सेवा केंद्र का निर्माण कार्य चल रहा है उन्हें आशा है कि वर्ष 2024 के अंत तक इस भवन को सेवा कार्यों के लिए प्रदेश को समर्पित कर दिया जाएगा।

इस कार्य के लिए सेवा प्रचारक राजेश गुप्ता, जयप्रकाश गर्ग, अशोक मंगला, सोनू बंसल, ऋषि गोयल, शेर सिंह, नितिन सिंगला, राजेंद्र पाल गर्ग, मोहनलाल सिंगला, आनंद वर्मा, कृष्ण जांगड़ा, हितेश, सोमनाथ और प्रिंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टेंडर प्रक्रिया से पंचायती राज संस्थाओं के कार्यों में पारदर्शिता : बबली

फतेहाबाद. विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा है कि पंचायती राज संस्थाओं में टैंडर प्रक्रिया लागू होने के बाद कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आई है। प्रदेश में 17 हजार विभिन्न विकास कार्यों के पंचायती राज संस्थाओं ने टैंडर लगाए हैं, जिसमें फतेहाबाद जिला प्रथम स्थान पर है। उन्होंने इसके लिए फतेहाबाद के इंजीनियरिंग विंग के साथ-साथ जन प्रतिनिधियों को भी बधाई दी।

केबिनेट मंत्री बबली शनिवार को जिला परिषद भवन में जिला परिषद की विशेष बैठक में सम्मिलित हो रहे थे। जिला परिषद बैठक की अध्यक्षता जिप अध्यक्ष सुमन खिचड़ ने की। विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता आए, इसके लिए जरूरी है कि जन प्रतिनिधि और अधिकारी आपसी तालमेल के साथ कार्य करें। जो पैसा विकास कार्य के लिए जारी हुआ है, वह शत प्रतिशत धरातल पर लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लंबित कार्य है, उन्हें जल्द पूरा कर लें ताकि उन्हें इस वित्त वर्ष में पूरा करवाया जा सके। उन्होंने हाउस की नियमित बैठक करने के भी निर्देश दिए और कहा कि हाउस अपने अधिकार क्षेत्र में विकास कार्यों को मंजूरी प्रदान कर उन्हें पूरा करवाएं।केबिनेट मंत्री बबली ने कहा कि प्रदेश सरकार जिला परिषद के लिए अलग से भवन बना रही है। हाउस में आए प्रस्ताव का सर्वसम्मति से पास करते हुए कैबिनेट मंत्री ने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिला में जिला परिषद के नये भवन को बनाने के विकल्प को तलाशे। उन्होंने कहा कि जो सडक़े बाढ़ से खराब हो गई थी, उनको भी जल्द टैंडर प्रक्रिया के अधीन पूरी कार्यवाही करते हुए करवाया जाए। उन्होंने सभी जन प्रतिनिधियों से कहा कि वे विकास कार्यों में गुणवत्ता की जांच करें और कहीं कोई कमी मिलती है तो वे विजिलेंस विंग को शिकायत कर सकते हैं।जिला परिषद की विशेष बैठक में साढ़े नौ करोड़ रुपये के विकास कार्यों के टैंडर, जिला परिषद के अधीन 163 सड़कों की मरम्मत और रखरखाव, स्ट्रीट लाइटों की टैंडर प्रक्रिया और अन्य लंबित कार्यों पर विचार विमर्श किया गया तथा इन कार्यों को सर्वसम्मति से पास किया गया।

जिला परिषद की अध्यक्ष सुमन खिचड़ ने बैठक में कहा कि जिन पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड से संबंधित जो विकास कार्य के प्रस्ताव दिए हैं, उन पर काम शुरू होगा।

बैठक में जिप सीईओ अजय चोपड़ा, उप प्रधान कैलाशो देवी, डिप्टी सीईओ अनूप सिंह, पार्षद रमेश कुमार, अनूप कुमार, गौरव शर्मा, सीमा, सीमा सिवाच, बिंद्र पाल, अंजू बाला, गगन गोदारा, वकील राम, प्रवीण कुमार, कार्यकारी अभियंता देवेंद्र सिंह व योगेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

किसानों के समर्थन में भाकियू चढूनी की ट्रैक्टर रैली

अम्बाला शहर. एमएसपी का कानून बाने सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में आज भारतीय किसान यूनियन चढूनी द्वारा अम्बाला में ट्रैक्टर रैली निकाली गई जो विभिन्न हिस्सों से होते हुए शहर की नयी अनाज मंडी में संपन्न हुई। किसानों ने कहा गुरनाम सिंह चढूनी आदेश करेंगे तो वो शम्भू बॉर्डर जाने की बजाय दिल्ली के बॉर्डर खोलने का और बेरिकेड्स तोड़ने का काम करेंगे। ट्रैक्टर रैली की अध्यक्षता भाकियू चढूनी के जिलाध्यक्ष मलकीयत सिंह ने की। अनाज मंडी में प्रदेश व केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मलकीयत ने दोनों सरकारों को किसान विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब से आए किसान संगठन हरियाणा पंजाब के बॉर्डर पर डटे हैं। अब उन्हें हरियाणा में समर्थन मिलेगा। आज हरियाणा में भारतीय किसान यूनियन चढूनी ग्रुप ने ट्रैक्टर मार्च कर निकाल कर इसकी शुरूआत कर दी है। उन्होंने कहा कि सरकार रास्ते व इंटरनेट खोलने का काम करें जनता परेशान है।

उनकी मांगों को लेकर जो वायदा सरकार ने किया था उसे पूरा करने का काम करे। उन्होंने कहा उन्हें गुरनाम सिंह चढूनी आदेश करेंगे तो वो शंभू बार्डर जाने की बजाए दिल्ली के बॉर्डर खोलने का और बेरिकेड्स तोड़ने का काम करेंगे।

उनके साथ मौजूद ब्लॉक-2 के प्रधान जसबीर जस्सी ने कहा कि पिछली बार भी मोर्चा सबसे पहले उनकी यूनियन ने ही खोला था और इस बार भी वे ऐसा कर सकते हैं। अम्बाला शहर पहुंची ट्रैक्टर रैली को साहा से प्रारंभ किया गया जो ठरवा, गाड़ा बाड़ा, कैंट, जंडली, माडल टाउन, प्रेम नगर, अग्रसेन चौक से होते हुए शहर अनाज मंडी पहुंची है। जिला के अन्य क्षेत्रों में उपमंढल स्तर पर ट्रैक्टर रैलियां निकाली गई हैं।जिला प्रधान ने बताया कि बीते रोज उनकी यूनियन ने पंजाब और हरियाणा में 3 घंटे के लिए टोल फ्री का आंदोलन चलाया था। अब 18 फरवरी को होने वाली प्रदेश बैठक में आंदोलन को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा और प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी के निर्देशनुसार उसे लागू किया जाएगा।

गुरु रविदास जयंती पर कुरुक्षेत्र से काशी के लिए चलाई जाए विशेष रेलगाड़ी : ईश्वर सिंह

कुरुक्षेत्र. जजपा नेता एवं विधायक चौधरी ईश्वर सिंह ने आने वाली 24 फरवरी को गुरु रविदास जयंती को लेकर वाराणसी में आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने वाले अनुयायियों के लिए कुरुक्षेत्र से एक विशेष रेलगाड़ी चलाए जाने की मांग की है। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री को भी उनकी उस घोषणा के बारे में याद दिलवाया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर काशी (वाराणसी) के लिए एक विशेष रेलगाड़ी चलाई जाएगी। चौधरी ईश्वर सिंह ने बताया कि उन्होंने इस मामले में हरियाणा के मुख्यमंत्री को भी एक पत्र लिखा है और मांग की है कि वे इस रेलगाड़ी को चलाकर अपनी घोषणा को भी पूरा करें और साथ ही गुरु रविदास जयंती मनाये जाने के लिए वाराणसी जाने वाले श्रद्धालुओं और अनुयायियों को वहां आराम से पहुंचने की सुविधा प्रदान करें। उन्होंने बताया कि गुरु रविदास जयंती को मनाये जाने के लिए पंजाब से जिन लोगों ने काशी जाना है, उनके लिए रेलवे विभाग द्वारा पंजाब सरकार के माध्यम से 2 रेलगाड़ियों का प्रबंध किया है। इनमें एक विशेष रेलगाड़ी बंठिडा से काशी तथा दूसरी रेलगाड़ी जालन्धर छावनी से काशी जाएगी।

पानी शुद्ध करने को 37 साइट्स पर लगेगा यूवी सिस्टम, जलशक्ति के लिए 3365 करोड़ का बजट

शिमला. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अगले साल के लिए जलशक्ति में 3365 करोड़ का बजट रखा है। पेयजल की गुणवत्ता सुधारने के लिए स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से विलेज वाटर एंड सेनिटेशन कमेटी का गठन करने के बाद ट्रेनिंग दी गई है और अब तक 69 टेस्टिंग लैब स्थापित की गई हैं। इनमें से 62 को एक्रीडिटेशन मिल चुकी है। 2024-25 में इस व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। पिछले बजट में पेयजल योजनाओं तथा एसटीपी में यूवी सिस्टम लगाने के लिए 37 ऐसी साइट्स की पहचान की गई है, जहां जल स्रोतों में या तो कंटेमिनेशन है या इसकी संभावना है। किन्नौर, चंबा और लाहुल-स्पीति में 29 करोड़ रुपए की लागत से चार एंटी फ्रीज पेयजल परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एनडीबी के माध्यम से 24 तथा और एडीबी के माध्यम से 186 पेयजल योजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों पर है। इन दोनों के माध्यम से 20663 परिवार इन योजनाओं से से लाभान्वित होंगे तथा 79282 परिवार फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन से लाभान्वित होंगे। चार शहरों जवाली, हमीरपुर, बैजनाथ-पपरोला तथा नेरचौक में 135 एलपीसीडी क्षमता वाली पेयजल योजनाओं का काम पूरा इस साल किया जाएगा।अंब और भुंतर के लिए 33 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल योजनाओं के कार्यान्वयन को गति दी जाएगी। 112 करोड़ रुपए की लागत से नाहन, अर्की, निरमंड, पालमपुर तथा जोगिंद्रनगर के लिए पेयजल सुधार योजनाओं का कार्य शीघ्र आरंभ कर दिया जाएगा। रामपुर में वार्ड नंबर 6 और 7, नालागढ़ और चंबा में पेयजल योजनाओं का कार्य शुरू हो गया है तथा अन्य 9 शहरों में इन कार्यों को शीघ्र आरंभ किया जाएगा। गगरेट, डलहौजी, चुवाड़ी, रिवाल्सर, भोटा, संतोषगढ़, बैजनाथ-पपरोला और नेरचौक में सीवरेज परियोजनाओं पर चल रहे कार्यों को गति दी जाएगी। राजगढ़, बंजार, चौपाल, नेरवा तथा शाहपुर में सीवरेज परियोजनाओं के निर्माण का कार्य 2024-25 में पूरा किया जाएगा। एफडी द्वारा 817 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत परियोजना के अंतर्गत मनाली, पालमपुर, नाहन, करसोग तथा बिलासपुर के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और मनाली के लिए पेयजल योजना स्वीकृत की गई है।

खर्च होंगे 644 करोड़

फिन्ना सिंह नहर पर 644 करोड़ खर्च होंगे। बहुउद्देशीय मध्यम सिंचाई परियोजना को अब प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में अनुशंसित किया गया है। इसके निर्माण से 4 हज़ार 25 हेक्टेयर का सीसीए उपलब्ध होगा तथा इसके साथ ही 1.88 मेगावॉट जलविद्युत उत्पादन होगा। 380 करोड़ रुपए की लागत से 14 छोटी सिंचाई योजनाओं का कार्य विभिन्न चरणों में है। इन योजनाओं के माध्यम से लगभग 9 हज़ार 700 हेक्टेयर का सीसीएम उपलब्ध करवाया जाएगा।

OBC की बात करते नहीं थक रहे राहुल, फिर कांग्रेस के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अजय यादव क्यों हैं नाराज?

हरियाणा. कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं. शनिवार को वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे हुए थे. वाराणसी से पहले उन्होंने यूपी में ही चंदौली के नौबतपुर में एक जनसभा को संबोधित किया था. इस दौरान उन्होंने ओबीसी समाज को इंसाफ दिलाने की बात दोहराई. उन्होंने ओबीसी समाज को इंसाफ दिलाने की बात की और कहा कि इनके साथ अन्याय किया जा रहा है, लेकिन बताया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी के ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव ने पार्टी के कई अहम पदों से इस्तीफा दे दिया है.

राहुल गांधी बार-बार ओबीसी को न्याय दिलाने की बात तो कर रहे हैं लेकिन अपने राष्ट्रीय ओबीसी विभाग के अध्यक्ष की नाराजगी को दूर नहीं कर पा रहे हैं. एआईसीसी के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव हरियाणा की राजनीति में अनदेखी से नाखुश बताए जा रहे हैं.सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने राज्य की अनुशासन समिति और चुनाव प्रचार समिति से इस्तीफा दे दिया है.

भूपिंदर हुड्डा कैंप से नाराज

बताया जा रहा है कि अजय यादव राज्य में पार्टी की पूरी कमान भूपिंदर हुड्डा कैंप को सौंपने से नाराज हैं. अजय यादव के बेटे कांग्रेस पार्टी से विधायक भी हैं. अजय यादव बिहार में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के समधी भी हैं. उन्होंने हरियाणा कांग्रेस की सभी कमेटियों से इस्तीफा दे दिया है. हालांकि, पार्टी की राष्ट्रीय ओबीसी कमेटी की अध्यक्षता बचा रखी है.ऐसे में अब सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस के पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव को ऐसा क्या हुआ वो ओबीसी को सम्मान और संख्या के हिसाब से आरक्षण देने का वादा करने वाले राहुल और कांग्रेस पार्टी से नाराज हो गए हैं. अजय यादव के इस्तीफे के बाद हरियाणा कांग्रेस के भीतर एक बार फिर से हड़कंप मच गया है.

विपक्षी राहुल से मांग रहे जवाब

विरोधी पार्टियों को कहना है कि राहुल गांधी देशभर में घूम-घूम कर ओबीसी को न्याय दिलाने की बात कर रहे हैं, लेकिन उनकी पार्टी का नेता नाराज है उसे नहीं मना पा रहे हैं. कहा जा रहा है कि हरियाणा कांग्रेस के भीतर जिस तरह की गुटबाजी देखने को मिली है उससे आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है.

गोदाम माल से फुल, दिल्ली जाने को 30-35 किमी लंबा रास्ता

पानीपत. पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच के दौरान कुंडली बॉर्डर पर बंद किये गये रास्ते का पानीपत के ट्रांसपोर्ट उद्योग पर असर पड़ना शुरू हो गया है। पानीपत से पहले रोजाना करीब 50 ट्रक दिल्ली सामान लेकर जाते थे, पर रास्ता बंद होने से अब कई ट्रांसपोर्टरों ने तो दिल्ली में मॉल भेजना तकरीबन बंद कर दिया है। जिससे पानीपत के सेक्टर 25 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रांसपोर्टरों के गोदाम माल से फुल होते जा रहे हैं। ट्रांसपोर्टरों द्वारा जो बहुत जरूरी मॉल है, उसको ही अब केएमपी से होते हुए गुरुग्राम की तरफ पंच गांव के रास्ते दिल्ली भेजा जा रहा है जोकि ट्रक चालकों को 30-35 किमी का लंबा रास्ता पड़ रहा है। पानीपत से दिल्ली माल लेकर आने-जाने वाले कुछ ट्रक तो अभी पानीपत ट्रांसपोर्ट नगर में और कुछ ट्रक दिल्ली में ही खड़े हुए हैं।रोजाना सवा करोड़ का नुकसान ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के प्रधान धर्मबीर मलिक का कहना है कि सरकार द्वारा कुंडली बॉर्डर के बंद करने से यहां के टांसपोर्टरों को रोजाना एक से लेकर सवा करोड रुपए का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि केएमपी से पंच गांव से होकर बहुत लंबा रास्ता पड़ता है और सभी पार्टी ट्रांसपोर्टरों को पंच गांव से होकर जाने पर भी पहले वाला ही मॉल भाड़ा दे रही है। मलिक ने कहा कि ट्रांसपोर्टरों ने दिल्ली का ज्यादातर माल लेना बंद कर दिया गया है और बहुत सा माल तो अभी ट्रांसपोर्टरों के गोदामों में रखा हुआ है। मलिक ने कहा कि पंजाब के किसान तो शंभू बॉर्डर पर बैठे हुए हैं और सरकार द्वारा कुंडली बॉर्डर बंद करने का कोई औचित्य नहीं है। सरकार को किसानों से बातचीत करके उनकी मांगों का समाधान करना चाहिये और कुंडली बॉर्डर को आम जनता व ट्रांसपोर्टरों के हित में खोल देना चाहिये।

आजादपुर मंडी से फलों, सब्जियों का आना-जाना कम

पानीपत सब्जी मंडी आढती एसोसिएशन के प्रधान रमेश मलिक ने बताया कि किसान आंदोलन के चलते सरकार द्वारा कुंडली बॉर्डर बंद करने का असर पानीपत में दिल्ली आजादपुर मंडी से आने वाली फलों एवं सब्जियों की गाडियों पर पड़ना शुरू हो गया है। इससे फलों व सब्जियों के भाव बढ़ रहे हैं। हालांकि कुछ गाडियां दूसरे रास्तों से माल को लेकर आ रहे हैं पर वे बहुत कम है।

कंपनी चाहे भारत की हो या विदेश की, देश के कानूनों का पालन करना है जरूरी, Paytm मामले से लें Fintech कंपनियां सीख राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली. इन दिनों पेटीएम पेमेंट बैंक का मुद्दा हर किसी के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी कड़ी में पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात रखी।मंत्री ने कहा कि यह एक एक मामला है, जो दिखाता है कि उद्यमी नियमों का पालन करने की जरूरत को नजरअंदाज करते हैं। कोई भी कंपनी कानूनों का बिना पालन किए काम नहीं कर सकती है।

फिनटेक कंपनियां भी लेंगी सीख

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर रिजर्व बैंक की नियामक कार्रवाई ने फिनटेक कंपनियों का ध्यान कानूनों के पालन के महत्व की ओर आकर्षित किया है।

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नियमों का पालन कंपनियों के लिए वैकल्पिक नहीं हो सकता है, बल्कि यह एक ऐसा पहलू है जिस पर प्रत्येक उद्यमी को पूरा ध्यान देना चाहिए।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड मामले को लेकर मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी, चाहे वह भारत की हो या विदेश की, बड़ी हो या छोटी, उसे देश के कानूनों का पालन करना होगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है। कंपनी के खिलाफ अपनी कार्रवाई की किसी भी समीक्षा से इनकार भी कर दिया है।

होम लोन ले रहे हैं तो टैक्स बेनेफिट का लें फायदा, इनकम टैक्स एक्ट के इन सेक्शन के साथ मिलेगी छूट

नई दिल्ली. खुद का घर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो होम लोन लेने की भी तैयारी होगी। क्या आप जानते हैं होम लोन लेने के साथ टैक्स बेनेफिट का भी फायदा मिलता है।इनकम टैक्स एक्ट के अलग-अलग सेक्शन के साथ आप टैक्स कटौती का फायदा ले सकते हैं। इस आर्टिकल में होम लोन पर टैक्ट छूट की ही जानकारी दे रहे हैं-

टैक्स बेनेफिट पाने के मानदंड

यहां आपको समझने की जरूरत है कि सभी टैक्स बेनेफिट का फायदा पुराने टैक्स सिस्टम के साथ ही मिलते हैं। नए टैक्स सिस्टम में इनका फायदा नहीं मिलता है।

सेक्शन 24(b) के तहत 2 लाख रुपये तक के सालाना होम लोन के ब्याज पर टैक्स कटौती का फायदा मिलता है।

हालांकि, यह कटौती स्व-कब्जे वाली संपत्तियों (self-occupied properties) पर ही उपलब्ध है। गैर-स्व-कब्जे वाली संपत्ति (non-self-occupied property) के लिए कोई सीमा नहीं है।80के तहत घर खरीदार को मूल राशि पर कटौती का लाभ मिलता है। लोन की मूल राशि के रिपेमेंट पर सालाना 1.5 लाख रुपये की कर कटौती का लाभ उठाया जा सकता है।

इस सेक्श के तहत अतिरिक्त ब्याज पर छूट मिलती है। किफायती होम लोन के ब्याज पर आप सालाना 1.5 लाख रुपये तक की छूट पा सकते हैं।इस सेक्शन के साथ पहली बार घर खरीदने वालों को कर कटौती का फायदा मिलता है। सालाना 50,000 रुपये तक की ब्याज कटौती का लाभ उठा सकते हैं।

1 रुपए वाले शेयर ने बदली निवेशकों की किस्मत, 5 साल में एक लाख को बना दिया 3 करोड़!

बिजनेस डेस्क. शेयर बाजार भले ही जोखिम भरा और उतार-चढ़ाव वाला कारोबार हो लेकिन इसमें निवेश करने वालों के लिए कोई ना कोई शेयर ऐसा साबित होता है, जो उनकी किस्मत खोल देता है। हालांकि, कुछ लॉन्ग टर्म में मल्टीबैगर रिटर्न देते हैं, तो कई शेयर ऐसे भी हैं, जो बेहद ही कम समय में अपने निवेशकों को मालामाल बनाने वाले साबित होते हैं। 1 रुपए का शेयर (29 मार्च 2019 को) अब 380 रुपए के लेवल को क्रॉस कर गया है। कुछ ऐसा ही शेयर है इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट कंपनी हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिडेट का, जिसमें पैसे लगाने वाले निवेशक महज 5 साल में ही करोड़पति (Crorepati Share) बन गए।

5 साल में दिया 33,670 का रिटर्न

देश में बीते कुछ सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकर का फोकस रहा है और इस सेक्टर में जमकर ग्रोथ देखने को मिली है। इस बीच इस क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों का ग्रोथ रेट भी हाई रहा है। बात करें हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (Hazoor Multi Projects Ltd) के शेयर की, तो इसमें 5 साल में मल्टीबैगर रिटर्न देते हुए निवेशकों को ताबड़तोड़ कमाई कराई है। इस स्टॉक में इस अवधि में 1 लाख रुपए लगाने वाले 3 करोड़ से ज्यादा का मालिक बन गए हैं। कंपनी के शेयरों ने इन पांच सालों में 33,670 फीसदी का रिटर्न दिया है।

1 रुपए से 381 पर पहुंचा स्टॉक

Hazoor Multi Projects Ltd के शेयर की परफॉर्मेंस पर नजर डालें तो बीते पांच सालों में इसकी कीमत करीब 1 रुपए से बढ़कर 381 रुपए के स्तर पर पहुंच चुकी है। 22 फरवरी 2019 में हजूर मल्टी प्रोजेक्ट शेयर की कीमत महज 1.13 रुपए थी। इसके बाद साल 2021 के मध्य तक ये धीमी रफ्तार से चलता रहा, लेकिन फिर इसमें तेजी शुरू हुई जो रॉकेट की रफ्तार में बदल गई। बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर में अपर सर्किट लगा और ये 4.99 फीसदी की उछाल के साथ 381.60 रुपए के लेवल पर पहुंचकर बंद हुआ।पांच साल में निवेशकों को मिले रिटर्न के हिसाब से देखें तो एक शेयर की कीमत में 2019 से 2024 में अब तक 380.47 रुपए की बढ़ोतरी हुई है यानी अगर किसी इन्वेस्टर ने कंपनी के शेयरों में फरवरी 2019 में महज 1 लाख रुपए का निवेश किया होगा और उसे अब तक होल्ड रखा होगा, तो फिर उसकी रकम बढ़कर अब तक लगभग 3.3 करोड़ रुपए हो गई है यानी पांच साल में इस स्टॉक में पैसे लगाने वाले लखपति से करोड़पति बन गए होंगे।

डॉटकॉम की तरह फूटने वाला है अमेरिका की टॉप टेक कंपनियों का बुलबुला... जानिए किसने दी है यह चेतावनी

नई दिल्ली. अमेरिका की सात टॉप टेक कंपनियों को मैग्नीफिशिएंट 7 (Magnificent 7) कहा जाता है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल, अल्फाबेट, ऐमजॉन, मेटा, एनवीडिया और टेस्ला शामिल हैं। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला को छोड़ दें तो बाकी कंपनियों के शेयरों में हाल में काफी तेजी आई है। लेकिन जानकारों का कहना है कि इन कंपनियों का बुलबुला भी जल्दी ही फूटने वाला है। उनका कहना है कि 1989 में जापान की कंपनियों और 2000 के दशक में नैसडैक की कंपनियों की शेयर भी इसी तरह उछल रहे थे। लेकिन उनका बुलबुला फूट गया था और निवेशक रातोंरात कंगाल हो गए थे। अमेरिका में टेक शेयर भी उसी रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।

बैंक ऑफ अमेरिका के चीफ मार्केट स्ट्रैटजिस्ट माइकल हारनेट का कहना है कि अमेरिका में आज टेक शेयरों की जो स्थिति है, वही स्थिति पहले उन शेयरों की भी थी जो बुलबुले की तरह फूट गए थे। ये शेयर अपने पीक के करीब पहुंच चुके हैं और कभी भी इनका बुलबुला फूट सकता है। हारनेट के मुताबिक बॉन्ड यील्ड्स टाइट फाइनेंशियल कंडीशंस का संकेत दे रहा है। इससे साफ है कि शेयर मार्केट कभी भी बैठ सकता है। अपनी इस थ्योरी को पुख्ता करने के लिए उन्होंने ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम में कर्ज से जुड़े सारे संकेतों को साझा किया है। उनका कहना है कि 10 साल की अवधि वाले बॉन्ड पर यील्ड 2.5 या 3 परसेंट तक पहुंचते ही निवेशकों का टेक शेयरों के प्रति मोह भंग हो जाएगा।

देश के इस दिग्गज बैंक ने FD दरों में किया बदलाव, चेक करें नई दरें

बिजनेस डेस्क.

आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank) ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट दरों में बदलाव किया है। बैंक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 17 फरवरी 2024 से एफडी की नई दरें प्रभावी होंगी।यह बदलाव आम लोगों और वरिष्ठ नागरिकों दोनों पर लागू होंगे। ये संशोधित दरें 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर प्रभावी रहेंगी। एफडी पर ब्याज दरें बढ़ने से लोगों को इसका फायदा मिलेगा। बैंक की ओर से एफडी की नई दरों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर दी गई है।

अब मिलेगा इतना ब्याज

वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली उच्चतम दर 7.75त्न है। आईसीआईसीआई बैंक की वेबसाइट के अनुसार, घरेलू एफडी खोलने के लिए न्यूनतम 10,000 रुपए की जरूरत होती है। बैंक विभिन्न मैच्योरिटी पीरियड्स के लिए ब्याज दरों की एक सीरीज प्रदान करता है, जो 3 फीसदी से 7.75 फीसदी तक होती है। वरिष्ठ नागरिकों को सभी एफडी कार्यकालों पर अतिरिक्त 0.5त्न ब्याज दर का लाभ मिलता है। इसके अलावा, बैंक वरिष्ठ नागरिकों को दिए जाने वाले 0.5त्न अतिरिक्त ब्याज दर के अलावा, चुनिंदा एफडी कार्यकालों पर 5 बीपीएस या 10 बीपीएस की अतिरिक्त ब्याज दर प्रदान करता है।

बैंक ने दी जानकारी

बैंक के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 17 फरवरी से 7 दिन से 14 दिन की एफडी के लिए निवेशकों को 3 फीसदी का ब्याज मिलेगा। वहीं 15 दिन से 29 दिन की एफडी के लिए निवेशकों को 3 फीसदी का ब्याज मिलेगा। 30 दिन से 45 दिन की अवधि के लिए एफडी पर 3.5 फीसदी, 46 दिन से 60 दिन की अवधि के लिए एफडी पर 4.25 फीसदी, 61 दिन से 90 दिन की अवधि के लिए 4.5 फीसदी का ब्याज मिलेगा।

वहीं 91 दिन से 184 दिन की एफडी पर निवेशकों को 4.75 फीसदी, 185 दिन से 270 दिन की एफडी पर 5.75 फीसदी, 271 दिन से एक साल से कम अवधि की एफडी पर 6 फीसदी, एक साल से 15 महीने की अवधि पर 6.7 फीसदी का ब्याज मिलेगा।

15 महीने से 2 साल की अवधि के लिए 7.2 फीसदी का ब्याज मिलेगा।

टॉप 10 में से 6 कंपनियों का Mcap घटा, SBI और HDFC ने कराई ताबड़तोड़ कमाई

बिजनेस डेस्क. सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 71,414.03 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) रही। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में एलआईसी के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया। इन कंपनियों के मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 62,038.86 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 831.15 अंक या 1.16 प्रतिशत चढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 26,217.12 करोड़ रुपए गिरकर 6,57,420.26 करोड़ रुपए रह गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 18,762.61 करोड़ रुपए घटकर 14,93,980.70 करोड़ रुपए पर आ गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 13,539.84 करोड़ रुपए घटकर 5,05,092.18 करोड़ रुपए रह गई। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 11,548.24 करोड़ रुपए घटकर 5,58,039.67 करोड़ रुपए पर आ गया। भारती एयरटेल के बाजार मूल्यांकन में 703.60 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,30,340.9 करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 642.62 करोड़ रुपए घटकर 19,76,493.92 करोड़ रुपए रह गई। अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज बुधवार को 20 लाख करोड़ रुपए का बाजार पूंजीकरण हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई। मंगलवार को भी रिलायंस का मूल्यांकन थोड़े समय के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंचा था। हालांकि, दिन के अंत में यह 19.93 लाख करोड़ रुपए पर बंद हुआ।

4100 पर जाएगा टाटा का यह शेयर, लगातार कर रहा मालामाल, 138 बढ़ गया कंपनी का प्रॉफिट

नई दिल्ली.

अगर आप टाटा ग्रुप की किसी कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर हो सकती है। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों (Trent Limited Share) पर फोकस रख सकते हैं। ब्रोकरेज इस शेयर को लेकर बुलिश नजर आ रहे हैं और इसे खरीदने की सिफारिश कर रहे हैं। घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने लार्ज कैप स्टॉक ट्रेंट को 3,830 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ 4100 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने का सुझाव दिया है। बता दें कि वर्तमान में ट्रेंट के शेयर की कीमत 4035 रुपये है और यह इसका 52 वीक का हाई प्राइस भी है।

क्या है ब्रोकरेज की राय

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के डेरिवेटिव और एनालिस्ट चंदन तापड़िया ने लार्ज कैप स्टॉक ट्रेंट को 4100 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने का सुझाव दिया है। 3,830 रुपये के स्टॉप लॉस रखा है।

बीएसई पर ट्रेंट शेयरों की 52-सप्ताह की उच्च कीमत क्रमशः 4035.00 रुपये और 52-सप्ताह की निम्न कीमत 1272.40 रुपये है। ट्रेंट के शेयरों ने पिछले 6 महीनों में 105त्न का रिटर्न दिया और केवल पिछले 1 साल में 195त्न चढ़ा है।

टाटा ग्रुप की रीटेल कंपनी ट्रेंट ने हाल ही में दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। दिसंबर तिमाही में कंपनी का उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन रहा है। ट्रेंड का नेट प्रॉफिट 138 फीसदी उछाल के साथ 370.6 करोड़ रुपये रहा।

देश के सात प्रमुख शहरों में बीते साल घरों के निर्माण 8 बढ़कर 4.35 लाख इकाई पर

देश के सात प्रमुख शहरों में पिछले साल घरों का निर्माण आठ प्रतिशत बढ़कर 4.35 लाख इकाई पर पहुंच गया है। रियल एस्टेट परामर्शक कंपनी एनारॉक ने कहा कि बेहतर बिक्री से रियल एस्टेट कंपनियों के नकदी प्रवाह में सुधार हुआ है। एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, 2023...

नई दिल्ली. देश के सात प्रमुख शहरों में पिछले साल घरों का निर्माण आठ प्रतिशत बढ़कर 4.35 लाख इकाई पर पहुंच गया है। रियल एस्टेट परामर्शक कंपनी एनारॉक ने कहा कि बेहतर बिक्री से रियल एस्टेट कंपनियों के नकदी प्रवाह में सुधार हुआ है। एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में 4,35,045 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में 4.02 लाख घर बनाए गए थे। आंकड़ों के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में पिछले साल 13 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,43,500 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 1,26,720 इकाई का रहा था। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली (एनसीआर) में पिछले साल 32 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,14,280 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में 86,300 घरों का निर्माण हुआ था। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, ''साल 2023 में आवास बिक्री 2022 के पिछले उच्चस्तर को पार कर गई है। यह 2024 में भी मजबूत बनी रहेगी।

पुणे में पिछले साल 23 प्रतिशत गिरावट के साथ 65,000 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में 84,200 घर बनाए गए थे।

बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में संयुक्त रूप से पिछले साल 87,190 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 81,580 इकाई का था। कोलकाता में पिछले साल 25,075 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में 23,190 घरों का निर्माण हुआ था। एनारॉक ने कहा कि घरों के निर्माण का यह आंकड़ा 2017 के बाद सबसे ऊंचा है। साल 2017 में 2,04,200 घरों, 2018 में 2,46,140 घरों, 2019 में 2,98,450 घरों, 2020 में 2,14,370 घरों, 2021 में 2,78,650 घरों का निर्माण पूरा हुआ था।

अगले वित्त वर्ष में दोपहिया उद्योग राजस्व में दो अंकीय वृद्धि दर्ज करेगा: हीरो मोटोकॉर्प

नई दिल्ली. हीरो मोटोकॉर्प को अगले वित्त वर्ष (2024-25) में दोपहिया उद्योग के राजस्व में दो अंकीय या 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि का भरोसा है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निरंजन गुप्ता का मानना है कि प्रीमियम मॉडल की मांग और तेजी पकड़ेगी, जिससे उद्योग अपने राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज करेगा। देश की दूसरी सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कुल 10,031 करोड़ रुपए की आमदनी दर्ज की है। कंपनी का मानना है कि आगे चलकर प्रवेश स्तर के वाहन खंड का प्रदर्शन भी और बेहतर होगा।गुप्ता ने एक विश्लेषक कॉल में कहा, ''जहां तक मांग का सवाल है, जैसा कि हम कहते रहे हैं, हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में उद्योग राजस्व में कम-से-कम दो अंकीय यानी 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू वाहन बाजार में ग्राहक अब प्रीमियम मॉडल की ओर स्थानांतरित हो रहे हैं। इसके अलावा प्रवेश स्तर के बाइक खंड की मांग में भी सुधार दिख रहा है। पिछले कुछ साल के दौरान इस खंड में बिक्री कमजोर रही थी। उन्होंने आगे कहा, ''हम स्पष्ट रूप से ग्रामीण क्षेत्र से भी सकारात्मक संकेत देख रहे हैं। हम देखेंगे कि आने वाली तिमाहियों में वहां मांग में उल्लेखनीय उछाल आएगा।

प्रीमियम मॉडल की बिक्री के लिए कंपनी के आउटलेट या शोरूम को अद्यतन करने की योजना के बारे में गुप्ता ने कहा कि हमने देश में पहले से 300 डीलरशिप का अद्यतन कर दिया है। उन्होंने कहा, ''मार्च के अंत तक हमारे पास 400 ऐसे शोरूम होंगे। अगले साल हम 100 'प्रीमिया स्टोर के साथ 500 2.0 स्टोर को पार कर जाएंगे। हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले साल अक्टूबर में प्रीमिया ब्रांड नाम के तहत अपना पहला प्रीमियम शोरूम खोला था। गुप्ता ने कहा, ''हम प्रीमियम खंड में कई कदम उठा रहे हैं। हमारी शुरुआती सफलता जो हमने हार्ले एक्स440 और करिज्मा में देखी है, वह आगे जारी है।

कंपनी ने एक नया मॉडल मावरिक 440 भी पेश किया है जिसकी आपूर्ति अप्रैल में शुरू होने की उम्मीद है। गुप्ता ने कहा, ''इससे हमारे प्रीमियम पोर्टफोलियो को और मजबूती मिलेगी जो पहले से काफी अच्छी स्थिति में है। अक्टूबर, 2020 में, हीरो मोटोकॉर्प और हार्ले-डेविडसन ने भारतीय बाजार के लिए साझेदारी की घोषणा की थी। इस करार के तहत हीरो मोटोकॉर्प देश में हार्ले-डेविडसन ब्रांड के तहत प्रीमियम मोटरसाइकिल की एक श्रृंखला विकसित करेगी और उनकी बिक्री करेगी।

मुहांसे हो या झुर्रियां, स्किन की कई परेशानियों को दूर करेगा शहद, जानें इससे मिलने वाले फायदे

स्किन केयर के लिए हम कई महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना इतने पैसे खर्च किए भी आप अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं। शहद का इस्तेमाल करके आप अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकते हैं। जी हां, शहद में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो इसे केवल खाने के लिए ही नहीं बल्कि, स्किन केयर के लिए भी फायदेमंद बनाते हैं। आइए जानते हैं, स्किन पर शहद के इस्तेमाल से क्या फायदे मिल सकते हैं।

डार्क स्पॉट्स कम करने में मददगार

शहद में हाइड्रोजन परऑक्साइड पाया जाता है, जो स्किन को लाइट बनाने में काफी मददगार होती है। इसलिए यह डार्क स्पॉट्स को हल्का करने में मदद करता है। एक्ने की वजह से होने वाले निशान या सन स्पॉट्स को हल्का करने में शहद काफी सहायक हो सकता है।

मॉइस्चराइज करने में लाभदायक

शहद लगाने से स्किन मॉइस्चराइज्ड रहती है। शहद एक प्रकार का ह्यूमकटेंट होता है, जो हवा से मॉइस्चर लेकर, स्किन को मॉइस्चराइज करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह काफी समय तक मॉइस्चर लॉस से भी बचाता है, जिससे त्वचा रूखी नहीं होती और हाइड्रेटेड रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा मुलायम रहती है, जिससे फाइन लाइन्स की समस्या भी कम होती है।

एक्ने की समस्या को कम करने में सहायक

शहद में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो एक्ने को जल्दी ठीक करने और अधिक एक्ने होने से बचाने में काफी मदद करता है। साथ ही, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो एक्ने की वजह से होने वाली सूजन को कम करने में मददगार होता है।

एक्सफोलिएट करने में मददगार

शहद में एक्सफोलिएटिंग गुण पाए जाते हैं, जिस कारण से यह स्किन पर इकट्ठा डेड सेल्स को रिमूव करने और त्वचा के पोर्स में इकट्ठा गंदगी को साफ करने में काफी मददगार होता है। डेड स्किन सेल्स को हटाने की वजह से स्किन ब्राइट नजर आती है, इसलिए यह स्किन को ग्लोइंग बनाने में भी मदद करता है।

हालांकि, शहद के इस्तेमाल के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि यह शुद्ध हो और इसमें किसी प्रकार का केमिकल नहीं मिलाया गया हो। केमिकल की वजह से यह स्किन के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है। इसके अलावा, इस बात का ख्याल भी रखें कि आपको पॉलेन या किसी बी प्रोडक्ट से एलर्जिक तो नहीं है। इसलिए चेहरे पर लगाने से पहले, पैच टेस्ट कर लें।

आंकड़ों के खेल में फंसी है गरीबी हटाओ योजना

विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए भारत के पास कई योजनाएं हैं, जो की जा रही हैं और कई अन्य हैं जो विफल हो रही हैं। गरीबी पर वास्तव में हमला करने की इच्छा है तो हम ईमानदारी, प्रतिबद्धता के साथ संकेतकों को सावधानी से पढ़ें और समस्या में गहरी पैठ रखने वाले संरचनात्मक मुद्दों को ठीक करने के लिए काम करें जिनके लिए समय और प्रयास दोनों की आवश्यकता होती है। विकास के लिए न कोई त्वरित समाधान है और न कोई जादू की छड़ी होती है।लेखानुदान के रूप में प्रस्तुत 2024-25 के केंद्रीय बजट में एक बार फिर भारत की बहुआयामी गरीबी में कथित नाटकीय कमी की बात की गई है। आकर्षक सुर्खियों के तार से जुड़ी यह घोषणा पहले की घोषणाओं को दोहराती है। दावा यह है कि पिछले नौ वर्षों में 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी% से बाहर निकल आए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश के करीब 6 करोड़ लोग हैं। इसके बाद बिहार के 3.80 करोड़ और मध्य प्रदेश के 2.30 करोड़ लोग हैं।यह डेटा नीति-आयोग की रिपोर्ट नेशनल मल्टीमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस 2005-06- ए डिस्कशन पेपर% पर आधारित है और इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी उद्धृत किया गया था ताकि विकास को %विश्वास के रथ% के रूप में बात की जा सके जो भारत को बदल रहा है। जनवरी, 2024 में विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से पिछले नौ वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उनके शब्दों में- %हमारी सरकार ने असंभव को भी संभव बना दिया। भारत तेजी से बदल रहा है।% यह पेपर मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों को कवर करता है। संकल्प यात्रा आने वाले राष्ट्रीय चुनाव को देखते हुए दूरदराज के इलाकों में गरीबी कम करने के दावों का श्रेय लेने के लिए खुद आधिकारिक मशीनरी का उपयोग करती है। सवाल यह है कि दावा कितना उचित है और क्या यह जांच पर खरा उतरता है?संक्षेप में कहें तो बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) परिवारों की आय या व्यय पर आधारित नहीं बल्कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों पर आधारित है जो तीन समान शक्तिशाली आयामों- स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर- तक पहुंच सहित 12 संकेतकों के माध्यम से मापा गया है। राष्ट्रीय एमपीआई वैश्विक एमपीआई से सभी दस संकेतकों को कायम रखते हुए इसमें दो अतिरिक्त संकेतक, मातृ स्वास्थ्य और बैंक खाते को शामिल करता है। प्रत्येक संकेतक में एक सुनिश्चित कट ऑफ होता है जिसके नीचे आ रहे व्यक्ति को वंचित माना जाता है। वंचितों का एक भारित योग अंक देता है। यदि उनका अभाव स्कोर 33.33 प्रतिशत की गरीबी कटऑफ के बराबर या उससे अधिक है तो उस व्यक्ति को एमपीआई गरीब माना जाता है।एमपीआई गणना में कोविड-19 के प्रभाव को छोड़ दिया गया है मानो महामारी के दौरान स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा, जीवन स्तर पर कोई प्रभाव न पड़ा हो। इन क्षेत्रों पर महामारी के कारण आए वास्तविक प्रभाव और बोझ न केवल तत्काल बल्कि अनुवर्ती प्रभाव भी पड़ते हैं जो बाद के वर्षों में भी चलते हैं। चर्चा पत्र में कहा गया है कि %चूंकि एनएफएचएस-5 डेटा का कुछ हिस्सा महामारी से पहले एकत्र किया गया था इसलिए इस पेपर में प्रस्तुत अनुमान अर्थव्यवस्था पर कोविड के प्रभाव या बाद के सरकारी हस्तक्षेपों के निहितार्थ को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं कर सकते हैं।भारतीय संदर्भ में इस प्रकार गणना की गई बहुआयामी गरीबी को कुछ विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सूचकांक में स्कूली शिक्षा एक तिहाई भार वहन करती है और इसके भीतर दो संकेतक हैं-एक परिवार को तब वंचित माना जाता है यदि (अ) 10 वर्ष या उससे अधिक आयु के घर के एक सदस्य ने भी छह साल की स्कूली शिक्षा पूरी नहीं की है। (ब) कोई भी स्कूल जाने वाली आयु वर्ग का बच्चा उस उम्र तक स्कूल नहीं जा रहा है जिस उम्र में वह कक्षा 8 पूरी करेगा।कोविड के प्रभाव को एक तरफ छोड़ दिया जाए और शिक्षा के बारे में दोनों सवालों के जवाब के परिणाम से पता चलता है कि वे वंचित नहीं की श्रेणी में आते हैं, तो भी यह बताने के लिए डेटा है कि यह बहुत अधिक नहीं हो सकता। स्कूलों के बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपलब्धता और गुणवत्ता तथा स्कूल प्रणाली को प्रभावित करने वाले अन्य मुद्दों पर संदेह को देखते हुए यह स्पष्ट है कि स्कूली शिक्षा के लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सकता है और वास्तव में भी पूरा नहीं किया गया है। गैर-लाभकारी संस्था प्रथम के तत्वावधान में पिछले महीने नई दिल्ली में जारी एनुअल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट रूरल एएसईआर 2023 - बियॉन्ड बेसिक्स से यह बिल्कुल स्पष्ट है।एएसईआर 2023 में पाया गया कि %सर्वेक्षण में शामिल लगभग 85 प्रतिशत युवा, स्केल का उपयोग शुरुआती बिंदु शून्य सेमी होने पर लंबाई माप सकते हैं

लेकिन यदि शुरुआती बिंदु को स्थानांतरित कर लंबाई नापने को कहें तो यह अनुपात तेजी से गिरकर 39 प्रतिशत हो जाता है। जैसा कि एएसईआर 2023 सर्वेक्षण में बताया गया है, 14-18 वर्ष के आयु वर्ग के किशोर/युवा गणित में कमजोर हैं और उनमें से आधे से अधिक (56.7 फीसदी) सामान्य तीन अंकीय गुणा-भाग करने में कठिनाई महसूस करते हैं जो कौशल आम तौर पर कक्षा तीसरी-चौथी कक्षा के बच्चों से अपेक्षित है।जीवन स्तर के संकेतक पर विचार करें जो कहता है कि यदि परिवार में किसी के पास बैंक या डाकघर खाता नहीं है तो वह एक वंचित परिवार है।

हो सकता है कि बड़े पैमाने पर बैंक खाते खोले गए हों लेकिन जब इस बात पर कोई विचार नहीं है कि इनमें से कितने चालू हैं अथवा क्या इससे बैंकिंग लेन-देन या संबंधित वित्तीय गतिविधियां हुई हैं, जैसे बीमा कवरेज आदि तो यह कैसे एक विश्वसनीय संकेतक हो सकता है?इसलिए कार्यप्रणाली के तरीके, संकेतकों का चयन, ज्ञात तथ्यों और निरीक्षणों के आधार पर कोविड के वर्षों के लिए निकाले जाने वाले काल्पनिक अनुमानों और संबंधित तकनीकी मुद्दों के अलावा यह उन संख्याओं पर सवाल उठाता है जो प्रगति का संकेत तो देते हैं लेकिन जमीनी वास्तविकताओं को नहीं बता सकते।

यह नहीं कहा जा रहा है कि एमपीआई को पूरी तरह से खारिज कर दिया जाए लेकिन यह जरूर कहा जाना चाहिए कि निकाली गई नाटकीय संख्या और शानदार निष्कर्ष विवादास्पद हैं। वे मार्केटिंग के उस अतिरेक की ओर इशारा करते हैं जो उपलब्धि को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है, आत्मसंतोष की भावना पैदा कर सकता है लेकिन बेहतरी के नए प्रयासों को दबा सकता है क्योंकि प्रस्तुत चित्र पहले से ही खूबसूरत है।इस सबके बीच, नौकरियां और नौकरियों की गुणवत्ता भी चिंता का विषय बनी हुई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकानॉमी, सीएमआईई ने बताया कि दिसंबर 2023 में ग्रामीण बेरोजगारी 8 प्रतिशत थी जो 2020 को छोड़कर पिछले सात वर्षों में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर थी। दिसंबर 2017 से यह दर लगातार बढ़ रही है। उस समय ग्रामीण बेरोजगारी 4.6 प्रतिशत थी। शहरी भारत में बेरोजगारी दर बढ़कर दिसंबर 2023 में 10.1 फीसदी हो गई जो एक साल पहले के स्तर के समान है लेकिन पिछले तीन वर्षों में दिसंबर में लगभग 9 प्रतिशत की दर से ज्यादा है।जनवरी 2024 में भारत में समग्र बेरोजगारी दर तेजी से गिरकर 6.8 प्रतिशत हो गई लेकिन इस गिरावट ने श्रम बाजार में उस तनाव को छुपा दिया जो श्रम भागीदारी दर के साथ-साथ रोजगार दर में गिरावट से दिखाया गया था।

भारत में कुल रोजगार में गिरावट आई है जो मुख्य रूप से कृषि में रोजगार के महत्वपूर्ण नुकसान से प्रभावित है। हालांकि सेवा क्षेत्र ने काफी हद तक श्रमिकों को रोजगार दिया है लेकिन इन नौकरियों की गुणवत्ता स्पष्ट रूप से बिगड़ गई।गरीबी में नाटकीय कमी के आंकड़े केंद्र सरकार द्वारा इस साल जनवरी से पांच साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करने की जरूरत के विपरीत है। लगभग इतनी ही संख्या में लाभार्थियों को पहले मुफ्त भोजन प्रदान किया गया था।

संपादकीय

नफरत का अमेरिका

भले ही लाखों भारतीय युवाओं के लिये अमेरिका एक सुनहरे सपनों का देश हो, लेकिन नये साल की शुरुआत में पांच प्रतिभावान भारतीय छात्रों की मौत बताती है कि वहां जमीनी हकीकत खासी कंटीली है। अपनी मेधा-परिश्रम के बूते अपनी विशिष्ट जगह बनाते भारतीय युवा उन काहिल अमेरिकी युवाओं की आंख की किरकिरी बने हुए हैं जिन्हें लगता है कि भारतीय युवा उनकी जगह ले रहे हैं। दरअसल, इस सोच को दक्षिणपंथी राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप ने हवा दी। डोनाल्ड ट्रंप तो युवाओं का राजनीतिक दोहन करके चले गए लेकिन पथभ्रष्ट अमेरिकी सफलता की नई इबारत लिख रहे युवा भारतीयों को निशाना बना रहे हैं। हालात कई भारतीय छात्रों के स्वप्नों का अमेरिका में दुःस्वप्न बनाया जा रहा है। फरवरी के पहले सप्ताह में शिकागो में एक भारतीय युवा को अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया। इससे पहले एमबीए की डिग्री हासिल करने वाले विवेक सैनी की लिथोनिया में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इंडियाना में समीर कामत पिछले सप्ताह मृत पाए गए। एक अन्य छात्र नील आचार्य लापता हुए, बाद में उनकी मृत्यु होने की पुष्टि हुई। वहीं एक युवा अकुल धवन, जो इलिनोइस विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था, पिछले माह मृत पाया गया। इसी तरह श्रेयस रेड्डी की मौत की खबर कुछ सप्ताह पूर्व आई। निश्चय ही ये हत्याएं उन छात्रों को व्यथित करने वाली हैं जो अमेरिका में अपने सपनों का संसार देखते हैं। निस्संदेह, ये घटनाएं उन मां-बाप के लिये दुखदायी हैं जो अपने चल-अचल संपत्ति बेचकर या जीवन की सारी पूंजी लगाकर अपने बच्चों का भविष्य संवारने अमेरिका भेजते हैं। ये बच्चे नस्लवादी व नशेड़ियों की हिंसा का शिकार बन रहे हैं। आज एक प्रतिशत भारतीय अमेरिकी अर्थव्यवस्था में छह फीसदी आयकर दे रहे हैं। उनकी संपन्नता कुछ अमेरिकियों की आंख में खटकती है। दरअसल, अमेरिका में बेरोजगारी काफी है और अपनी अयोग्यता के चलते भारतीय छात्रों का मुकाबला नहीं कर पाते। यह दुराग्रह उन्हें कालांतर में हिंसक बनाता है।

दरअसल, केवल अमेरिकी युवा ही नहीं, अमेरिकी पुलिस भी नस्लवाद मुक्त नहीं है। एक भारतीय छात्रा की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर संवेदनहीन टिप्पणी करता एक पुलिसवाला पिछले दिनों सुर्खियों में था। सारी दुनिया में मानवाधिकारों व सांप्रदायिक सौहार्द की ठेकेदारी करने वाला अमेरिकी प्रशासन भी इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आता। रोजगार के अवसरों की कमी के चलते उत्पन्न असंतोष की वजह से बड़ी संख्या में अमेरिकी युवा नशे और अपराध की दुनिया में उतर रहे हैं। यह दुखद ही है कि पिछले एक साल में अमेरिका में रह रहे पांच सौ बीस भारतीय मूल के लोगों के साथ नस्लीय हिंसा की घटनाएं हुई हैं जो पिछले साल के मुकाबले में चालीस फीसदी अधिक हैं। हिंसा की चपेट में केवल छात्र ही नहीं हैं बल्कि वहां नौकरी कर रहे और वहां बस चुके लोग भी शामिल हैं।

दरअसल, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक टिप्पणी की थी कि भारतीय युवा अमेरिकी युवाओं का हक छीन रहे हैं। उनका दावा था कि सत्ता में आने पर वे उनका हक दिलवाएंगे। यही वजह है कि दक्षिणपंथी ट्रंप को आज भी अधिक अमेरिकी युवाओं का समर्थन मिल रहा है। दक्षिणपंथी अमेरिकियों को इस बात से भी परेशानी है कि बाइडन प्रशासन भारतीय मूल के लोगों को अधिक तरजीह दे रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि बाइडन सरकार ने सवा सौ से अधिक महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय मूल के लोगों की नियुक्ति की है। यहां तक कि आज अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी भारतीय मूल की हैं। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में भारतीय समुदाय के लोगों और राजनयिक कर्मचारियों को छात्रों तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

उन्हें समयबद्ध तरीके से जांच करवाने के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर भी दबाव बनाने का प्रयास करना चाहिए। भारतीय छात्रों को भी सचेत रहने की जरूरत है कि खुद को दुनिया का आदर्श लोकतंत्र कहने वाले अमेरिका में नस्लीय सड़ांध गहरे तक है। विडंबना यह है कि अमेरिकी मीडिया, जो भारत में छोटी-छोटी घटनाओं पर हो-हल्ला करता रहता है, घृणा के अपराधों को उजागर करने तथा भारतीय छात्रों की दशा पर खामोश रहता है।

सर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

निर्णय के अनुसार, %प्राथमिक स्तर पर, राजनीतिक योगदान योगदानकर्ताओं को सत्ता की मेज पर एक सीट देता है, यानी, यह नीति निर्धारकों तक पहुंच बढ़ाता है। यह पहुंच नीति निर्धारण पर प्रभाव डालने में भी सहायक होती है। इस बात की भी वैध संभावना है कि किसी राजनीतिक दल को वित्तीय योगदान देने से धन और राजनीति के बीच घनिष्ठ संबंध के कारण बदले की व्यवस्था हो जायेगी।

नरेंद्र मोदी सरकार की चुनावी बांड योजना को अंततः %असंवैधानिक% घोषित करने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ को बधाई, क्योंकि बांड भारत के संविधान की धारा19(1) के तहत सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। केंद्र सरकार की ओर से बांड जारी करने वाले भारतीय स्टेट बैंक को 12 अप्रैल 2019 को चुनाव आयोग को जारी अंतरिम आदेश के दिन से आगे के बांड जारी करने से रोकने और जारी किये गये बांड और खरीदारों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है जिसे चुनाव आयोग को 13 मार्च 2024 तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करने का आदेश दिया गया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि 12 अप्रैल, 2019 के बाद जारी किये गये चुनावी बांड का क्या होगा, जिस दिन सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी किया था। कानूनी पर्यवेक्षकों को उम्मीद थी कि चुनावी बांड की बिक्री पर अंतरिम रोक लगा दी जायेगी, क्योंकि यह राजनीतिक दलों को समान चुनावी अवसर को विकृत कर रहा था जो लोकतंत्र के कामकाज से जुड़ा एक संवेदनशील मुद्दा था। लेकिन यह रोक नहीं लगाई गई और यह योजना लगभग पांच साल तक जारी रही क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई जारी रही। सुनवाई 2 नवंबर, 2023 को समाप्त हुई और पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया।निर्णय के अनुसार, %प्राथमिक स्तर पर, राजनीतिक योगदान योगदानकर्ताओं को सत्ता की मेज पर एक सीट देता है, यानी, यह नीति निर्धारकों तक पहुंच बढ़ाता है। यह पहुंच नीति निर्धारण पर प्रभाव डालने में भी सहायक होती है। इस बात की भी वैध संभावना है कि किसी राजनीतिक दल को वित्तीय योगदान देने से धन और राजनीति के बीच घनिष्ठ संबंध के कारण बदले की व्यवस्था हो जायेगी। चुनावी बांड योजना और उसके विवादित प्रावधान,जिसमें योगदानकर्ता को अज्ञात रखा जाता था, भारत के संविधान की धारा19(1)(ए) के तहत मतदाता के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करते थे।

अदालत ने माना कि आनुपातिकता के सिद्धांत का प्रतिबंधात्मक साधन परीक्षण संतुष्ट नहीं है और काले धन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए चुनावी बांड के अलावा अन्य साधन भी हैं, भले

ही इसे एक वैध उद्देश्य माना जाये। न्यायालय ने कहा कि सूचना के अधिकार का उल्लंघन उचित नहीं है। यह स्वीकार करते हुए कि सूचनात्मक गोपनीयता का अधिकार वित्तीय योगदान तक फैला हुआ है, जो राजनीतिक संबद्धता का एक पहलू है, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने खुलासा किया। उन्होंने माना कि सूचना और सूचनात्मक गोपनीयता के परस्पर विरोधी अधिकारों को संतुलित करने के लिए दोहरा आनुपातिकता मानक लागू किया गया था। पीठ ने आयकर कानून, जन प्रतिनिधित्व कानून और कंपनी कानून में संशोधन को असंवैधानिक करार दिया।

फैसले में कहा गया है कि चुनावी बांड जो 15 दिनों की वैधता अवधि के भीतर हैं, लेकिन जिन्हें राजनीतिक दलों ने अभी तक भुनाया नहीं है, उन्हें राजनीतिक दल द्वारा क्रेता को वापस कर दिया जायेगा। इसके बाद जारीकर्ता बैंक कर्ता के खाते में राशि वापस कर देगा। यह ठीक है। इसमें कोई बड़ी राशि शामिल नहीं है क्योंकि यह केवल इस वर्ष जनवरी में जारी किश्त से संबंधित है। लेकिन 12 अप्रैल, 2019 के बाद 2023 के अंत तक जारी किये गये बांड राशि बहुत बड़े हैं और अधिकांश धन का उपयोग भाजपा द्वारा राज्य विधानसभा के साथ-साथ 2019 के लोकसभा चुनाव और वर्तमान में चलाये जा रहे अभियान के लिए भी किया जा रहा है। पार्टी जिसके पास पहले से ही विदेशी सहित अन्य स्रोतों से धन उपलब्ध है, वह 12 अप्रैल, 2019 को बांड के मुद्दे पर अंतरिम रोक देने से इनकार करके सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए गलत फैसले की लाभार्थी रही है।चुनावी बांड योजना 2017 में संसद द्वारा पारित की गई थी और यह 2018 से प्रभावी हुई। जल्द ही कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं। याचिकाओं के केंद्र में वित्त अधिनियम 2017 में संशोधन के माध्यम से शुरू की गई चुनावी बांड योजना पर आपत्तियां हैं। याचिकाकर्ताओं में एसोसिएशन फॉरडेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और कांग्रेस नेता जया ठाकुर शामिल हैं जिन्होंने तर्क दिया कि चुनावी बांड से जुड़ी गुमनामी राजनीतिक वित्त पोषण में पारदर्शिता को कमजोर करती है और मतदाताओं के सूचना के अधिकार का अतिक्रमण करती है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि यह योजना शेल कंपनियों के माध्यम से योगदान की सुविधा प्रदान करती है, जिससे चुनावी वित्त में जवाबदेही और अखंडता के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं। 15 फरवरी 2024 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने उनके रुख की पुष्टि की।2 जनवरी से 11 जनवरी, 2024 तक चली चुनावी बांड बिक्री के नवीनतम चरण में 570 करोड़ रुपये से अधिक के चुनावी बांड बेचे गये हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा चार याचिकाओं पर सुनवाई शुरू होने के बाद से यह बेचा गया चुनावी बांड का दूसरा बैच था। 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा घोषित चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देते हुए, अब तक 30 किश्तें बेची जा चुकी हैं और सबसे बड़ी लाभार्थी भाजपा रही है जो सत्तारूढ़ पार्टी है। चूंकि कॉरपोरेट बांड के मुख्य खरीदार हैं, वे ज्यादातर सत्तारूढ़ शासन का पक्ष लेने के लिए भाजपा को दान देते हैं।

हालिया एडीआर रिपोर्ट से पता चलता है कि 2022-23 में कॉरपोरेटजगत ने 850 करोड़ रुपये का दान दिया। इस राशि में से 719.8 करोड़ रुपये भाजपा को मिले और कांग्रेस को केवल 79.92 करोड़ रुपये। इसका मतलब है कि 80 प्रतिशत से अधिक कॉर्पोरेट चंदा सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अप्रैल/मई 2024 में लोकसभा चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कॉर्पोरेट अपने खर्च पर भाजपा को दान दे रहे हैं क्योंकि वे सरकार की केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किसी भी छापे से बचना चाहते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड योजना को रद्द करके अपना संवैधानिक कर्तव्य निभाया है। हालांकि इससे भाजपा की वित्तीय ताकत किसी भी तरह से कमजोर नहीं होगी। इसका चुनावी खजाना विदेशी और देश के पूंजीपति दोनों की वित्तीय मदद से बहुत बड़ा है। संविधान के संरक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय को भारत में संसदीय लोकतंत्र के कामकाज में समान अवसर की रक्षा के लिए एक प्रहरी के रूप में कार्य करना होगा।

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थो को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५० लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपटटा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

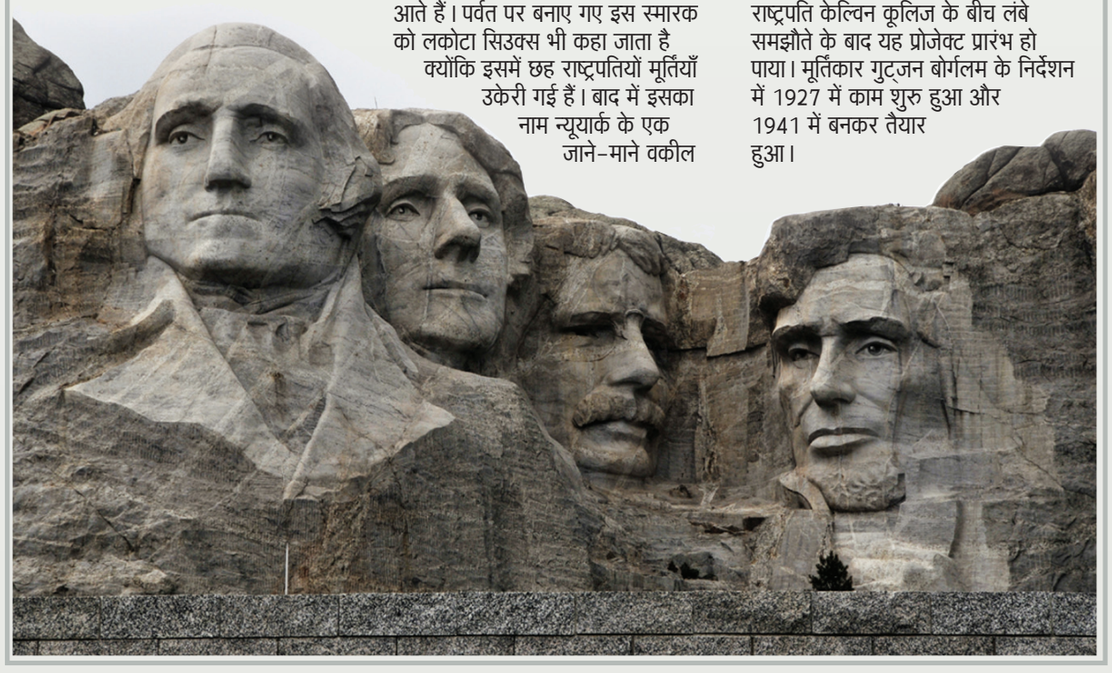

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग हेल्थ प्लस

प्रेग्नेंसी के दौरान सेहत व खानपान के लिए डॉक्टर की सलाह जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण है प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग। इसलिए अगर आप अपना परिवार बढ़ाने के बारे में सोच रही हैं, तो डॉक्टर से इसके बारे में कंसल्ट जरूर करें...

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले पति-पत्नी दोनों स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलकर इस संबंध में सारी बातें जान लें। जब आप अपना परिवार बढ़ाने की प्लानिंग करें, तब कम से कम तीन महीने पहले से आपको इसके लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

खानपान

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि गर्भधारण से पहले अपने खानपान की ओर खास ध्यान दें। रोजाना के भोजन में कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं। हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों व मिल्क प्रॉडक्ट्स का सेवन बढ़ाएं। अगर डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर की फैमिली हिस्ट्री हो, तो डाइट में मीठे व नमक का सेवन कम कर दें। फ्राइड, स्पाइसी और फास्ट फूड से कुछ समय के लिए दूरी बना लें।

सप्लीमेंट्स

कंसीव करने के कम से कम तीन महीने पहले से डॉक्टर की सलाह के अनुसार फॉलिक एसिड का सेवन शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि सबसे पहले बच्चे के मस्तिष्क और उसकी रीढ की हड्डी का निर्माण शुरू होता है और इसे बनाने में फॉलिक एसिड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसकी कमी से बच्चे को नर्वस सिस्टम से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

ज्यादातर स्त्रियों को एनीमिया की समस्या होती है। हीमॉग्लोबिन की कमी के कारण मां की जान को खतरा हो सकता है, अबॉर्शन हो सकता है, बच्चे में जन्मजात नुकस हो सकते हैं और बच्चे का विकास भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए यदि आप एनीमिक हैं, तो डॉक्टर की सलाह से आयरन सप्लीमेंट व विटामिन बी 12 अवश्य लें।

वैक्सीनेशन

अगर किसी स्त्री को रूबेला का वैक्सीन नहीं लगा हो, तो कंसीव करने से पहले उसे यह टीका लगवा लेना चाहिए। सर्विक्स और हैपेटाइटिस की वैक्सीन भी यदि न लगी हो, तो वो भी लगवा लें। लेकिन ये वैक्सीन लगवाने के बाद कम से कम तीन महीने तक प्रेग्नेंसी के लिए कोशिश नहीं करनी चाहिए।

जनरल टैस्ट

एचआईवी: पति-पत्नी दोनों के लिए एचआईवी टैस्ट करवाना जरूरी है, क्योंकि अगर मां एचआईवी पॉजीटिव हो, तो बच्चे को भी इसका खतरा रहता है।

ब्लड ग्रुप: पति-पत्नी दोनों के ब्लड ग्रुप्स की जांच होनी चाहिए। यदि स्त्री का ब्लड ग्रुप नैगेटिव हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान खास एहतियात बरतना पड़ता है।

हैपेटाइटिस बी: पति-पत्नी दोनों को हैपेटाइटिस बी की जांच करवानी चाहिए और इसके टीके भी जरूर लगवा लेने चाहिए।

डायबिटीज: स्त्री के लिए डायबिटीज की जांच बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर मां को यह समस्या हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान मां व बच्चे दोनों को कई तरह की सेहत संबंधी दिक्कतें पेश आ सकती हैं।

हाई ब्लड प्रेशर: हाई ब्लड प्रेशर के कारण बच्चे की ग्रोथ पर असर पड़ता है व मिसकैरेज का खतरा बढ़ जाता है। यदि आपका वजन अधिक है या हाई ब्लड प्रेशर की फैमिली हिस्ट्री है, तो पहले वजन कम करें।

हाइपोथाइरॉइड: हाइपोथाइरॉइड के कारण कंसीव करने में परेशानी हो सकती है, बच्चे की ग्रोथ व ब्रेन की डिवैलपमेंट पर असर पड़ सकता है और मिसकैरेज की संभावना भी बनी रहती है।

सिफलिस: कंसीव करने से पहले स्त्री के लिए सिफलिस की जांच जरूरी है, क्योंकि इससे डिलिवरी के समय कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं।

आनुवांशिक बीमारियों की जांच

अगर आपके या पति के परिवार में किसी खास बीमारी की फैमिली हिस्ट्री रही हो, तो उसके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं। गर्भधारण से पहले पति-पत्नी दोनों को थैलेसीमिया की जांच जरूर करवानी चाहिए। यह आनुवांशिक बीमारी है। अगर पति-पत्नी दोनों को माइनर थैलेसीमिया हो, तो बच्चे को मेजर थैलेसीमिया होने का खतरा होता है, जोकि एक गंभीर बीमारी है। इसमें रोगी को हर तीन महीने के अंतराल पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत होती है।

वजन करें नॉर्मल

मां बनने की कोशिश करने से पहले हर स्त्री को अपने वजन पर ध्यान देना चाहिए। ओवरवेट या अत्यधिक दुबलेपन के कारण गर्भधारण में भी मुश्किलें आ सकती हैं। अगर स्त्री का वजन बहुत ज्यादा हो, तो प्रीमेच्योर डिलिवरी की आशंका बनी रहती है, जबकि कम वजन के कारण प्रेग्नेंसी के दौरान कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लाइफ स्टाइल

पति-पत्नी दोनों ही एल्कोहल और सिगरेट से दूर रहें। इनके सेवन से पुरुषों में स्पर्म काउंट कम हो जाता है। इससे शारीरिक व मानसिक रूप से विकृत शिशु के जन्म या मिसकैरेज की आशंका रहती है।

...अगर ले रही हों कंट्रासैप्टिव

गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन के दौरान रोजाना एक गोली फॉलिक एसिड की जरूर लेनी चाहिए। जब कंसीव करने की इच्छा हो, तो गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन बंद कर देना चाहिए, पर फॉलिक एसिड की गोली लेते रहें।

मत छिपाएं कोई बात

बच्चे की प्लानिंग करते समय यदि किसी भी हैल्थ प्रॉब्लम के लिए आप कोई मैडिसिन ले रही हैं, तो डॉक्टर को इसके बारे में जरूर बताएं। ये बच्चे की डिवैलपमेंट पर बुरा असर डाल सकती हैं। मैडिसिन का कोर्स पूरा होने के बाद ही कंसीव करने की प्लानिंग करें। अगर आप दोनों के परिवारों में से किसी को डाउन सिंड्रोम, डिप्रैशन या मनोवैज्ञानिक समस्या हो, तो डॉक्टर को जरूर बताएं। इनके कारण जन्म से पहले व बाद में भी शिशु और मां दोनों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

शादी बढ़ाती है कैंसर से लड़ने की क्षमता

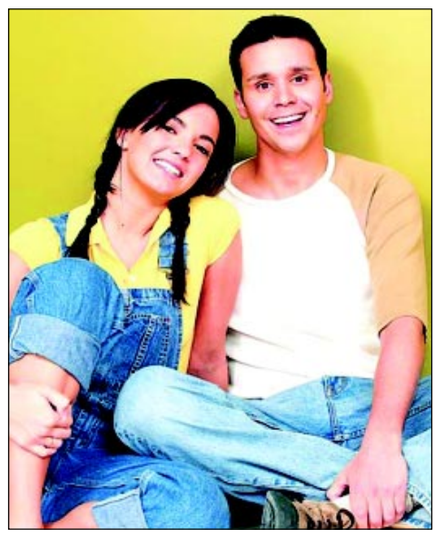

संभवत: विवाह टूटने का तनाव कैंसर से लड़ने की क्षमता कम करता है। एक नए शोध के अनुसार विवाहित लोगों में कैंसर का सामना करने की संभावना अधिक होती है, जबकि ऐसे लोगों के लिए कैंसर से बचना मुश्किल हो सकता है, जिनकी शादी टूटने की स्थिति में है। अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी ने 1973 से 2004 के बीच 38 लाख कैंसर रोगियों के आंकड़ों का अध्ययन करने के बाद ये निष्कर्ष निकाला है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि शादीशुदा कैंसर रोगियों की रोग होने के बाद पांच साल तक जीवित रह पाने की संभावना 63 फीसदी होती है। लेकिन इसकी तुलना में ऐसे विवाहित लोगों के कैंसर से पांच साल तक लड़ पाने की संभावना 45 फीसदी होती है जिनकी शादी टूटने के कगार पर है।

विज्ञान जर्नल कैंसर में प्रकाशित होनेवाली शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि संभवत: शादी टूटने के तनाव के कारण रोगियों की कैंसर से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

इसके पहले भी शादी और सेहत को लेकर कई अध्ययन किए गए हैं। इनमें कई स्टडीज में पाया गया है कि जीवनसाथी का प्यार और साथ रोग से लड़ने के लिए बहुत जरूरी होता है।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान विवाहित, अविवाहित, विधवा-विधुर, तलाकशुदा और शादी टूटने की स्थिति वाले कैंसर रोगियों के बारे में स्टडी की और यह पता लगाने की कोशिश कि इनमें से कितने लोग कैंसर के बाद पांच से 10 साल तक जीवित रहे। उन्होंने पाया कि विवाहित व अविवाहित रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की संभावना सबसे अधिक रही। उनके बाद तलाकशुदा व विधवा-विधुर रोगियों का स्थान आता है।

इस शोध की मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर ग्वेन स्प्रेन ने कहा कि इस अध्ययन से यह पता चलता है कि कैंसर रोगियों में ऐसे लोगों पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए जिनकी शादी टूटने वाली है। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस दिशा में और अध्ययन किए जाने की जरूरत है। शादी टूटने की स्थिति वाले रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की क्षमता कम होने के और भी कई कारण हो सकते हैं।

जब बात हो डिनर की

भागदौड़ भरी जिंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुजारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए खराब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है।

खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दम्पति नाश्ता तो जल्दबाजी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें।

डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी जिंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर जरूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्म्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैक्स होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउजी बना देता है और आपको कम्फर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज्जा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को खराब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेक्ड और उबला हुआ खाना खाएं।
- चीनी युक्त चीजों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 1992

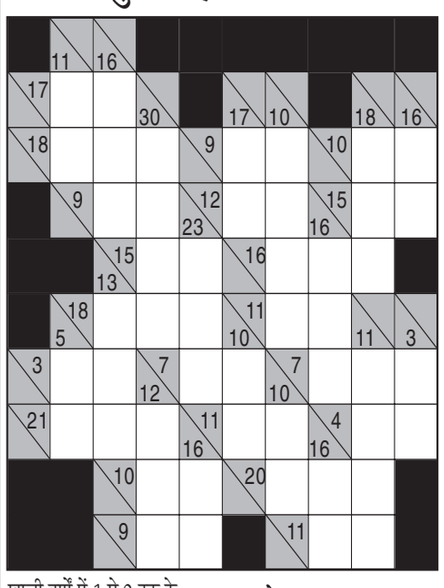

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

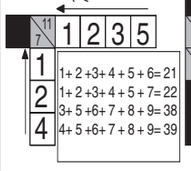

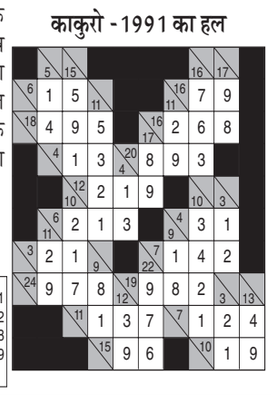

काकुरो - 1991 का हल

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

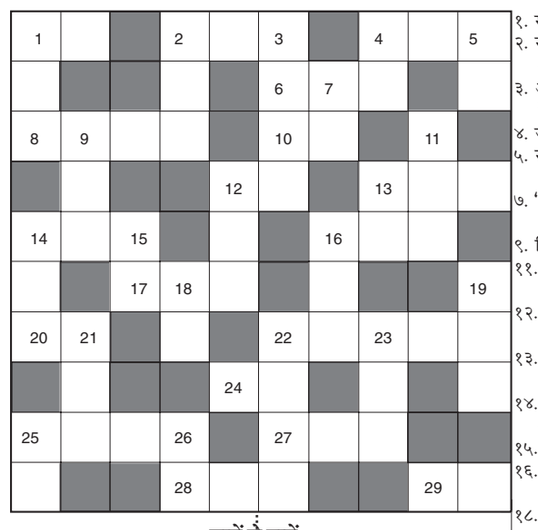

फिल्म वर्ग पहेली- 1992

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धमेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1991

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
र्मा		र्ज		मो	ह	ग		द	
	कं		आ		ग	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	ग	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रो	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

सूडोकु -1992

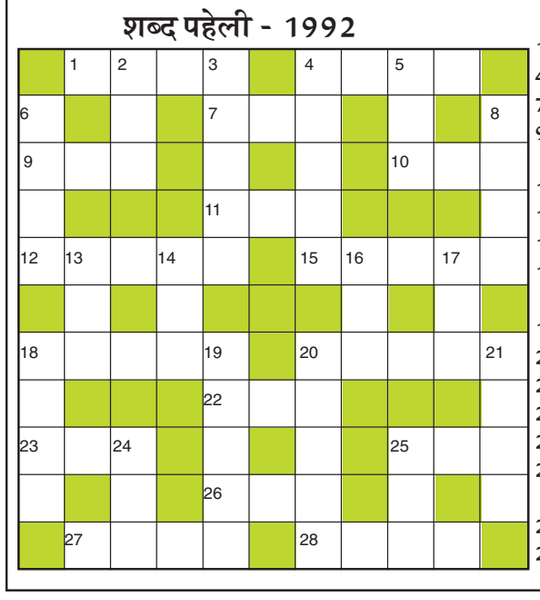

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1991 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1992

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली - 1991 का हल

	अ	व	का	श		प्र	ति	घा	त	
खु				रा	व	ण				मु
शा		ना	या	ब		य	ती	म		क
म		ह		खा	र	क		ज		र
द	या	क	र	ना		था	ह	मा	प	ना
	प		फ्ता				सी		ठा	
अ	न	व	र	त		म	न	भ	र	ना
नु		रा		म	ध्य	म		र		मा
रो		ह	र्षि	त		ता	ली	म		कू
ध				मा	त	म				ल
	आ	ज	मा	ना		य	ज	मा	न	

महाराष्ट्र : पानी की मोटर चुराने के संदेह में दो लोगों की पीट-पीटकर हत्या

नेशनल डेस्क. ठाणे जिले के अंबरनाथ शहर में कुछ स्थानीय लोगों ने पानी की मोटर चोरी करने के संदेह में दो लोगों की कथित तौर पर पीट-पीट कर हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक भगत ने बताया कि जांच के दौरान दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह राहगीरों ने पुलिस को दुर्गादेवी पाड़ा में सूरज परमार (25) और सूरज कोरी (22) के शव पड़े होने की सूचना दी।

भगत ने कहा, ''घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज में दोनों पानी की मोटर चुराकर भागते दिख रहे हैं और कुत्ते उन पर भौंक रहे हैं। इस शोर के कारण कुछ लोग जाग गए। उन्होंने दोनों का पीछा किया और उनकी पिटाई की, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला है कि दोनों की मौत आंतरिक चोट लगने के कारण खून बहने से हुई। उन्होंने कहा कि यह भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या करने का संदिग्ध मामला है।

कानपुर में गंगा और पांडु मैली करने पर एक्शन, 32 लाख रुपए का जुर्माना

कानपुर. कानपुर में गंगा व पांडु में प्रदूषण फैलाने पर मुख्य पर्यावरण अधिकारी ने 32 लाख का जुर्माना बिनगवां व 43 एमएलडी जाजमऊ ट्रीटमेंट प्लांट संचालिक करने वाली कंपनी कानपुर रिवर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर लगाया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी की जांच में दोनों ट्रीटमेंट प्लांट के आउटलेट में बीओडी ज्यादा मिला है। दिसंबर व जनवरी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई है। 210 एमएलडी बिनगवां और 43 एमएलडी जाजमऊ ट्रीटमेंट प्लांट को कानपुर रिवर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी चलाती है। क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी की ओर से भेजी गई टीम ने दोनों ट्रीटमेंट प्लांट के आउटलेट की जांच की तो बीओडी काफी ज्यादा मिला। इस पर जाजमऊ ट्रीटमेंट प्लांट पर 12 दिसंबर से 19 जनवरी तक 39 दिन मानक के अनुरूप आने वाली गंदगी का निस्तारण होते नहीं पाया गया। इसलिए उन पर 14.62 लाख रुपये की पेनाल्टी लगाई गई है।इसी तरह से 210 एमएलडी बिनगवां ट्रीटमेंट प्लांट की 8 दिसंबर से 23 जनवरी तक जांच की गई। इसमें भी बीओडी काफी मिला। इसलिए 46 दिन की पेनाल्टी 17.25 लाख रुपये लगाई गई। कंपनी की लापरवाही से गंगा और पांडु नदी दोनों मैली हो रही थी।

बीओडी 51 मिग्रा तक पहुंच गई

दोनों ही ट्रीटमेंट प्लांट की जांच के दौरान 30 मिग्रा/ली. होने वाली बीओडी 51 तक मिली है। डेढ़ गुने से ज्यादा बढ़ी हुई है। वहीं पीएच और सस्पेंडेड सालिड ठीक मिला है। क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी अमित मिश्रा ने बताया कि दिसंबर व जनवरी की आई रिपोर्ट के आधार पर जुर्माने की कार्रवाई की गई है। लगातार ट्रीटमेंट प्लांट की मानीटरिंग करके रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जाती है।

बनारस के जितेंद्र ने ली थी सिपाही भर्ती का पेपर आउट कराने की जिम्मेदारी, तैयार थे साल्वर गैंग के एक्सपर्ट

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा से पहले पकड़े गए सॉल्वर गैंग ने नकल कराने की तैयारी कर ली थी

आरोपियों ने अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रश्नों का उत्तर बताने के लिए एक्सपर्ट तैयार कर लिए थे।

प्रयागराज. सिपाही भर्ती परीक्षा से पहले पकड़े गए सॉल्वर गैंग ने नकल कराने की पूरी तैयारी कर ली थी। आरोपियों ने अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रश्नों का उत्तर बताने के लिए एक्सपर्ट तैयार कर लिए थे। शनिवार को परीक्षा शुरू होते ही उन्हें पेपर मिल जाता। पुलिस की मानें तो इनके गैंग में शामिल वाराणसी निवासी जितेंद्र ने पेपर आउट कराने की जिम्मेदारी ली थी। पुलिस ने जितेंद्र समेत तीन को वांछित किया है।

जितेंद्र व्हाट्स एप पर करता था कॉल

पुलिस ने बताया कि फरार जितेंद्र ने कहा था कि वह समय पर सभी ग्रुप के पेपर व्हाट्स एप देगा। प्रयागराज में बैठे सॉल्वर एक्सपर्ट की मदद से प्रश्नों को हल कराते और इसके बाद उसका उत्तर अभ्यर्थियों को कॉल करके बताते। ब्लूटूथ डिवाइस की मदद से अभ्यर्थियों को आंसर पता चल जाता। पेपर कहां से कैसे आउट होता, यह पता नहीं चला। जितेंद्र के बारे में आरोपी जानकारी नहीं दे सके। पुलिस को सिर्फ इतना बताया कि वह प्रयागराज के विभिन्न जगहों पर मिलता था। व्हाट्स एप पर ही कॉल करता

था। पेपर वाराणसी या प्रयागराज के किसी परीक्षा केंद्र से आउट होता, यह उन्हें नहीं पता। पुलिस ने जितेंद्र को वांटेड किया है। आरोपियों के मोबाइल और चैटिंग से जितेंद्र के बारे में पुलिस को पता चला है। इसके अलावा चैट में अभ्यर्थियों से लेनदेन का भी जिक्र है। पुलिस की टीम जितेंद्र की तलाश में जुटी है।

डॉ. केएल पटेल गैंग के सदस्य

इस गैंग में पकड़े गए विजय कांत और मनीष पुराने नकल माफिया हैं। 2021 में प्रयागराज एसटीएफ ने तेलियरगंज से मनीष समेत सात के खिलाफ नकल कराने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। पीजीटी में सेंधमारी करने के आरोप में मनीष और उसके साथी पकड़े गए थे।एसटीएफ ने ब्लूटूथ डिवाइस बरामद किया था। वहीं विजयकांत को एसटीएफ ने लेखपाल भर्ती परीक्षा 2022 में नकल कराने के आरोप में पकड़ा था। उसके साथ दिनेश और सोनू भी गिरफ्तार हुए थे। कुल छह के खिलाफ फाफामऊ में मुकदमा दर्ज किया था। उस वक्त एसटीएफ ने खुलासा किया था कि पकड़े गए आरोपी प्रयागराज के रजिस्टर्ड नकल माफिया डॉ. केएल पटेल गैंग से जुड़े हैं।

मक्खी पास करती सिपाही भर्ती परीक्षा

सॉल्वर गैंग के लोग व्हाट्स एप चैटिंग और कॉलिंग के दौरान कोड वर्ड में बात करते थे। नकल कराने के लिए दिल्ली से मंगाए गए ब्लूटूथ डिवाइस का नाम मक्खी रखा था।

अब लोकसभा चुनाव के बाद होंगे निकायों में खाली पदों पर उपचुनाव, जानें तैयारी

यूपी के शहरी और ग्रामीण निकायों में जनप्रतिनिधियों के खाली चल रहे पदों पर उपचुनाव अब लोकसभा चुनाव के बाद ही हो सकेगा। इन निकायों में कई पद मृत्यु या अन्य कारणों से रिक्त हो गए थे।

उत्तर प्रदेश के शहरी निकायों यानि नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत व ग्रामीण निकायों जैसे ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत आदि में जनप्रतिनिधियों के रिक्त चल रहे पदों पर उपचुनाव अब लोकसभा चुनाव के बाद ही हो सकेगा। शहरी निकायों में सभासद/पार्षद व सदस्यों तथा ग्रामीण निकायों में ग्राम प्रधान, पंच, क्षेत्र व जिला पंचायत सदस्यों आदि के तमाम पद मृत्यु व अन्य कारणों से रिक्त हो गये हैं। इन रिक्त पदों पर पद खाली होने से छह से आठ महीने के भीतर उपचुनाव होने चाहिए मगर राज्य निर्वाचन आयोग में आयुक्त का पद खाली हो जाने की वजह से इन रिक्त पदों पर उपचुनाव के लिए समुचित तैयारी नहीं हो पायी है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर मनोज कुमार तैनात थे, मगर बीती 17 जनवरी को उनका कार्यकाल पूरा हो गया।उसके बाद से यह पद खाली चल रहा है। अब प्रदेश सरकार नया राज्य निर्वाचन आयुक्त तैनात करे उसके बाद आयोग में शहरी व ग्रामीण निकायों के रिक्त पदों की सूचना संकलित हो तभी उप चुनाव हो सकेगा। इन सबके लिए कम से कम दो महीने का समय चाहिए और अगले दो महीने के भीतर ही लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने की सम्भावना है।

इसलिए अब यह माना जा रहा है कि शहरी व ग्रामीण निकायों में जन प्रतिनिधियों के रिक्त पदों पर उपचुनाव अब लोकसभा चुनाव के बाद ही हो सकेंगे। बताते चलें कि प्रदेश में ग्राम प्रधानों, ग्राम पंचायत सदस्यों, क्षेत्र व जिला पंचायत सदस्यों के रिक्त पदों पर पिछला उपचुनाव अगस्त से सितम्बर 2023 के बीच करवाया गया था।

बिजली बिल घोटाले में बड़ी कार्रवाई, एक्सईएन, 2 एसडीओ समेत 9 सस्पेंड

लखनऊ. मध्यांचल निगम ने बिजली बिल घोटाले में संलिप्त होने पर सुलतानपुर जिले के तत्कालीन एक्सईएन संजीव कुमार सिंह, दो एसडीओ सौरभ उपाध्याय व प्रशांत कुमार गिरि, चार जूनियर इंजीनियरो मोहम्मद नसीम, आनंद केशरी, अमित श्रीवास्तव व करुणाकर मिश्रा और दो बाबुओं जमुना प्रसाद व संतोष कुमार को शनिवार को निलंबित कर दिया। मध्यांचल निगम के सुल्तानपुर जिले व जयसिंहपुर खंड मे बिल रिवीजन और स्थायी विच्छेदन (पीडी) के नाम पर वर्षों से करोड़ो रुपये के राजस्व घोटाले की शिकायत पावर कॉरपोरेशन के एमडी पंकज कुमार से की गई। एमडी के निर्देश पर 12 जुलाई 2023 को जांच कमेटी गठित की गई। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि क्षेत्र में बिना मीटर लगाये ही संयोजन पर मीटर चढ़ा दिये गए। जिस पर फर्जी एमयू बिलिंग की जा रही है। अनमीटर्ड से मीटर्ड किये

गये संयोजन पर मीटर लगाने वाली एजेंसी द्वारा मीटर नहीं लगाये गये है। न ही मीटर अनुभाग द्वारा इन स्थापित मीटरों का सत्यापन किया गया। बिना सत्यापन के ही ये मीटर संयोजनों पर फीड कर दिये गए।

निलंबित एसडीओ और जेई अयोध्या जोन से संबद्ध

मध्यांचल निगम की जनसम्पर्क अधिकारी शालिनी यादव ने बताया कि निलंबित एक्सईएन वर्तमान में लेसा के मुंशीपुलिया डिवीजन के एक्सईएन है। जिन्हें मुख्य अभियंता (वितरण) लेसा सिस गोमती-प्रथम से संबंध किया गया है। इसके अलावा निलंबित एसडीओ और जेई को मुख्य अभियंता (वितरण) अयोध्या क्षेत्र, अयोध्या संबद्ध किया गया। वहीं निलंबित कार्यालय सहायक को कार्यालय, अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, अयोध्या से सम्बद्ध किया।

पुलवामा हमले में शहीद के परिजनों से किए वादों को पूरा नहीं करने पर अदालत का मप्र सरकार को नोटिस

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए एक जवान के परिजनों से किए गए वादों को पूरा नहीं करने से संबंधित मामले में राज्य सरकार से अगले सप्ताह तक जवाब मांगा है।

नेशनल डेस्क . मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए एक जवान के परिजनों से किए गए वादों को पूरा नहीं करने से संबंधित मामले में राज्य सरकार से अगले सप्ताह तक जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय ने इस मामले का स्वत संज्ञान लिया है। 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवानों की मौत हो गई थी जिनमें से एक जवान मध्य प्रदेश का था।उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार द्वारा वादा पूरा नहीं करने के

संबंध में शुक्रवार को प्रकाशित एक समाचार पर स्वत संज्ञान लिया। मुख्य न्यायाधीश आर मलिमथ और न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की खंडपीठ ने शुक्रवार को कहा, हम अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत रूपरा को मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव की ओर से नोटिस लेने का निर्देश देते हैं, जो अगली तारीख (अगले सप्ताह) तक अपना जवाब दाखिल करें।

उच्च न्यायालय ने कहा, उन 40 लोगों में से एक शहीद मध्य प्रदेश से थे। जैसा कि बताया गया है, उस समय उनके परिवार के सदस्यों से कई वादे किए गए थे। ऐसा नहीं लगता कि वे सभी पूरे हो गए हैं।

उच्च न्यायालय ने कहा, ÷एक शहीद के परिवार को उस राहत का इंतजार करना, जिसका वादा राज्य ने पांच साल पहले किया था, बहुत परेशान करने वाली बात है। हम यह अपेक्षा नहीं करते हैं कि हमारे शहीदों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाएगा।

देवबंद दारुल उलूम की नई इमारत में दिखेगी ताजमहल व जामा मस्जिद की झलक, आधुनिक सुविधाएं भी

देवबंद दारुल उलूम की नई इमारत में ताजमहल व जामा मस्जिद की झलक दिखेगी। इस्लामिक तालीम की इबारत नई इमारत से आगे बढ़ाएगा।

देवबंद. अनार के पेड़ की छांव से दीनी तालीम आरंभ करने वाला दारुल उलूम अब शीघ्र ही इस्लामिक तालीम की इबारत नई इमारत से आगे बढ़ाएगा। अब संस्था की नई इमारत की तैयारी अंतिम चरण में हैं, जिसके चलते संस्था अगले एक-दो वर्षों में राजस्थान से मंगाए गए लाखों घनफुट पिंक स्टोन से आधुनिक रूप से बनाई जा रही नई इमारत में दीनी तालीम दी जाएगी। 30 मई 1866 में दारुल उलूम में दीनी तालीम छत्ता मस्जिद के अनार के पेड़ की छाव में आरंभ हुई थी। एक उस्ताद मुल्ला महमूद और एक शागिंद महमूद हसन के साथ दीनी तालीम आरंभ होने के साथ आज दारुल उलूम दीनी तालीम देने में दुनियां की सबसे बड़ी इस्लामिक यूनिवर्सिटी अल-अजहर (मिस्र) के बाद विश्व में दूसरे नबंर की तालीमी दरसगाह है।हालांकि वक्त के साथ-साथ दीनी तालीम के लिए तलबा की बढ़ोत्तरी होने के साथ-साथ तलबा (छात्रों) को नगर की मरकजी जामा मस्जिद और आदीनी मस्जिद में भी तालीम दी गई। लेकिन, वक्त की जरुरत को देखते हुए दारुल उलूम की इमारतों को 1920 तक तैयार कर लिया गया, जिसमें दारुल हदीस और छात्रावास की बुलंद इमारते बनाई गई। दारुल उलूम की मजलिस-ए-शूरा (वर्किंग कमेटी) ने संस्था में विभिन्न सहुलतों को ध्यान में रखते हुए 1982 में छात्रों की बढ़ती संख्या को देख आधुनिक तरीकों से छात्रावास बनाने को दूर तक फैली इमारतों को समेटकर एक स्थान पर ही सभी दरसगाहों (शैक्षिक कक्ष)को लाने के लिए वर्ष 2006 में संस्था में नई दरसगाहें और प्रशासनिक कार्यालयों एवं पुस्तकालय के लिए निर्माण कार्य आरंभ करने का निर्णय लिया। 2008 से निर्माण कार्य आरंभ किया जो कि 16 वर्षों से जारी है।

ताजमहल और लाल किले के दरवाजों की मिलती है झलक

देवबंद। संस्था की खुबसूरत इमारतों में दारुल उलूम की रशीदिया मस्जिद सफेद संगमरमर के पत्थर से बनकर तैयार हो चुकी है। जिसे देखने के लिए देश से ही नहीं विदेशों से भी लोग आते हैं। मस्जिद का एक गेट जहां दिल्ली के लाल किले जैसा दिखाई देता है। वहीं दूसरा गेट ताजमहल के गेट की झलत मिलती है। वही बनाए जा रहे नए छात्रावास और सात मंजिला लाइब्रेरी की इमारतें भी अपनी भव्यता के लिए अपने निर्माणकाल में ही आकर्षक दिख रही हैं।

एक-दो वर्षों में तलबा नई इमारत में तालीम करेंगे हासिल

देवबंद। दारुल उलूम मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने बताया कि संस्था की नई इमारतों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। बताया कि अगले दो वर्षों में दरसगाहें नई इमरतों में शिफ्ट करा दी जाएगी। बताया कि दारुल इकामा छात्रावास की इमारते तैयार हो चुकी है जबकि कुछ में अभी काम चल रहा है।

सिपाही भर्ती : गणित और अभिरुचि के सवालों ने छकाया

प्रयागराज. 60 हजार सिपाही भर्ती की परीक्षा समाप्त होने के बाद जब अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों से निकल रहे थे तो किसी के चेहरे पर खुशी तो कोई सिर नीचे करके आ रहा था। कैसा हुआ पेपर पूछते ही अभ्यर्थियों ने अपने अंदाज में जवाब दिया। किसी के लिए प्रश्न कठिन तो किसी के लिए आसान था। इस परीक्षा में पुलिस विभाग से संबंधित कई सवाल पूछे गए।

भावी सिपाहियों का टेस्ट लिया गया कि मॉब लिंचिंग होने पर उनका पहला कदम क्या होगा। साइबर एक्सपर्ट बनने पर गश्त के लिए जाएंगे या छुट्टी लेकर घर बैठ जाएंगे। इस तरह के सवालों से अभ्यर्थी के मानसिक स्तर का पता लगाने की कोशिश की गई।

विशेषज्ञ इंजीनियर मारूफ और अरविंद कुमार ने बताया कि सिपाही भर्ती परीक्षा में 150 प्रश्न में प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक मिलने हैं। प्रथम पाली में 52 सवाल रीजनिंग के थे जबकि गणित के प्रथम प्रश्नपत्र में 23 और दूसरी पाली में 25 प्रश्न पूछे गए थे। 50 प्रश्न रीजनिंग के थे। वहीं दोनों पालियों में हिन्दी के 37-37 प्रश्न और 38-38 सामान्य अध्ययन के सवाल पूछे गए।

एक्सपर्ट की मानें तो निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रश्न आए थे, जिसने पढ़ा नहीं होगा उसके लिए कठिन सवाल थे। गणित में पांच से छह सवाल, रीजनिंग में पुलिस अभिरुचि और मानसिक अभिरुचि के सवाल कठिन थे। हिन्दी के प्रश्न आसान थे। हिन्दी साहित्य से तीन चार प्रश्न जुड़े थे। सामान्य अध्ययन का पेपर बहुत अच्छा था।

दुल्हन

बनने जा रही हैं तो शादी के लिए खरीदें इस तरह के डिजाइनर

लहंगे

हर लड़की अपनी शादी के बड़े-बड़े सपने संजोती है कि वह सबसे फैसनेबल और स्टाइलिश दिखे।पर आजकल बाजार में हर चीज के दाम इतने ज्यादा बढ़ गए है कि हर किसी के लिए शादी के सामान की अच्छी चीज को खरीदना मुश्किल हो गया है। ऐसे में अगर कपड़ो की बात की जाए तो कपडो पर की गई कढाई कपड़ो को दाम बढा देती है। इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि आप आपने हर फंक्शन के लिए किस तरह की पोशाक को कम दाम में खरीदे।

1. म्यूजिकल नाइट के लिए लहंगा

अगर आप अपनी म्यूजिकल नाइट में सबसे खूह सूरत दिखना चाहती है तो सुनहरे व नीले रंग का सुंदर लहंगा ही पहने। नीले रंग के इस डिजाइनर लहंगे पर तीनों रंगों का बहुत ही खूबसूरती से इस्तेमाल किया गया है। इस पर लगाया गया गुलाबी व सुनहरे रंग का फीता और चोली पर सुनहरे रंग का साथ की गई कढ़ाई व नटे का दुपट्टा किसी भी रंग की लड़की को सुंदर बना सकते हैं। 2.

कॉकटेल पार्टी के लिए लहंगा

कॉकटेल पार्टी में तैयार होने के लिए आप नीला व सफेद लहंगा पहने। ऐसे लहंगे पर उम्र व फिगर वाली लड़की पर अच्छा लगता है। लहंगे व चोली पर बनाया गया फूलों का जटिल डिजाइन बहुत साफ होने के कारण आपको शाही रूप प्रदान करता हैं।

3. शादी वाले दिन लहंगा

शादी वाले दिन आप पारंपरिक लहंगे के हिसाब से लाल कुर्ती के साथ बेज रंग का लहंगा पहने। लाल रंग की कुर्ती पर की गई सुनहरे रंगी की कढाई रंगों के मिलाप को दिखाती है। इसलिए कुर्ती के साथ पहने गए बेज रंग के लहंगे पर सुनहरे रंगा का गोटा लगा हुआ लहंगा ही पहने।

4. रिसेप्शन के लिए लहंगा

अगर आप अपने रिसेप्शन पर धातुए रंग की कुर्ती के साथ काले रंग का लहंगा पहनेगे तो बहुत ही अच्छे लगेंगे। ऐसे लहंगे में आपकी तस्वीरें बहुत ही सुंदर आएगी। ऐसे फोटोजेनिक काम के लिए लहंगा एकदम सही है। ब्लाउज का हाई नेक व चोली के सामने लगाए गए बटन आपको एक इंडो-वेस्टरन लूक देगा और आप स्टाइलिश दिखेगी। इसके साथ दुपट्टा नहीं होता है।

बजट मे रहकर खरीदें ये स्टाइलिश बैल्ट

बैल्टस को हर लड़का अपनी पैंट के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनती हैं। यह देखने में बहुत छोटी होती हैं, पर कुछ बैल्ट का दाम किसी पोशाक के मुकाबले कम नही होता। आजकल बाजार में बहुत सी स्टाइलिश बैल्ट देखने को मिलती है। इनमें से कुछ बैल्ट कपड़े की बनी होती है और कुछ चमड़े की। आज हम आपको कम बजट वाली स्टाइलिश बैल्ट के बारे में बताएगें।

1. चमडे की बैल्ट

अगर आप फॉर्मल लुक पाना चाहते हैं तो काले या भूरे रंग में चमडे की बैल्ट पहने। चमड़े की बैल्ट को बहुत ही संभाल कर रखना पड़ता है। आप इसे फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते है।

2. ब्रांडेड बैल्ट

यदि आप किसी को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहते हैं तो ब्रांडेड बैल्ट जरूर पहने। आप इसे किसी भी सिंपल पैंट, पतलून के साथ पहन सकते है। 3. नियॉन बैल्ट

नियॉन बैल्ट रंग-बिरंगी होती है। इसे ज्यादातक स्टाइलिश लूक और फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए पहना जाता है। इन बैल्टस को पुरुषों व महिलाएं दोनों ही पहन सकती है।

4. टेक्स्चर्ड बैल्ट

आजकल बाजार में चमड़े और कपडे दोनों तरह की टेक्सचर्ड बैल्ट आती है। पर इनमें से कपड़े की बैल्ट ज्यादा अच्छी होती है। इस बैल्ट की खासियत है कि इसकी पकड़ काफी आरामदायक होती है।

5. ट्रैवल बेल्ट

अगर आप ज्यादातर टुर पर जाते हैं तो आपको ट्रैवल बेल्ट पहन कर जाता चाहिए। ट्रैवल बेल्ट में 3-4 पाकिट होती हैं, जिसमें आप अपने पैसे, कार्ड, जरूरी दस्तावेज आदि संभाल सकते है। इसलिए ट्रेकिंग या छुट्टियों पर जाते समय इसे जरूर पहने।

रस्म के हिसाब से दुल्हन चुने कुछ इस तरह के बैग

शादी के बाद नई नवेली दुल्हन सभी के आकर्षण का केंद्र होती है। कपडों, गहनों से लेकर पर्स तक सभी चीजें उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देते है। ऐसे में अगर पर्स डिजाइनर हो और अपनी साडी या लहंगेसे मैच करता हो तो बात ही क्या। दुल्हन को चाहिए की वह रस्मों के हिसाब से ही अपनी ड्रेस का चुनाव करे और ड्रेस के साथ मैच करता डिजाइनर पर्स लें। जो आपको खूबसूरत दिखने के साथ-साथ ग्लैमरस लुक भी दे।

1. सगाई की रस्म के समय क्रच बैग

अगर आप अपनी सगाई की रस्म में भारी साडी या लहंगा पहनने की सोच रहे है तो इसके साथ मैच करता हुआ बैग ही चुनें। सगाई की रस्म के समय आपको कव्च बैग को हाथ में पकड़ना बहुत ही आसान होगा। इसे आप कलाई पर लटका सकते है या फिर हाथ में पकड़ सकते है। 2. कॉकटेल पार्टी के लिए इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग

अगर आप अपनी कॉकटेल पार्टी में ग्लैमरस दिखना चाहती है तो लिपटी शिफॉन की ब्लैक या लाल रंग की डिजाइनर चोली वाली साडी के साथ इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग लें। यह आप पर बहुत ही अच्छा लगेगा।

3. शादी वाले दिन के लिए बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स आप अपनी शादी के दिन लहंगे के साथ बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स का इस्तेमाल कर सकती है। इसे पकडना आपको बहुत ही आसान होगा और आप लहंगे के साथ टक कर सकती है।

4. रिसेप्शन पार्टी की शाम के लिए बैग

रिसेप्शन पार्टी के लिए आप जरदोजी या बीड्स लिए टोट बैग ही लें। इसे लेने से आप पार्टी में थोडे गलैमरस लगेगे। इस तरह के बैगस को आप साड़ी के साथ भी ले सकते है।

खूबसूरत और फ्रेश त्वचा पाने के लिए चेहरे पर लगाएं आइस क्यूब्स

आज कल हर लड़की चाहती है कि उसकी त्वचा खूबसूरत, चमकीली और मुलायम बनी रहे। ऐसे में वह अपनी त्वचा को और खूबसूरत बनाने के लिए वह तरह-तरह के प्रोडक्ट मार्किट से ला कर इस्तेमाल करती है। पर आज हम आपको बताएगें कि आप घर पर ही आइस क्यूब्स से आप अपनी त्वचा को फ्रेश और ब्यूटीफुल बना सकती है। जाने कैसे...

1. चमकीली और स्वस्थ त्वचा

हर लड़की जवां और खूबसूरत दिखना चाहती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि अगर आप सुंदर, चमकीली और स्वस्थ त्वचा पाना चाहती है तो आइस क्यूब्स को हर रोज चाहरे पर लगाएं।

2. आंखों की थकान मिटाने के लिए

आजकल काम का बोझ इतना ज्यादा बढ़ गया है कि काम करने के दौरान हमारी आंखे थक जाती है और समय से पहले ही आंखो पर झुर्रियां पड़ जाती है। ऐसे में आंखों की थकान और झुर्रियों की समस्या को दूर तरने के लिए कॉटन के कपडे में बर्फ के कुछ टुकडे लेकर आंखों के आसपास धीरे-धीरे से घुमाएं।

3. मेकअप करने से पहले

मेकअप को ज्यादा समय तक टिकाए रखने के लिए मेकअप करने से पहले बर्फ के कुछ टुकडें लेकर कपड़े में बांधकर चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से आपको फ्रेशनेस का एहसास होगा।

4. स्किन टैन या त्वचा में जलन

आगर आपकी स्किन तेज धूप के कारण टैन हो गई हो या फिर जल गई हो तो ऐसे में जलन वाली जगह पर बर्फ लगाएं। बर्फ लगाने से आपको कूलिंग का एहसास होगा और टैनिंग से भी मुक्ति मिलेगी।

5. आईब्रोज करवाने के बाद होने वाली जलन

अक्सर देखा जाता है कि लड़कियां जब भी आईब्रो करवाती है तो बाद में उनहें जलन या रेडनेस होने लगती है। ऐसे में जलन और रेडनेस को कम करने के लिए आंखों के आसपास आइस क्यूब्स घुमाएं।

ट्रेगिंग्स को ट्राई करने के बाद में आप लेगिंग-जेगिंग पहनना भूल जाएगे

आजकल फैसन में ट्रेगिंग्स को बहुत ही पंसद किया जा रहा है। इसे लडकियां फॉर्मल अकेजन में पहनती है। लेगिंग्स के इस बदले ट्राउजर को आप किसी भी इवनिंग आउटिंग, फॉर्मल ब्रंच या रिलेक्स टाइम में पहन सकती हैं। बाजार में इसके बहुत से रंग मिलते है। तो आइए जानते है इन ट्रेगिंग्स के बारे में।

1. ट्राउज़र और लेगिंग से बना ट्रेगिंग्स

ट्राउज़र और लेगिंग से बनाया गया ट्रेगिंग्स उन लोगों के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है, जो फैशनेबल लुक वाला आरामदायक लोअर्स पहनना पसंद करते हैं। इसे पहनकर आपको चलने-फिरने में कोई असहजता महसूस नहीं होती ।

2. ट्रैगिंग्स जेगिंग

आजकल मार्केट में ट्रेगिंग्स जेगिंग बहुत ही किफायती दामों पर मिल जाती है। ट्रेगिंग्स को आप शॉर्ट कुर्ती और स्टोल के साथ पहन सकतीं हैं। इतना ही नहीं इन्हें आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। 3. ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने अगर आप अपने थाइज़ को लेकर थोडा असहज महसूस करती हैं, तो आप ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने ट्रेगिंग्स की फिटेड लुक को बरकरार रखने के लिए, अपने आउटफिट में थोडी फ्लूइडटी दें या फिर इसके साथ फ्लोई टॉप्स और जैकेट पहनें।

गौतम गंभीर का बड़ा खुलासा, क्रिस गेल या एबी डी विलियर्स नहीं इस भारतीय ने IPL में उड़ाई थी उनकी रातों नींद

नई दिल्ली.एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर ने खुलासा किया है कि रोहित शर्मा एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनकी रातों की नींद हराम कर दी थी। मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व कप्तान की सराहना करते हुए, गंभीर ने रोहित को एकमात्र बल्लेबाज बताया, जिनसे वह आईपीएल में खेलते समय डरते थे।

रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच आईपीएल खिताब जिताए हैं, एक रिकॉर्ड जिसकी बराबरी एमएस धोनी ने की थी जब उन्होंने 2023 सीज़न में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी करते हुए जीत हासिल की थी।केकेआर को साल 2012 और 2014 आईपीएल चैंपियन बनाने वाले गौतम गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा, एकमात्र खिलाड़ी जिसने मेरी रातों की नींद उड़ाई थी, वो क्रिस गेल एबी डी विलियर्स नहीं बल्कि रोहित शर्मा थे। रोहित के साथ, मुझे पता था कि मेरे पास प्लान ए, प्लान बी और शायद प्लान सी भी होना चाहिए क्योंकि अगर रोहित अंदर है, तो मुझे नहीं लगता कि कोई भी उसे नियंत्रित कर सकता है।गौतम गंभीर ने इस दौरान बताया कि वह वीडियो देख देख कर रोहित शर्मा के लिए प्लान बनाते थे। उन्होंने यह भी माना कि किसी और बल्लेबाज के लिए उन्होंने इतनी मेहनत नहीं की थी। रात को सोते हुए भी गंभीर रोहित को आउट करने के बारे में सोचा करते थे।

उन्होंने आगे कहा, ÷आईपीएल में एकमात्र बल्लेबाज जिससे मैं डरता था वह रोहित शर्मा हैं। मैंने रोहित शर्मा को छोड़कर किसी अन्य बल्लेबाज के लिए कभी योजना नहीं बनाई है। ऐसे कई बार हुआ है जब मैंने वीडियो देखे हैं, जहां मैंने कहा कि काफी हद तक, प्लान ए ठीक है। लेकिन रोहित शर्मा के साथ, शायद एक रात पहले, मैं सोचता था कि अगर यह काम नहीं करता है, तो मुझे यह लेना होगा।

मुस्तफिजुर रहमान के सिर पर लगी गेंद, निकला खून; अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली.एजेंसी बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के सिर पर एक तेज रफ्तार वाली गेंद लगी, जिसके कारण उनको आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। वे बीपीएल की अपनी टीम के साथ प्रैक्टिस कर रहे थे और एक बल्लेबाज ने सामने की तरफ शॉट खेला, जो सीधे उनके सिर के पिछले हिस्से पर जा लगा। इसके बाद उनके सिर से खून निकलने लगा तो जल्द स्टेडियम में मौजूद स्ट्रेचर को मंगाया गया और उनको वहां से अस्पताल ले

जाया गया।

दरअसल, मुस्तफिजुर रहमान बांग्लादेश प्रीमियर लीग यानी बीपीएल की अपनी टीम कोमिला विक्टोरियन्स के साथ प्रैक्टिस कर रहे थे। वे गेंदबाजी के लिए तैयार हो रहे थे। उस दौरान दूसरे नेट्स में मैथ्यू फोर्ड प्रैक्टिस कर रहे थे। उन्होंने सामने की तरफ एक शॉट खेला, जो सीधे मुस्तफिजुर के सिर के पिछले हिस्से में लगा। उनको ब्लीडिंग शुरू हो गई तो जल्द ही उनको अस्पताल ले जाया गया। इस पर अभी ज्यादा अपडेट सामने नहीं आई है कि उनकी चोट कैसी है।बांग्लादेशी मीडिया की मानें तो बांग्लादेश के प्रमुख तेज गेंदबाज के सिर से खून बह रहा था। मैदान से बाहर एम्बुलेंस तक ले जाने से पहले उनके सिर पर बर्फ लगाई गई थी। मुस्तफिजुर को इंपीरियल अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट में ले जाया गया था। क्रिकबज के मुताबिक, सीटी स्कैन से पुष्टि हुई कि मुस्तफिजुर को कोई इंटरनल ब्लीडिंग नहीं हुई थी। वे अभी किसी भी तरह की गंभीर समस्या में नहीं हैं।

यशस्वी जायसवाल को देख रवि शास्त्री को आई युवा सचिन तेंदुलकर की याद

बोले- वह हर समय खुद को...

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर तारीफ की है। शास्त्री का कहना है कि यशस्वी उन्हें युवा सचिन तेंदुलकर की याद दिलाते हैं। यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में बैजबॉल का मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। राजकोट में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में भी उन्होंने शानदार शतक जड़ भारतीय टीम को ड्राइविंग सीट पर बैठा दिया है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत के पास 322 रनों की बढ़त है। यशस्वी जायसवाल ने दूसरी पारी में रिटायर हर्ट होने से पहले 104 रन बनाए।

राजकोट टेस्ट में यशस्वी जायसवाल की परफॉर्मेंस के कायल हुए रवि शास्त्री ने कमेंट्री करते हुए कहा, आज जिस तरह से जयसवाल ने कदम बढ़ाया है उससे प्रभावित हूं। सिर्फ बल्ले से ही नहीं, बल्कि मैदान पर भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा। मुझे लगता है कि आगे चलकर वह रोहित के लिए अंशकालिक विकल्पों में से एक हो सकता है। गेंद उसके हाथ में होगी - चाहे वह लेग-स्पिन हो, ऑफ-स्पिन हो या मीडियम पेस। जयसवाल मुझे युवा तेंदुलकर की याद दिलाते हैं। हर समय व्यस्त रहते हैं, यह इस कहावत का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि यदि आप खुद पर विश्वास करते हैं, तो उम्मीद है। कुछ भी असंभव नहीं है। वह सिर्फ एक शब्द है। वह लगातार शामिल रहेंगे।

रवि शास्त्री यशस्वी जायसवाल की फील्डिंग से भी काफी प्रभावित दिखे। विराट कोहली और केएल राहुल जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में यशस्वी ने स्लिप में फील्डिंग करने का भार संभाला। टेस्ट क्रिकेट में स्लिप में फील्डिंग करना काफी कठिन होता है क्योंकि आपको इस जगह हर वक्त चौकन्ना रहना होता है। जायसवाल ने इंग्लैंड की पहली पारी में जो रूट का शानदार कैच पकड़ हर किसी का दिल जीता था। रूट ने स्विच हिट की मदद से स्लिप के ऊपर से शॉट लगाना चाहते थे, मगर यशस्वी ने उनके इस मनसूबे को कामयाब नहीं होने दिया।रवि शास्त्री ने कहा, यह एक बेहतरीन कैच था, गेंद उड़ रही थी। उन्हें स्लिप में ध्यान केंद्रित करना था। यह एक अलग कोण है, यह बाहरी किनारा नहीं है। आपको शामिल होना होगा। इसे देखो। इसे आसान दिखता है। वह इस सीरीज में पहले ही कुछ शानदार कैच पकड़ चुके हैं। मैंने दक्षिण अफ्रीका में उनकी प्रतिभा देखी जहां उन्होंने स्लिप कॉर्डन में कुछ शानदार कैच लपके थे।

शुभमन गिल रन आउट होकर हुए आग बबूला, कुलदीप यादव की गलती की वजह से शतक से चूके

नई दिल्ली. इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में खेला जा रहा है। इस मैच की दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल रन आउट हुए।

गिल के रन आउट की वजह कुलदीप यादव बने। नाइट वॉचमैन के रूप में तीसरे दिन बल्लेबाजी करने आए कुलदीप ने चौथी दिन की शुरुआत में गिल का भरपूर साथ दिया मगर उनकी एक गलती की वजह से गिल 91 के निजी स्कोर पर रन आउट हो गए। यह गिल के टेस्ट करियर का पहला रन आउट है। शानदार लय में बल्लेबाजी कर रहे गिल इस रन आउट के बाद काफी गुस्से में दिखाई दिए।

शुभमन गिल के रन आउट की बात करें तो यह घटना भारतीय पारी के 64वें ओवर में घटी। टॉम हार्टली की आखिरी गेंद पर कुदलीप कदमों का इस्तेमाल कर बड़ा शॉट लगाना चाहते थे, मगर वह गेंद को अच्छे से टाइम नहीं कर पाए। गेंद सीधा मिड विकेट पर खड़े इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स के हाथों में गई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के स्क्वॉड का ऐलान, ये स्टार खिलाड़ी हुआ बाहर

नई दिल्ली.न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी दो मैच की टेस्ट सीरीज के लिए 14 खिलाड़ियों के स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। इस टीम में डेरिल मिचेल की वापसी हुई है जिन्होंने हाल ही में पैर की चोट के चलते साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट मिस किया था, वह इस इंजरी के चलते ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 सीरीज भी नहीं खेल पाए थे। न्यूजीलैंड के स्क्वॉड में स्कॉट कुगलेइजन की भी एंट्री हुई है, वह चोटिल काइल जैमिसन की जगह टीम में आए हैं। जैमिसन पीठ की चोट के चलते लंबे समय के लिए बाहर हो गए हैं।

न्यूजीलैंड के दो सीनियर खिलाड़ी केन विलियमसन और टिम साउदी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में खास उपलब्धि हासिल करेंगे। वह इन दो टेस्ट मैचों के जरिए रेड बॉल क्रिकेट में अपने 100-100 मैच पूरे करेंगे। दोनों खिलाड़ियों ने अभी तक अपने देश के लिए 98 मुकाबले खेले हैं। अगर इन दोनों खिलाड़ियों को कोई इंजरी नहीं होती है तो यह मुकाम वह 8 मार्च को हेडिंगले ओवल में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में हासिल करेंगे।

केन विलियमसन और टिम साउदी न्यूजीलैंड के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले पांचवे और छठे खिलाड़ी बनेंगे। वे स्टीफन फ्लेमिंग, डैनियल विटोरी, ब्रेंडन मैकुलम और रॉस टेलर के क्लब में शामिल होंगे जिन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 100 या उससे अधिक मैच खेले हैं। वहीं टीम साउदी रॉस टेलर, विराट कोहली और डेविड वॉर्नर के बाद हर फॉर्मेट में 100 मैच खेलने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे।चयनकर्ताओं ने हाल ही में कम रेड बॉल क्रिकेट खेलने वाले ट्रेंट बोल्ड को इस सीरीज के लिए नहीं चुना है। वहीं माइकल ब्रेसवेल का भी चयन इस स्क्वॉड में नहीं हुआ है क्योंकि वह उंगली की चोट से उबर रहे हैं। टिम साउदी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, स्कॉट कुगलेइजन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, नील वैगनर, केन विलियमसन, विल यंग।

बेन डकेट ने यशस्वी जायसवाल को बताया उभरता सुपरस्टार, मांगा उनके शतक का श्रेय

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को उभरता हुआ सितारा करार देते हुए शनिवार को कहा कि टेस्ट क्रिकेट में विपक्षी खेमे के खिलाड़ियों को आक्रामक बल्लेबाजी करने के लिए प्रेरित का श्रेय उनकी टीम को दिया जाना चाहिए। जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की बहुचर्चित बैजबॉल तरीके से बल्लेबाजी करते हुए तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को भारत की दूसरी पारी में शतक ठोका। पीठ में ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट होने से पहले उन्होंने 133 गेंदों में 104 रन की पारी में नौ चौके और पांच छक्के लगाए।

जायसवाल एक समय 73 गेंद में 35 रन बनाकर खेल रहे थे लेकिन दिन के आखिरी सत्र में उन्होंने अपना रवैया बदला और आक्रामक शॉट से शतक पूरा किया।डकेट ने दिन के खेल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जब आप विपक्षी टीम के खिलाड़ियों को इस तरह खेलते हुए देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि हमें कुछ श्रेय लेना चाहिए। वे अपनी नैसर्गिक शैली से अलग तरीके से अलग खेल रहे हैं।उन्होंने कहा, हमने मौजूदा क्रिकेट सत्र में कई बार ऐसा देखा है। यह देखना काफी रोमांचक है कि अन्य खिलाड़ी और अन्य टीमें भी उस आक्रामक शैली की क्रिकेट खेल रही हैं।उन्होंने जायसवाल की तारीफ की लेकिन चुटिले अंदाज में कहा, वह उभरते हुए सुपरस्टार की तरह दिखता है, दुर्भाग्य से वह इस समय बहुत अच्छी लय में है। उसका खराब समय (लय) आने वाला है।इंग्लैंड की पहली पारी में 151 गेंद में 23 चौके और दो छक्के की मदद से 153 रन बनाने वाले डकेट ने कहा कि भारतीय टीम शनिवार को बेहतर योजना के साथ मैदान पर उतरी थी।

साउथ अफ्रीका के महान क्रिकेटर माइक प्रॉक्टर का निधन, सर्जरी के बाद हो गए थे बेहोश

नई दिल्ली.एजेंसी

साउथ अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर और टीम के पूर्व कोच माइक प्रॉक्टर का निधन हो गया है। शनिवार 17 फरवरी को उन्होंने 77 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। एक सर्जरी उनकी हुई थी, जिसके बाद वे बहोश हो गए थे। उनकी पत्नी ने ये जानकारी न्यूज एजेंसी एएफपी को दी। माइक प्रॉक्टर की पत्नी मैरीना प्रॉक्टर ने कहा, सर्जरी के दौरान उन्हें एक जटिलता का सामना करना पड़ा, वे बेहोश हो गए और फिर कभी

नहीं उठे।प्रॉक्टर एक दमदार ऑलराउंडर थे, जो रंगभेद के बाद के युग में दक्षिण अफ्रीका के पहले कोच बने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रेफरी के रूप में उनका कार्यकाल विवादास्पद रहा। सोमवार को उनके परिवार ने खुलासा किया कि नियमित सर्जरी के बाद अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में ठीक होने के दौरान उन्हें कार्डियक अरेस्ट से जुड़ी एक समस्या का सामना करना पड़ा था।प्रॉक्टर का इलाज उनके गृहनगर डरबन के पास एक अस्पताल में किया जा रहा था। प्रॉक्टर का दक्षिण अफ्रीका के साथ अंतरराष्ट्रीय खेल करियर 1967 से 1970 तक चला था, लेकिन इसके बाद उनके देश को रंगभेदी सरकार के कारण विश्व क्रिकेट से बाहर कर दिया गया।

ILT20 2024 Final की विजेता बनी MI Emirates, दुबई कैपिटल्स को मिली हार

ILT20 2024 Final की विजेता MI Emirates बनी है। दुबई कैपिटल्स को फाइनल में एमआई की टीम ने बुरी तरह से हरा दिया। पिछले सीजन की विजेता गल्फ जाएंट्स थी। इस बार एमआई ने बाजी मारी।

नई दिल्ली.एजेंसी इंटरनेशनल लीग टी20 2024 का फाइनल मुकाबला 17 फरवरी को खेला गया। खिताबी मैच में एमआई एमिरेट्स ने बाजी मारी। फाइनल में एमआई एमिरेट्स के सामने दुबई कैपिटल्स थी। दुबई की टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा। एमआई एमिरेट्स ने 45 रनों से दुबई कैपिटल्स को हराया और पहला खिताब अपने नाम किया। अभी तक इस टूर्नामेंट के दो ही सीजन हुए हैं। पहले सीजन की विजेता गल्फ जाएंट्स थी।

दुबई कैपिटल्स ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। एमआई एमिरेट्स ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 208 रन बनाए थे। एमआई की टीम की ओर से 27 गेंदों में 57 रन कप्तान निकोलस पूरन ने जड़े, जबकि 37 गेंदों में 53 रन आंद्रे फ्लेचर ने जड़े। वहीं, 24 गेंदों में 43 रनों की पारी मुहम्मद वसीम ने खेली, जबकि कुसल परेरा 26 गेंदों में 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 7 गेंदों में 9 रन बनाए। 1-1 विकेट तीन गेंदबाजों ने दुबई कैपिटल्स की ओर से लिए। वहीं, जब 209 रनों के लक्ष्य का पीछा करने दुबई कैपिटल्स की टीम उतरी तो दूसरी गेंद पर ही पहला विकेट गिर गया था। इसके बाद टीम को टॉम बैंटन और टॉम एबेल ने संभाला, लेकिन लगातार अंतराल पर विकेट गिरे और कोई भी तेज गति से बल्लेबाजी नहीं कर सका। यही कारण रहा कि दुबई कैपिटल्स की पूरी टीम 20 ओवर खेलकर 7 विकेट के नुकसान पर 163 रन ही बना सकी और मुकाबला 45 रनों के अंतर से हार गई।दुबई कैपिटल्स की ओर से कप्तान सैम बिलिंग्स ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। 35 रन टॉम बैंटन के बल्ले से निकले, लेकिन अन्य कोई बल्लेबाज उस तरह की पारी नहीं खेल पाया, जिससे की टीम जीत के करीब भी पहुंच पाती। दुबई कैपिटल्स ने एलिमिनेटर और क्वॉलिफायर 2 जीतने के बाद फाइनल में प्रवेश किया था, लेकिन खिताबी मैच में उनको जीत नसीब नहीं हुई।

राजकोट टेस्ट में हुई रविचंद्रन अश्विन की वापसी, BCCI ने दी जानकारी

आर अश्विन चौथे दिन लंच तक राजकोट पहुंच सकते हैं। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए वे तीसरे मैच में उपलब्ध रहेंगे। दूसरे दिन के खेल के बाद वे राजकोट से चेन्नई फैमिली इमरजेंसी की वजह से चले गए थे।

नई दिल्ली.एजेंसी

राजकोट के निरंजन शाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में आज यानी रविवार 18 फरवरी को चौथे दिन का खेल शुरू हो गया है। इस बीच भारत के लिए एक अच्छी खबर आई है कि ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन फिर से भारतीय टीम के साथ जुड़ने वाले हैं। राजकोट में जारी तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के खेल के बाद फैमिली इमरजेंसी की वजह से रविचंद्रन अश्विन को टीम का साथ छोड़ना पड़ा था, लेकिन अब खबर है कि वे चौथे दिन के खेल के दौरान लंच तक अश्विन राजकोट पहुंचने वाले हैं और वे इस मैच में आगे गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर सकते हैं।

आर अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे तीसरे टेस्ट के चौथे दिन भारतीय टीम में शामिल होने के लिए राजकोट पहुंचने वाले हैं।

बीसीसीआई ने भी स्पष्ट कर दिया है कि आर अश्विन फिर से टीम से जुड़ने वाले हैं। वह दूसरे दिन के खेल के बाद निजी कारणों से राजकोट से चेन्नई चले गए थे। बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने बताया था कि उनकी मां की तबीयत खराब है। वहीं, चौथे दिन के खेल से पहले होस्ट ब्रॉडकास्टर जियोसिनेमा से बात करते हुए कुलदीप यादव ने कहा, निश्चित नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अश्विन भाई वापस आ सकते हैं। वह लंच तक राजकोट में हो सकते हैं।बीसीसीआई ने मीडिया रिलीज जारी करते हुए कहा है, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को पारिवारिक आपातकाल के कारण संक्षिप्त अनुपस्थिति के बाद टीम में आर अश्विन की वापसी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। अश्विन को राजकोट में तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन के बाद फैमिली इमरजेंसी की वजह से अस्थायी रूप से टीम से हटना पड़ा था। आर अश्विन और टीम प्रबंधन दोनों को यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि वह चौथे दिन एक्शन में वापस आएंगे और मौजूदा टेस्ट मैच में टीम के लिए योगदान देना जारी रखेंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह की तरफ से आए मेल में आगे लिखा गया है, टीम प्रबंधन, खिलाड़ियों, मीडिया और प्रशंसकों ने परिवार के महत्व को प्राथमिकता के रूप में स्वीकार करते हुए काफी समझ और सहानुभूति दिखाई है।

कन्फर्म हुई अनुष्का शर्मा की डिलीवरी डेट! Virat Kohli के दूसरे बच्चे को इस देश में देंगी जन्म

ग्लैमर वर्ल्ड के चहीते कपल्स में से एक अनुष्का शर्मा और विराट कोहली इन दिनों अपने दूसरे बच्चे को लेकर सुर्खियों में हैं। काफी समय से चर्चा हो रही है कि कपल फिर से माता-पिता बनने जा रहा है, लेकिन अभी तक दोनों में से किसी ने भी इस खबर को ऑफिशियल नहीं किया है।पिछले कई महीनों से अनुष्का शर्मा लाइमलाइट से दूर हैं। वह सोशल मीडिया पर भी कम एक्टिव हैं। वर्ल्ड कप 2023 के दौरान कई बार अनुष्का को पति विराट कोहली (Virat Kohli) को चीयर करने के लिए स्टेडियम में स्पॉट किया गया था। इस बीच वह अपना बेबी बंप भी छुपाती हुई स्पॉट की गई थीं। तमाम अटकलों के बावजूद कपल प्रेग्नेंसी की खबरों पर चुप्पी साधे हुआ है। अब एक शख्स ने एक्ट्रेस की डिलीवरी डेट को लेकर हिंट दिया है।

अनुष्का शर्मा की डिलीवरी डेट कन्फर्म ?

अनुष्का शर्मा की डिलीवरी की खबर को जाने-माने बिजनेसमैन हर्ष गोयनका ने हवा दी है। हाल ही में, हर्ष ने एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट कर इशारों-इशारों में अनुष्का और विराट के दूसरी बार माता-पिता बनने की खबर की पुष्टि की है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, अगले कुछ दिनों में एक नया बच्चा जन्म लेने वाला है। आशा है कि बच्चा सबसे महान क्रिकेटर पिता की तरह भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा या यह मां को फॉलो करेगा और फिल्म स्टार बनेगा?इसके साथ ही हर्ष गोयनका ने हैशटैग मेड इन इंडिया और मेड इन लंदन भी लिखा है। हर्ष के ट्वीट से साफ है कि वह विराट और अनुष्का की बात कर रहे हैं।

बात से पलटे थे एबी डीविलियर्स

कुछ दिन पहले एबी डीविलियर्स ने भी अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के दूसरे बच्चे को लेकर कमेंट किया था। उन्होंने कहा था कि जल्द ही दोनों फिर से माता-पिता बनने जा रहे हैं। उनका कहना था कि पत्नी की दूसरी प्रेग्नेंसी की वजह से ही वह इंग्लैंड सीरीज से बाहर हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने विराट से माफी मांगी थी और कहा था कि उन्होंने गलत जानकारी शेयर की है।

लॉकडाउन ने लिखी रकुल और जैकी के प्यार की दास्तां, पड़ोसी से ऐसे बने लव बर्ड्स

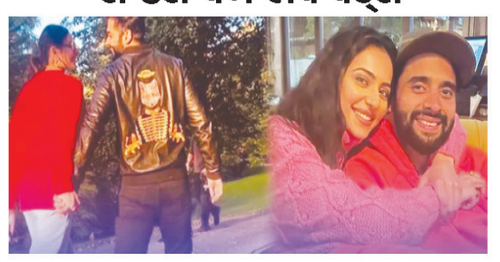

बी-टाउन के पसंदीदा कपल्स में से एक रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी जल्द ही शादी करने वाले हैं। अपनी प्यारी केमिस्ट्री के चलते लाखों फैंस के दिल पर राज करने वाले रकुल और जैकी ने जब से अपने रिश्ते का एलान किया है, तब से दोनों कपल गोल्स देने का कोई मौका नहीं गंवाते हैं।

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी तकरीबन चार साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। डेटिंग के बाद पति-पत्नी के रूप में सफर शुरू करने जा रहे रकुल और जैकी की राह कैसे एक पड़ोसी से हमसफर के रूप में एक हुई, इसकी कहानी बहुत दिलचस्प है। कपल के प्यार की कहानी आपके दिल को छू जाएगी।

पड़ोसी होकर भी अनजान थे रकुल और जैकी

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी यूं तो एक ही इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं, लेकिन उनके बीच पहले दोस्ती से ज्यादा कुछ नहीं था। ना ही दोनों ने कोई रोमांटिक फिल्म की, जिससे उनके बीच प्यार की चिंगारी जलेगी, लेकिन कहते हैं कि ना कि जोड़ियां ऊपर से बनकर आती हैं। रकुल और जैकी के साथ भी कुछ ऐसा ही था। पड़ोसी होकर भी एक-दूसरे को न जानने वाले रकुल और जैकी के बीच प्यार की शुरुआत करने में लॉकडाउन का बड़ा रोल था।

लॉकडाउन में रकुल और जैकी की बढ़ी नजदीकियां

रकुल प्रीत और जैकी को नहीं पता था कि दोनों एक-दूसरे के पड़ोसी हैं। कोरोना महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में रकुल प्रीत और जैकी भगनानी ने एक साथ हैंगआउट करना शुरू किया था। उस वक्त दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त थे। बाद में दोनों ने दोस्तों के साथ आउटिंग शुरू की और ऐसे उन्हें एक-दूसरे के बारे में और जानने के मौका मिला। एक इंटरव्यू में रकुल ने जैकी संग अपनी लव स्टोरी शेयर की थी।

इनसिक्योरिटी से परे रकुल और जैकी का रिश्ता

रकुल प्रीत और जैकी भगनानी का हेल्दी रिलेशनशिप को लेकर एक मंत्र है और वो है नो इनसिक्योरिटी। एक हालिया इंटरव्यू में रकुल ने कहा था कि अगर दोनों में से कोई इनसिक्योर होता है तो कोई भी रिश्ता सही से नहीं चल सकता है। उनका कहना था कि किसी और को पूर्ण करने से बेहतर है कि पहले खुद को पूरा करो।

रकुल प्रीत के बर्थडे को जैकी ने बनाया था स्पेशल

जैकी और रकुल ने 10 अक्टूबर 2021 को अपने रिलेशनशिप को कन्फर्म किया था। लेडी लव रकुल के बर्थडे पर जैकी ने एक रोमांटिक पोस्ट कर दुनिया के सामने अपने प्यार का इजहार किया था।

Esha Deol की शादी टूटने से बेहद दुखी हैं पापा Dharmendra, दामाद भरत संग फिर बसाना चाहते हैं बेटी का घर?

धूम फेम एक्ट्रेस एशा देओल (Esha Deol) ने अपने पूर्व पति भरत तख्तानी (Bharat Takhtani) से अलग होने का फैसला कर लिया है। काफी समय से एशा और भरत के बीच अनबन की खबरें सामने आ रही थीं। कुछ समय पहले एक स्टेटमेंट में उनके अलग होने की खबरों पर मुहर लगी।

एशा देओल ने साल 2012 में बिजनेसमैन भरत तख्तानी से शादी रचाई थी। एशा और भरत की दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी का नाम राध्या (2017) और छोटी बेटी का नाम मिराया (2019) है। 12 साल बाद एशा और भरत ने अपने रास्ते अलग कर लिए। बेटी एशा की शादी टूटने पर धर्मेंद्र (Dharmendra) का रिएक्शन सामने आया है।

एशा देओल के अलगाव पर क्या बोले धर्मेंद्र ?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, एशा देओल और भरत तख्तानी के अलगाव से धर्मेंद्र बहुत दुखी हैं। वह नहीं चाहते कि दोनों अलग हों। बॉलीवुड लाइफ के मुताबिक, कोई भी माता-पिता अपने बच्चों के परिवार को टूटता हुआ देख खुश नहीं हो सकता है। धर्मेंद्र जी भी अंदर से दुखी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि धर्मेंद्र ने एशा और भरत को फिर से इस पर विचार करने की सलाह दी है।

एशा और भरत को फिर से साथ लाना चाहते हैं धर्मेंद्र ?

एशा और भरत की दो बेटियां हैं, जो अपने दादा-दादी और नाना-नानी के बेहद करीब हैं। माता-पिता के अलग होने से उन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। इसलिए धर्मेंद्र चाहते हैं कि अगर दोनों का रिश्ता बच सकता है तो उन्हें कोशिश करनी चाहिए। हालांकि, वह अपनी बेटी के फैसले के खिलाफ भी नहीं हैं।

क्यों अलग हुए एशा और भरत ?

एशा देओल और भरत तख्तानी बी-टाउन के पावर कपल कहे जाते थे, लेकिन अचानक उनका अलग होना फैंस के लिए शॉकिंग है। कुछ महीनों से एशा पूर्व पति भरत के साथ कोई पोस्ट नहीं कर रही थीं, तभी से लोग अनुमान लगा रहे थे कि उनके रिश्ते में शायद खटास आ गई है। दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला तो कर लिया है, लेकिन इसकी वजह नहीं बताई है।

शिल्पा शेट्टी के बॉडीगार्ड ने दिव्यांग फैन के साथ की बदतमीजी, हरकत पर एक्ट्रेस का रिएक्शन वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। बिजी शेड्यूल से टाइम निकालकर एड्रेस शामली के साथ क्वालिटी टाइम बिताना नहीं भूलतीं।?? हाल ही में शिल्पा पति राज कुंद्रा और बच्चों के साथ छुट्टियां मनाने सिंगापुर गई थीं। यहां से लौटने पर मुंबई एयरपोर्ट पर उनकी बॉडीगार्ड ने एक फैन के साथ कुछ ऐसा किया, जिस पर एक्ट्रेस का रिएक्शन वायरल हो रहा है।

शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा का ये वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर कुंद्रा फैमिली का एक वीडियो सामने आया है, जिसने शिल्पा और राज अपने बच्चों वियान और समीशा के साथ नजर आ रहे हैं। सेलिब्रिटी को अपने सामने देख फैंस का एक्साइटेड होना आम बात है। कुछ ऐसा ही राज और शिल्पा के साथ हुआ। जैसे ही कपल अपनी कार की और बढ़ा, एक फैन राज कुंद्रा के साथ फोटो खिंचवाने के लिए दौड़ पड़ा।

शिल्पा शेट्टी ने लगाई बॉडीगार्ड को फटकार

इस दौरान कपल के बॉडीगार्ड ने उस फैन को रूड बिहेवियर से पीछे खींचा। अपने बॉडीगार्ड का यह बर्ताव शिल्पा शेट्टी हो अच्छा नहीं लगा। उन्होंने उस बॉडीगार्ड को न सिर्फ डांट लगाई, बल्कि उस फैन को छोड़ने के लिए भी कहा।

फैंस ने की सराहना

एक यूजर ने लिखा, क्या मिलता है यह सब करके। एक अन्य ने कमेंट किया, %इस हरकत के बाद शिल्पा शेट्टी के लिए इज्जत बढ़ गई।

शिल्पा शेट्टी वर्कफ्रंट

शिल्पा शेट्टी की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें, तो हाल ही में एक्ट्रेस की कॉप सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स रिलीज हुई। रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज में शिल्पा पुलिस ऑफिसर के रोल में हैं। वहीं, राज कुंद्रा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो पिछले साल उनकी डेब्यू मूवी यूटी69 रिलीज हुई थी।